राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 यूक्रेन अभी नाटो की सदस्यता के लिए तैयार नहीं : बाइडेन

अरविंद केजरीवाल को एक और झटका, गुजरात में आप के नेता ने यूसीसी ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 61 | पटना, मंगलवार, 11 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 37°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

दो माह के अंदर किया जाएगा 4 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण : नीतीश

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर राज्यस्तरीय वन महोत्सव-2023 का किया उद्घाटन

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को मुख्य सचिवालय परिसर में मौलश्री पौधा का रोपण कर राज्यस्तरीय वन महोत्सव-2023 का उद्घाटन किया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो कार्यक्रम की शुरूआत की गई है उसके अंतर्गत दो माह के अंदर 4 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार से झारखंड के अलग होने के बाद बिहार का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत ही रह गया था। हरित आवरण क्षेत्र बढ़ाने के लिए वर्ष 2012 से हमलोगों ने पौधारोपण करना शुरू किया। उसके बाद वर्ष 2019 में जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरूआत कराकर हमलोगों ने इसको और आगे

बढ़ाया। राज्य का हरित आवरण क्षेत्र अब बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। हम चाहते हैं कि राज्य का हरित आवरण क्षेत्र जल्द से जल्द 17 प्रतिशत हो जाए। बिहार का क्षेत्रफल कम है और यहां की आबादी घनी है इसको ध्यान में रखते हुये हमलोग 17 प्रतिशत हरित आवरण क्षेत्र के लिए काम कर रहे है। पहले पेड़ों की कमी थी, लेकिन अब हर जगह पेड़ दिखायी देने लगे हैं। इस काम में हमलोग लगे हुए हैं। विकास के जितने भी सरकार के कार्यक्रम हैं उसको देखने के लिए हम घूमते रहते हैं और लोगों की राय भी सुनते हैं और जहां कहीं भी कमी दिखती है उसका समाधान करते है। जिस इलाके में जैसी आवष्यकता होती है उस अनुसार काम किया जाता है। हमलोग लगातार विकास के काम में लगे हुये हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री ने सिंचाई भवन के नवनिर्मित बेसमेंट पार्किंग का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की सचिव बंदना प्रेयसी, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह पटना प्रमंडल के आयुक्त कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष का हंगामा, सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

हंगामे के बीच सदन में अनुपूरक विवरण पेश

2023-24 में 43,774.7581 करोड़ की राशि प्रस्तावित

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधानमंडल के मॉनसून सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने अपनी बात रखी। वित्त मंत्री विजय चौधरी ने प्रथम अनुपूरक व्यय विवरण सदन में प्रस्तुत किया। इसके बाद सदन में शोक प्रकाश पढ़ा गया। स्पीकर ने जननायकों के निधन पर शोक प्रकट किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। स्पीकर ने पहले दिन आसन से अध्याशी सदस्यों के नाम का ऐलान किया।इसके बाद विस सचिव ने सदन में मंत्री विजय चौधरी ने प्रथम अनुपूरक व्यय विवरण सदन में प्रस्तुत किया। इसके बाद सदन में शोक प्रकाश पढ़ा गया।

स्पीकर ने जननायकों के निधन पर शोक प्रकट किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वित्त मंत्री विजय चौधरी ने बिहार विधान मंडल में वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक से संबंधित प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी प्रस्तुत किया। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2023-

24 में 43,774.7581 करोड़ की राशि प्रस्तावित है। वार्षिक स्कीम के अन्तर्गत 25,699.8640 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान प्रथम अनुपूरक आगणन में प्रस्तावित किया गया।

जिसमें केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम के केन्द्रांश मद में 1,097.1407 करोड़ रुपये एवं राज्यांश मद में 8,739,6592 करोड़ रुपये अर्थात कुल 9,836,7999 करोड़ रुपये में स्कीम वार केंद्र प्रायोजित स्कीम (केन्द्रांश) में 404.09 करोड़ रुपये मनरेगा योजना के लिए।166.48 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए,85.00 करोड़ रुपये राष्ट्रीय पोषण मिशन हेतु, 80.00 करोड़ रुपये राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना हेतु,100.00 करोड़ रुपये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन हेतु,50.39 करोड़ रुपये सक्षण आंगनबाड़ी पोषण -2.0 हेतु,41.40 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा निधि योजना हेतु है। दूसरी ओर केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम (राज्यांश) मद में 6223.01 करोड़ रुपये समग्र शिक्षा अभियान हेतु,436.00 करोड़ रुपये राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हेतु,380.00 करोड़ रुपये मनरेगा योजना के लिए होंगे।

सीएम नीतीश के साथ विस पहुंचे डिप्टी सीएम तेजस्वी

पटना। बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया। पहले दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव व मंत्री तेजप्रताप यादव विधानसभा पहुंचे। सीएम के साथ डिप्टी सीएम को देखकर महागठबंधन में अतंर्कलह के दावे करने वालों को झटका लगा। वहीं, भाजपा के विधायकों ने विधानसभा के अंदर व बाहर जमकर हंगामा किया व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी व विधान परिषद में सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने अपने प्रारंभिक संबोधन से सदन की कार्यवाही का शुभारंभ किया। सभा अध्यक्ष व सभापति ने अध्यासीन सदस्यों के नाम का ऐलान किया। विस सचिव ने सदन में होने वाली विधायी कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा खड़े हो गए और अपनी बात रखने लगे। बीजेपी विधायकों ने तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के मामले को उठाते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की। भाजपा विधायक सदन में नारेबाजी करने लगे। स्पीकर अवध बिहारी चौधरी ने विपक्षी सदस्यों से शांत रहने को कहा। कहा कि अभी आपकी बात नहीं सुनी जायेगी। दरअसल, सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही बीजेपी विधायक जनक सिंह ने तेजस्वी के चार्जशीट का मामला विधानसभा में उठाया। कहा कि रेलवे में नौकरी देने के बदले जमीन लिखवाने के मामले में सीबीआई ने तेजस्वी यादव के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया है और 12 जुलाई को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में इसपर सुनवाई होनी है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के बीच वित्त मंत्री विजय चौधरी ने प्रथम अनुपूरक व्यय विवरण सदन में प्रस्तुत किया। इसके बाद सदन में शोक प्रकाश पढ़ा गया। स्पीकर ने जननायकों के निधन पर शोक प्रकट किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

फिरकापरस्त ताकतों से कोई समझौता नहीं किया, यही राजद की सबसे बड़ी पूंजी है : लालू

प्रात : किरण

पटना। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पार्टी विधायकों व पार्षदों को एकजुट होकर जनता के हित में काम करने की नसीहत दी। सोमवार को राजद के विधायक दल की बैठक में विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि महागठबंधन मजबूत तरीके से देश हित में काम करने के लिए बना है। सभी लोगों को मिलकर देश की हालात, महंगाई, बेरोजगारी, गिरती हुई अर्थव्यवस्था, धार्मिक उन्माद, नफरत की राजनीति, बदले की करवाई और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग इन सभी सवालों को जनता के बीच में सत्र समाप्ति के बाद रखें। सत्र के दौरान सदन में उपस्थित होकर अपने विधाई कार्यों का निर्वहन कीजिए और एकजुट होकर काम करें। जनता के हितों का सवाल लगातार उठाते रहें। जनता के हित के लिए हर हमेशा खड़े रहिए। देश में किसान, मजदूर और नौजवान सभी परेशान है। महंगाई से आम आवाम काफी परेशान है और इन परिस्थितियों में राजद की भूमिका और बढ़ जाती है। हमने सदैव सामाजिक सौहार्द और एकता को कभी विखंडित होने नहीं दिया। लाख परिस्थितियां आने के बावजूद भी फिरकापरस्त ताकतों से कोई समझौता नहीं किया। यही राजद कि सबसे बड़ी पूंजी भी है।

एक ही केस में बार-बार चार्जशीट दाखिल करना कहां से उचित : राबड़ी

प्रात : किरण

पटना। पूर्व सीएम मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने तेजस्वी यादव के खिलाफ चार्जशीट दायर होने को लेकर जमकर अपनी नाराजगी जाहिर की। इस दौरान तेजस्वी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर कहा कि विपक्षी दल तो मांग करेगा और उनका क्या लेना देना है। राबड़ी देवी ने कहा कि एक ही केस में बार बार चार्जशीट दाखिल करना कहां से उचित है। भारत सरकार हम लोगों के साथ जबर्दस्ती कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी केंद्र के खिलाफ बोलेगा, उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई लगा देंगे। चार्जशीट लगा देंगे। केंद्र सरकार का बस यही काम बाकी रह गया है। राबड़ी देवी ने इस दौरान प्रधानमंत्री पर पूरे देश को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके शासन में विकास का कोई काम नहीं हुआ है। गरीबों को 15 लाख अब तक नहीं मिले, हर साल दो करोड़ रोजगार नहीं मिला। सिर्फ अपना और अपनी पार्टी का विकास किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे देश में भाजपा के कार्यालय मॉल की तरह नजर आते हैं। हर जिले में पार्टी का कार्यालय खुल गया है। दिल्ली में पार्टी कार्यालय देखने के बाद मॉल जैसा लगता है। कहां से आ रहा था यह पैसा, यह सब जनता की कमाई से तैयार किए गए हैं। बीजेपी सिर्फ लोगों को धोखा देने का काम कर रही है। लोगों को बांट रही है।

संक्षिप्त खबरें

विपक्षी एकजुटता से विपक्ष परेशान : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दल के विधायकों से विपक्षी एकजुटता की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सोमवार की देर शाम को जदयू विधायक दल की बैठक में कहा कि भाजपा इससे परेशान है। कई छोटे-छोटे दल भी विपक्षी एकजुटता के अभियान में अपने को जोड़ना चाह रहे। उन्हें भी जोड़ना है। इसके लिए हम सब मिलकर मेहनत करेंगे। आप लोग भाजपा से लड़ने के लिए मजबूती से तैयार रहिए। सरकार की जो योजनाएं हैं, उसके बारे में इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता से लोगों को बताएं। लोगों को यह जानना जरूरी है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। उन्होंने इस क्रम में अपने विधायकों को कहा कि सदन में जरूर उपस्थित रहिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जिस-जिस को आगे बढ़ाया उसने धोखा दिया। उन्होंने कहा कि आगे आप लोग जैसा कहेंगे, वैसा होगा। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी उम्र की चर्चा भी कर दी। इस पर ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि बार-बार 71 वर्ष होने की चर्चा नहीं कीजिए। आपको और आगे काम करना है।

शिक्षक भर्ती : आवेदन की अंतिम तिथि15 जुलाई तक

पटना। बिहार में 1.70 लाख शिक्षकों की भर्ती को लेकर आयोग ने उम्मीदवारों को बड़ी खुशखबरी दी है। बिहार लोक सेवा आयोग ने शिक्षक भर्ती के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। गौरतलब है कि काफी दिनों से ऑफिशियल वेबसाइट पर सर्वर संबंधी समस्या आ रही थी. जिस वजह से उम्मीदवार फॉर्म नहीं भर पा रहे थे. ऐसे में लगातार अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की जा रही थी। अब आयोग ने अभ्यर्थियों की मांग को सुनते हुए लास्ट डेट 12 जुलाई से बढ़ाकर 15 जुलाई कर दी है। ऐसे में इच्छुक अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 15 जुलाई तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके अलावा एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अब बीपीएससी की भर्ती परीक्षाओं में भी ओटीआर यानी वन टाइम रजिस्ट्रेशन सिस्टम शुरू होगा। इसके तहत उम्मीदवारों को वेबसाइट पर केवल एक बार ही रजिस्ट्रेशन करना होता है।

गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बाढ़ के प्रभाव की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और अन्य राज्यों में बाढ़ की स्थिति और राष्ट्रीय राजमार्गों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की। गडकरी ने विशेष बैठक में अधिकारियों को प्रभावित सड़कों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों से संबंधि राज्यों में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग सचिव, एनएचएआई के अध्यक्ष, डीजी रोड और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति वाली इस बैठक में गडकरी ने अधिकारियों को प्रभावित राजमार्गों की मरम्मत और रखरखाव को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री का न्याय के साथ विकास की परिकल्पना हर क्षेत्र में परिलक्षित हो रही : सभापति

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि 204वें सत्र में प्रस्तावित कुल 5 बैठकों में राज्यहित एवं विकास से जुड़े अधिक-से-अधिक विषयों पर सार्थक विमर्श होंगे। उन्होंने कहा कि विगत दिनों में राज्य सरकार द्वारा जनहित में लिए गए निर्णयों के सकारात्मक परिणाम आए हैं। सूडान और मणिपुर में उत्पन्न संकट के बाद अपने साधन से बिहारियों को वापस लाने की व्यवस्था के निर्णय के बाद मुख्यमंत्री के इस सूत्रवाक्य की बार-बार चर्चा होती है कि सरकार के खजाने पर पहला अधिकार आपदा से प्रभावित संकटग्रस्त लोगों का है। बालासोर रेल दुर्घटना से प्रभावित परिवारों को सहायता एवं पुनर्वास के प्रति सरकार के प्रयास प्रशंसनीय हैं। राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य के मुख्यमंत्री का न्याय के साथ विकास की परिकल्पना हर क्षेत्र में परिलक्षित हो रही है।

युवाशक्ति को सरकारी नौकरी और स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित एवं प्रेरित किया जा रहा है। रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सभापति ने कहा कि अपनी उत्कृष्ट बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए बिहारी विद्यार्थियों ने वर्ष 2022 की आईएएस परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर हमें गौरवान्वित किया है। 21 वर्ष से कम उम्र वर्ग के विश्व युवा तीरदंजी प्रतियोगिता में

बिहार के बेगूसराय के लाल प्रियांश ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्व चैंपियन का खिताब जीत लिया है। भारत को सर्वोच्च पदक दिलाकर बिहार ही नहीं भारत को गौरवान्वित किया है। सभापति ने कहा कि वज्रपात के कारण होने वाली क्षति से बचने के लिए पूर्व में उपयोग में लाई जाने वाली पारंपरिक सुरक्षा प्रणाली पर ध्यान देना समीचीन होगा और ऐसी हानि को कम करना हमारी प्राथमिकता सूची में सम्मिलित होना चाहिए। सभापति ने कहा कि सदन के सफल संचालन में आप सभी सदस्यों का रचनात्मक सहयोग प्राप्त होगा और सभी विषयों पर सकारात्मक विमर्श से समाधान के नए रास्ते प्रशस्त होंगे।

सदन के माध्यम से जनता की तकलीफों को दूर करें : स्पीकर

प्रात : किरण

पटना। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र आरंभ होने के मौके पर विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि समय ने यह जवाब दिया है कि जनता समझदार होती है। उसे परिस्थिति को समझने में भले ही देर लग जाती है, लेकिन जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा करने में वह पूरी तरह सक्षम होती है।

विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने कहा कि जनता सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाले राजनीतिक निर्णयों को अपने अनुकूल पलटने की क्षमता रखती है। उनके निर्णयों का सामाजिक परिवर्तन की दिशा में दूरगामी असर भी होता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि वयस्क मताधिकार से प्रतिनिधि शासन व्यवस्था में सामान्य जन की भागीदारी बढ़ी है, इस प्रणाली की आलोचना भी कम नहीं होती है। आलोचकों ने हमेशा इस पर आपत्ति व्यक्त की है। उनके मुताबिक, इस व्यवस्था में अधिकांश लोग इतने अज्ञानी, अशिक्षित और अदूरदर्शी होते हैं कि वे सार्वजनिक नीतियों के निर्धारण में भाग लेने के योग्य नहीं माने जा सकते हैं, लेकिन समय ने इसका जवाब दिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों से यह निवेदन किया कि बिहार विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के तहत अपनी बात सदन में रखें। सरकार हर विषय में उत्तर देने के लिए बाध्य होगी। यह संसदीय प्रणाली की खास विशेषता है कि कार्यपालिका सदन के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने विधायकों से यह आग्रह भी किया कि वे सदन के माध्यम से जनता की तकलीफों को दूर करें।

एसएसएलवी को उद्योग जगत को सौंपा जाएगा : इसरो अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को घोषणा की कि वह लघु उपग्रहों की बढ़ती मांग के बीच अपने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) को निजी सेक्टर को सौंपेगा। एसएसएलवी 500 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने वाला वाहन है और यह मांग आधारित सेवा मुहैया कराता है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने सिया इंडिया द्वारा आयोजित भारत अंतरिक्ष कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में कहा, हमने अपना एसएसएलवी बनाया है, जिसे उद्योग जगत को स्थानांतिरत किया जाएगा और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में इनका उत्पादन किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अंतरिक्ष एजेंसी ने लघु रॉकेट को निजी उद्योग को स्थानांतरित करने के लिए बोली प्रक्रिया का मार्ग चुनने का फैसला किया है। एसएसएलवी इसरो द्वारा विकसित छठा प्रक्षेपण यान है। उसने पिछले साल अगस्त में और इस साल फरवरी में विकास उड़ान भरी थी।

कहर मनाली में फंसे 20 लोगों को बचा लिया गया, विभिन्न हिस्सों में करीब 300 लोगों के फंसे रहने की खबर

उत्तर भारत में बारिश का कहर, हिमाचल सबसे अधिक प्रभावित, प्रधानमंत्री ने की समीक्षा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उत्तर भारत में मूसलाधार बारिश के कहर के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया जबकि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने बारिश प्रभावित राज्यों के लिए पीएम केयर्स फंड से राहत की मांग की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शहर में मूसलाधार बारिश के कारण हुए जलभराव और यमुना के बढ़ते जल स्तर पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। उत्तर भारत में दिल्ली में यमुना सहित कई नदियां उफान पर हैं। क्षेत्र के शहरों और कस्बों में कई सड़कें और आवासीय इलाके घुटने तक पानी में डूब गए हैं। रविवार को रिकॉर्ड बारिश के कारण नगर निकाय भी स्थिति सुधारने में असहाय नजर आया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में अत्याधिक बारिश से पैदा हुई स्थिति की समीक्षा की। पीएमओ ने कहा, स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित लोगों की कुशल-क्षेम सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश के मनाली में फंसे 20 लोगों को बचा लिया गया लेकिन पहाड़ी राज्य के विभिन्न हिस्सों में करीब 300 अन्य लोग फंसे हुए हैं। राज्य में भारी बारिश के बाद भूस्खलन, घरों को नुकसान पहुंचने और कई लोगों की मौत होने के एक दिन बाद मौसम विभाग ने

सोमवार को अत्यंत भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार सुबह जारी एक वीडियो में लोगों से अपील की कि वे भारी बारिश में घरों से बाहर निकलने से बचें, खासकर नदियों और नालों के पास, और अगले 24 घंटों के लिए सतर्क रहें क्योंकि मौसम विभाग ने भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने मूसलाधार बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश और उत्तर भारत के कुछ अन्य राज्यों में हुए जान माल के नुकसान पर दुख जताया और केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि पीएम केयर कोष से अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की जानी चाहिए। लगातार बारिश के बीच हरियाणा द्वारा हथनीकुंड बैराज से नदी में और पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। राष्ट्रीय राजधानी में प्रगति मैदान सुरंग पर जलभराव के कारण जाम लगने के कारण इसे सोमवार को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन बारिश हुई और अधिकारी संकट के समय में सबसे अधिक प्रभावित स्थानों पर लोगों तक पहुंचने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब और हरियाणा के कई हिस्सों में सुबह से बारिश हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण उत्पन्न मौजूदा स्थिति को देखते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दिन के लिए अपने सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को रद्द कर दिया और गृह, आपदा प्रबंधन और शहरी स्थानीय निकायों सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में भेड़ाघाट के पास उफनती नर्मदा नदी में एक टापू पर फंसे चार लोगों को एनडीआरएफ ने 13 घंटे से अधिक समय के अभियान के बाद बचाया।

संक्षिप्त खबरें

लावारिस अवस्था में ट्रेन से शराब बरामद

दानापुर। खगौल रेल थाना जीआरपी के द्वारा स्टेशन पर विशेष चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म नंबर 3 के पूर्वी छोर पर खड़े गाड़ी सीमांचल एक्सप्रेस के जनरल बोगी में तीन बोर में रखा अंग्रेजी शराब बरामद किया गया जीआरपी थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया की भारी मात्रा में शराब किसी ने ले जाने के लिए ट्रेन से लाए थे पुलिस को देख शराब छोड़कर फरार हो गए जिसमें किंगफिशर बियर 48 पीस ऑफिसर चॉइस टेट्रा पैक 204 पीस 8 पीएम टेट्रा पैक 80 पीस स्टेशन से बरामद किया गया अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर ली गई है।

कंगन घाट में डूबे इरशाद का शव मिला

पटना सिटी (प्राकि)। खाजेकलां थाना क्षेत्र के नून की चौराहा निवासी मो टुन्नू का 12 वर्षीय पुत्र इरशाद रविवार को कंगन घाट पर नहाने के दौरान डूब गया था। रविवार को उसका शव नहीं खोजा जा सका था। सोमवार को उसका शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार उसका भाई शव को लेकर ठेला पर लाद कर चौक थाना पहुंचा। यहां काफी देर तक बातचीत होने के बाद अंततः पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा। यहां पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

शिवभक्तों ने निकाला कांवर यात्रा

पटना सिटी (प्राकि)। किला रोड देवी स्थान से श्री श्री विशाल शिवधारी कावंर संघ, मारूफगंज की ओर से 54 फीट का कांवर का शोभायात्रा निकाला गया। शोभायात्रा अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग से होते श्री बड़ी देवी जी मारूफगंज, दलहट्टा व नंदगोला बड़ी देवी जी के साथ चरखी पर स्थित नागा बाबा मंदिर होते हुए मालसलामी, पूरब दरवाजा, हाजीगंज, झाऊगंज, चौक, पश्चिम दरवाजा, बेलवरगंज होते हुए गायघाट स्थित गौरीशंकर मंदिर में पूजा-अर्चना किया। फिर यहां से अगमकुआं स्थित शीतला माता मंदिर पहुंचा। यहां पूजा अर्चना व अभिषेक किया गया। कांवर यात्रा में संघ के अध्यक्ष सह संयोजक विनोद बाबा, सोनू जायसवाल, भूषण जायसवाल, मंटू जायसवाल, संजय कुमार, कल्ला कुमार, विनय कुमार बिट्टू, आदि शामिल थे। यहां से सभी सुल्तानगंज जाएंगे, जहां से गंगाजल लेकर कांवर के साथ बाबाधाम जाकर वहां जलार्पण करेंगे।

इंडियन आयल कारपोरेशन के कर्मियों का किया गया टीबी पर उन्मुखीकरण

पटना। इंडियन आयल कारपोरेशन के सिपारा स्थित टर्मिनल में संस्थान के कर्मियों को टीबी के बारे जानकारी साझा की गयी।जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ।कुमारी गायत्री सिंह ने इंडियन आयल कारपोरेशन के कर्मियों का उन्मुखीकरण किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिला में टीबी मरीजों की खोज के लिए जल्दी ही ह्लएक्टिव केस फाइंडिंगह्व अभियान चलाया जायेगा।अधिक से अधिक टीबी से ग्रसित लोगों की पहचान कर उनका उपचार शुरू करना विभाग का लक्ष्य है। डा. सिंह ने कहा कि 2025 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की जरुरत है।इस अवसर पर इंडियन आयल कारपोरेशन के जनरल मेनेजर राजेश कुमार, मेडिकल ऑफिसर डॉ।दीपाली सिंह, एसटीएसयू से एक्सपर्ट हारुन रशीद, एसटीएस दीनबंधु कुमार सहित संस्थान के कर्मी उपस्थित रहे। जिला संचारी रोग पदाधिकारी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति टीबी की बीमारी से संक्रमित है तो उसे लगातार 6 महीने तक लगातार दवा खाना आवश्यक है, क्योंकि शुरूआती टीबी मरीज के लिए महीना की दवा का खुराक होती है।यदि इस बीच 1 से 2 महीना ही दवा खाने के बाद वो व्यक्ति दवा खाना छोड़ देता है तो बीमारी और घातक हो सकती है, क्योंकि दवा छोड़ने के बाद टीबी के कीड़े फिर से एक्टिव हो जाते हैं और वह आगे और खतरनाक हो जाते हैं।इसलिए टीबी के शुरूआती लक्षणों के दिखने पर तत्काल जांच करवाना और संक्रमण की पुष्टि होने पर नियमित 6 महीने तक दवा सेवन जरुरी है।जिला संचारी रोग पदाधिकारी ने बताया कि टीबी बीमारी की सभी जांच पूरी तरह से निशुल्क है, उन्होंने बताया कि टीबी के लक्षणों की पहचान जरुरी है इसलिए यदि लगातार खांसी रहे, भूख ना लगना, लगातार वजन गिरना, रात में सोते वक्त पसीना आना बलगम में खून के कतरे दिखाई पड़ें तो तुरंत टीबी की जांच कराएं ताकि शुरूआती दौर में ही इसे पहचान कर के इस बीमारी को खत्म किया जा सके।

कल प्रकाशित होगा तख्तश्री कमेटी के चुनाव का दावा-आपत्ति सूची

महासचिव ने पांच निर्वाचन क्षेत्र के लिए कर्मियों को लगाया, मजिस्ट्रेट की निगरानी में करेंगे काम

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के चुनाव कराने को लेकर बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार गंभीर हो गया है। वहीं इस मामले में तख्तश्री कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह ने 10 जुलाई को तख्तश्री पटना साहिब के चुनाव पदाधिकारी सरदार गुरमीत सिंह को पत्र जारी किया है। पत्र की प्रतिलिपि बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार सिटी एसडीओ कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह, रंजीत सिंह, कमल सिंह, महासचिव इंद्रजीत सिंह, सदस्य राजा सिंह, महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन को भेजते हुए तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के नोटिस बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। साथ ही

इसमें कहा गया है कि तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब की मतदाता सूची से संबंधित प्राप्त दावा/आपत्ति की प्राप्ति एवं निष्पादन से संबंधित कार्रवाई करते हुए हल्का संख्या 1, 2, 3, उत्तरी बिहार एवं दक्षिणी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची चुनाव वर्ष 2023 के प्रकाशन के साथ-साथ अब तक प्राप्त हुई आपत्तियों की सूची का भी प्रकाशन 12 जुलाई को किया जा रहा है। बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार द्वारा जारी पत्र में प्राप्त निदेर्शानुसार हलका संख्या 1, 2 और 3 की प्रारूप मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधित करने से संबंधित दावा/आपत्ति की प्राप्ति एवं प्राप्त हुई आपत्तियों या प्राप्त होने वाले आपत्तियों का निष्पादन आदि बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार द्वारा अपने प्रतिनिधि मजिस्ट्रेट की देखरेख एवं निगरानी में 12 से 22 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 10 से अपराह्न पांच बजे तक तख्तश्री कमेटी के चुनाव कार्यालय में कराया जाएगा। इसके साथ ही उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार के सिंह सभा/सोसाइटी से संबंधित कार्य के निष्पादन के लिए अधिकृत संबंधित सिंह सभा/सोसाइटी का उक्त तिथि तथा समय अनुसार उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार का दौरा करेगी। इस कार्य में अलग-अलग हलका एवं उत्तरी और दक्षिणी बिहार के लिए कार्यालय के कर्मियों को सहयोग के लिए जोड़ा गया है। हलका संख्या एक का अधीक्षक दलजीत सिंह और आईटी के सहायक प्रबंधक महाकांत राय, हलका दो का डिस्पेचर दविंदर सिंह व सहायक लेखापाल मनजीत सिंह, हलका तीन का प्रबंधक दिलीप सिंह व सहायक प्रबंधक पपिंदर सिंह, उत्तरी बिहार का प्रशासक बलबीर सिंह व प्रबंधक हरजीत सिंह और दक्षिणी बिहार का प्रबंधक दिलीप सिंह व सहायक प्रबंधक पपिंदर सिंह को जोड़ा गया है। जारी पत्र में महासचिव इंद्रजीत सिंह ने यह भी कहा है कि हल्का संख्या एक, दो और तीन के जिस मतदाता के ऊपर जो आपत्ति दर्ज हुई है, उस मतदाता को उक्त तिथि एवं समय के अनुसार स्वयं उपस्थित होकर दर्ज आपत्ति को खारिज कराने से संबंधित मूल प्रमाण निर्धारित पदाधिकारियों को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। अगर मतदाता स्वयं के ऊपर दर्ज आपत्ति को खारिज कराने के लिए तय तिथि एवं समय पर निर्धारित स्थान पर मूल प्रमाण के साथ स्वयं उपस्थित नहीं होगा, तो उस मतदाता का नाम प्रकाशित होने वाली चुनाव की अंतिम मतदाता सूची में काट दिया जाएगा या स्वयं कट जाएगा। इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। वहीं उत्तरी बिहार एवं दक्षिणी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ अब तक प्राप्त हुई आपत्तियों की सूची का भी प्रकाशन 12 जुलाई को किया जा रहा है। इस कारण से उत्तरी एवं दक्षिणी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची में संबंधित दावा आपत्ति की प्राप्ति एवं प्राप्त हुई आपत्तियों या प्राप्त होने वाले आपत्तियों के निष्पादन के लिए उत्तरी बिहार के सिंह सभा/सोसाइटी तथा दक्षिण बिहार के सिंह सभा/सोसाइटी का औचक निरीक्षण करने के लिए अधिकृत टीम संबंधित गुरुद्वारा साहिब/सोसाइटी का दौरा करेगी एवं दर्जा आपत्तियों पर प्रमाण के साथ अपनी लिखित रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी को देगी। इसके बाद चुनाव वर्ष 2023 की अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से संबंधित अगली कार्रवाई अधोहस्ताक्षरी के द्वारा की जाएगी। अगर दर्ज आपत्ति को खारिज कराने के लिए आप लोगों के द्वारा तिथि एवं समय के अनुसार निष्पादन नहीं कराया जाएगा, तो उस मतदाता सूची से सभा/सोसाइटी का नाम प्रकाशित होने वाली सूची से काट दिया जाएगा या स्वयं कट जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार प्राप्त दावा/आपत्ति की सुनवाई के लिए कमेटी के चुनाव कार्यालय में संबंधित पदाधिकारी, दंडाधिकारी और जिन्हें नामित किया गया है, वह बैठेंगे। जिन सिंह सभा, सोसाइटी और वोटरों के नाम पर आपत्ति है, वह कान्फ्रेंस हॉल में बैठेंगे और वहीं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी बात रखेंगे और सारी गतिविधियों को देख और सुन सकेंगे।

पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। सावन माह के पहले सोमवार को शहर से लेकर गांव तक के मंदिरों में लोगों ने जलाभिषेक किया। शहर के लगभग सभी मंदिरों में श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा। लोग लाईन में लग कर बारी-बारी से जल चढ़ा रहे थे। सुबह होते ही मंदिरों की घंटी बजनी शुरू हो गई थी। मंदिरों में महिलाओं की भी काफी भीड़ देखी गई। वैसे तो पूरे सावन मास में भोले बाबा की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। पर सावन की पहली सोमवारी भक्तों के लिए खास होता है। भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए व्याकुल हो उठते हैं। शहर से लेकर गांव तक ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। मंदिरो में एक दिन पहले से ही संगीत बजता रहा। गांव से लेकर शहर तक मंदिरों में हर-हर महादेव व बम-बम भोले के नारे से गुंजता रहा। शिवालयों में रात्रि दो बजे से ही लोग आकर खड़े हो गए। भक्तों में पहला जल चढ़ाने की होड़ सी लगी थी। वहीं कुछ शिव मंदिरो में गांव की शिव चर्चा वाली महिलाएं जगह-जगह पर समूह बनाकर भगवान भोले की आराधना कर रही हैं। अब सावन माह का दूसरा सोमवार 17 जुलाई को होगा। वहीं खुशरुपुर के बैकटपुर गौरी शंकर मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर गंगा स्नान और जल उठाने वालों की भीड़ रही। बाजार में चहल-पहल देखी गई।

जमीनी विवाद में जल्ला रोड में गोलीबारी

एक गिरफ्तार, 13 खोखा व एक मैगजीन बरामद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

एनएमसीएच और मीना बाजार को जोड़ने वाला लिंक पथ जल्ला रोड झोपड़पट्टी में रविवार की देर रात हंगामा, तोड़फोड़ और गोलीबारी की घटना हुई। यहां पहुंचे करीब एक दर्जन से अधिक से लोगों ने फायरिंग कर फरार हो गए। पूरे झोपड़पट्टी में हंगामे की स्थिति बन गई थी। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष की टोली विरोध करने के लिए झोपड़ी से बाहर निकल आए।

मौकेपर पहुंची आलमगंज थाना की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि जमीनी विवाद में घटना को अंजाम डराने के लिए किया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने केसाथ ही 13 खोखा और एक मैगजीनन बरामद किया है। इससे जाहिर है कि इससे अधिक राउंड गोली चली होगी, क्योंकि रात के अंधेरे में खोखा नहीं भी मिल पाया होगा। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जल्ला रोड निवासी किरण देवी, राजा कुमार आदि ने बताया कि रविवार की रात करीब 11.30 बजे एक दर्जन से अधिक लोग पहुंचे और सबों को डराने-धमकाने के साथ ही फायरिंग करने लगे। इससे जल्ला रोड में अफरा-तफरी मच गई। फायरिंग करने वाले लोग झोपड़पट्टी में रहने वालों के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज करते हुए तोड़फोड़ करने पर उतारू हो गए। वृद्धा लखिया देवी ने बताया कि हंगामा और फायरिंग कर रहे लोगों ने उनके दामाद की मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थिति की भयावहता को देख झोपड़पट्टी के लोग गोलबंद हो बाहर निकल कर विरोध करने लगे। तब एक बार फिर से गोलीबारी शुरू कर दी गई। यहां लोग झोपड़पट्टी को जबरन खाली कराने के लिए पहुंचे थे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 एवं आलमगंज थाना की पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने से पहले हंगामा और गोलीबारी करने वाले सभी वहां से फरार हो गए। आलमगंज थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि जमीनी विवाद में यह घटना घटी है। पुलिस ने मामले में बोरिंग रोड के रहने वाले विजय चंद्र दूबे को गिरफ्तार किया है। घटनास्थल से पुलिस ने 13 खोखा एवं एक खाली मगजीन बरामद किया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

अपराधियों की गोलीबारी में निर्दोष मजदूर शशि की मौत, विष्णु घायल

मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर में घटी घटना

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर में टावर के पास रविवार की रात गोलीबारी की घटना हुई। इस घटना में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि एक अपराधी जख्मी हुआ है। घटना का कारण पुलिस पुरानी आपसी रंजिश का परिणाम बता रही है। दरअसल मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर में टावर के पास चार कांडों में आरोपी विष्णु पासवान को विरोधी गुट जान मारने की नीयत से फायरिंग करते हुए खदेड़ा। वह गोदाम के बाहर बैठा हुआ था। इस दौरान वह बचने के लिए भाग कर मजदूरों के कमरे में घुस गया। विष्णु अंदर से, जबकि दूसरा गुट बाहर से गोलीबारी कर रहा था। गोलीबारी की घटना में करीब 44 साल का मजदूर शशि भूषण प्रसाद के सिर में गोली लगी। गोली टीना को छेद करते हुए उसके सिर में लगते हुए आर पार कर गई इससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। इस दौरान एक गोली विष्णु को कंधे के नीचे में गोली लगी है। उसे निजी उपचार केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार का कहना है कि मध्याह्न तकउसे होश नहीं आया था। हालांकि वह कुछ-कुछ बोल रहा था, जो स्पष्ट नहीं था। कोशिश की जाएगी कि रात में या कल उसका बयान लिया जाए। पुलिस ने बताया कि विष्णु पर चार मामला दर्ज है वह शराब मारपीट और आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है पिछली बार वह 2022 में आर्म्स एक्ट में जेल गया था। घटना रविवार की रात मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के महेशपुर टावर के पास की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। गोली से जख्मी विष्णु महेशपुर का ही रहने वाला है। रविवार की रात कुछ लोग कॉल कर विष्णु को घर से बुलाया और तीन-चार की संख्या में रहे अपराधियों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। वह जान बचाने की नीयत से कुछ दूरी पर मजदूरों के टीना के शेड में बने गोदाम में घुस कर कमरे को बंद कर लिया। कमरे में उस वक्त मजदूर सिकंदर, विलास पासवान एवं एक राजमिस्त्री प्रवेश चौधरी की पत्नी अनिता देवी थी। इसी दौरान खाना के लिए चौकी पर बैठे मजदूर शशि भूषण कुमार के सिर में गोली लगी और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। शशि के पिता इंद्रदेव प्रसाद ने बताया कि वह सब नालंदा जिला के एकंगर सराय थाना के मथुरा बिगहा के रहने वाले हैं। उनका बेटा मजदूरी कर भरण-पोषण करता था। उसे छह बेटा-बेटी है। अब उसके भरण पोषण का जिम्मा कैसे होगा। यह सोचनीय बना हुआ है। यदि सरकार और प्रशासन से मदद मिल जाती, तो कुछ राहत मिल जाता। अपराधी इसके बाद भी नहीं माने और न ही भागे। एक गोली विष्णु के कंधे में मार कर वहां से फरार हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर मेहंदीगंज थाना की पुलिस एवं विष्णु के परिवार के लोग पहुंचे। विष्णु का उपचार निजी नर्सिंग होम के आईसीयू में चल रहा है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उसका बयान नहीं हो सका है। मृतक के चचेरा भाई राजेश कुमार व पिता इंद्रदेव प्रसाद यादव ने बताया कि शशि मजदूरी करने के लिए यहां आया था। वह तो खाना खाने के लिए बैठा ही था कि एक टीन को भेदते हुए गोली उसके सिर में आकर लगी, जिससे वह वहां गिर गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस का मानना है कि गोली मारने वाला एक-दो अपराधी था। वैसे उन सबों के साथ एक-दो अपराधी और भी हो सकता है। फिलहाल पुलिस वहां पर स्थित दो-तीन सीसीटीवी को खंगाल कर अपराधियों की पहचान कर छापेमारी करने में जुटी है।

सोमवारी पर शिवालयों में जलाभिषेक व शाम में हुआ श्रृंगार

श्रावणी मेला में जुटे भक्त, कंगन घाट पर भी आयोजन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर गायघाट स्थित गौरीशंकर मंदिर, माल्य महादेव मंदिर, बाबा मुक्तेश्वरनाथ मंदिर, पटनेश्वरनाथ मंदिर, पीतल के महादेव जी, हरिमंदिर गली स्थित शिव मंदिर, तिलकेश्वरनाथ मंदिर, थानेश्वरनाथ शिव मंदिर, पश्चिम दरवाजा शिव मंदिर, अलखिया बाबा के मंदिर, श्री श्री विश्वनाथ हनुमान साई मंदिर, घघा घाट शिव मंदिर, सूर्य नारायण मंदिर बालू घाट, रानीघाट के भूतेश्वरनाथ, शक्तिपीठ बड़ी व छोटी पटनदेवी स्थित शिवालय के साथ अन्य शिव मंदिरों में जलाभिषेक व दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ जुटी थी। इस दौरान गायघाट, झाऊगंज व चैलीटाल के मलिया महादेव में लगे सावन मेला में भी भक्तों की भीड़ जुटी थी। इसके अलावा गंगा स्नान के लिए भी लोगों की भीड़ जुटी थी। शाम के समय अधिकांश शिवालयों में भगवान का श्रृंगार व अखंड कीर्तन किया गया। कंगन घाट पर गंगा सेवा दल समन्वय समिति की ओर से गंगा नदी में शिवलिंग रख कर रुद्राभिषेक का अनुष्ठान संस्थापक अध्यक्ष डॉ राजीव गंगौल की अध्यक्षता व महासचिव पंडित राजेश शुक्ला टिल्लू की देखरेख में हुआ। अतिथियों का स्वागत सुजीत कसेरा ने किया। आयोजन में जजमान बने चार्टर्ड एकाउंटेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सीए डॉ संजय कुमार झा ने पत्नी और जदयू नेता अरविंद सिंह उर्फ छोटू सिंह ने रुद्राभिषेक का अनुष्ठान किया। पंडित अशोक मिश्र की देखरेख में राधे श्याम मिश्र मधुर, हिमांशु गिरि, सचिन झा एवं अन्य ने पूजा पाठ का अनुष्ठान कराया। आयोजन में विजय यादव, नंदकिशोर कुशवाहा, टुनटुन शर्मा, विकास राज जायसवाल, धर्मनाथ कसेरा, ननकी, राजनाथ मुखिया, अर्चना गुप्ता, वकील राय, धर्मेंद्र यादव, सुभाष कुमार, सोनू पटेल आदि शामिल हुए।

नेत्रहीन छात्राओं के स्कूल का रास्ता किया बंद, हुआ विरोध

फोर व्हीलर आने के लिए रास्ता नहीं दिया गया तो बिहार के नेत्रहीन पटना में जुट करेंगे आंदोलन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार नेत्रहीन परिषद द्वारा संचालित अंतर्ज्योति बालिका विद्यालय 27 जून, 1993 से कुम्हरार के निकट पंचशील उच्च विद्यालय के पास संचालित हो रहा है। विद्यालय का संचालन बिना किसी सरकारी सहयोग से दानदाताओं द्वारा संचालित होता है। यहां तक विद्यालय के लिए सरकार की ओर से भूखंड भी नहीं दी गई। परिषद कुंवर रूपनारायण सिंह ट्रस्ट के पदाधिकारियों से संपर्क कर विद्यालय के लिए भूखंड की व्यवस्था की। यह विद्यालय बिहार के एकमात्र दृष्टिबाधित छात्राओं का स्कूल है। यहां वर्ग एक से दस तक की पढ़ाई होती है। सरकार कुछ दिन पूर्व मुख्य सड़क से आने वाले विद्यालय तक के मार्ग को बंद कर दिया। अब विद्यालय के मुख्य द्वार को अवैध तरीके से बंद करना चाह रही है। इससे बिहार के हजारों दृष्टिबाधित बेटियों का आवागमन ठप हो जाएगा। कारण कि यह संस्था बिहार के लिए नेत्रहीनों का प्रतिनिधित्व करती है। यहां विभिन्न जिले से नेत्रहीन बच्चियों के लिए पठन-पाठन सामग्री एवं अन्य प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए आती हैं। आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 के तहत सरकार का नैतिक एवं कानूनी दायित्व है कि नेत्रहीनों के लिए उत्तम एवं सुगम्य आवागमन की व्यवस्था करे। बिहार सरकार नेत्रहीन बच्चियों का कोई भी विद्यालय संचालन नहीं कर रही है तथा परिषद द्वारा जो चलाया जा रहा है, उस पर भी रास्ता रोक रही है। बिहार नेत्रहीन परिषद के महासचिव विजय कुमार सिंह ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि मुख्य द्वार को बंद किया किया गया, तो बच्चियां मुख्य द्वार पर बैठ कर प्रदर्शन कर ही रही हैं और मुख्यमंत्री के आवास तक भी पहुंच सकती हैं।

नंदकिशोर यादव की पुस्तक 'बुलंद आवाज' का हुआ विमोचन

नेताओं के निशाने पर रहे सीएम नीतीश कुमार

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पूर्व मंत्री व पटना सिटी से लगातार सात बार के विधायक नंदकिशोर यादव के संसदीय जीवन पर आधारित पुस्तक 'बुलंद आवाज' का विमोचन सोमवार को किया गया। विमोचन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, सांसद सुशील कुमार मोदी और पूर्व मंत्री नितिन नवीन ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान भाजपा के नेता पुस्तक पर चर्चा के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी निशाने पर लिया। विमोचन के बाद समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नंदकिशोर यादव अब तक एकमात्र नेता हैं, जो दो बार प्रदेश अध्यक्ष रहे। अपने चुनाव में तो हर नेता जीत सुनिश्चित करने के लिए बड़े नेताओं को प्रचार में बुलाता है, लेकिन नंदकिशोर यादव ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के पक्ष में माहौल बनाने के लिए सभी बड़े नेताओं ने पटना सिटी क्षेत्र में प्रचार के लिए बुलाया। पार्टी के प्रति ऐसी निष्ठा नंदकिशोर जी में ही हो सकती है। श्री चौधरी ने इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात कहते थे, उनके इस आग्रह पर अनेक मंत्रियों को पद तक छोड़ना पड़ा था। लेकिन, आज अकूत भ्रष्टाचार के आरोपी तेजस्वी यादव उनकी नाक के नीचे उपमुख्यमंत्री बनकर बैठे हैं। सच यह है कि 2013 के बाद से नीतीश कुमार सरकार चलाने में नहीं, बल्कि कुर्सी बचाने में लगे हैं। उन्होंने मेमोरी लॉस वाले नेता की संज्ञा देते हुए आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि नियम है कि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही सदन में बैठ सकता है। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नंदकिशोर यादव शुरू से पार्टी के प्रति वफादार रहे हैं। 1990 में उनका टिकट कट गया, लेकिन उन्होंने विद्रोह नहीं किया। फिर एक बार उनको स्पीकर बनाने की घोषणा के बाद भी नहीं बनाया गया। फिर भी उन्होंने विद्रोह नहीं किया। ऐसा होने पर अनेक नेता दूसरी पार्टियों में चले जाते हैं। लेकिन, यह नंदकिशोर जी की संगठन के प्रति निष्ठा है, जो उन्हें विशेष बनाता है। 2013 में जदयू से अलग होने के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उस एक भाषण से वे इतने लोकप्रिय हो गए, जितने विगत 25 वर्षों में वे नहीं हो पाए थे। श्री मोदी ने उपस्थित विधायकों को सलाह दी कि वे भी अपने संसदीय जीवन के अनुभवों को पुस्तक का रूप दें, जिसका लाभ उन्हें व अन्य लोगों को मिलेगा।

पुस्तक विमोचन के बाद नंदकिशोर यादव ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि सात साल तक एक साथ सरकार चलाने के बाद दो दिनों के अंदर विपक्ष की भूमिका में आकर भाषण देना आसान नहीं था। उस दिन मेरी जिह्वा पर मां सरस्वती विराजमान थीं, तभी ऐसा हो पाया। उन्होंने बताया कि अपने बाल सखा व वरिष्ठ पत्रकार कुमार दिनेश की सलाह पर उस विपक्ष के नेता के दौरान दिए गए भाषणों को पुस्तक का रूप देने का विचार किया और राकेश प्रवीर के कड़े परिश्रम के बाद इस पुस्तक ने आकार लिया है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि नंदकिशोर जी ने अपने कर्म से सिद्ध किया है कि शून्य से शिखर का सफर संघर्ष व मिहनत से किया जाता है। इस दौरान उन्होंने उक्त पुस्तक से अनेक पंक्तियों को पढ़ कर सुनाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि नंदकिशोर यादव में बॉस होने की भावना कभी नहीं रही। वे हमेशा नए सहयोगियों के साथ भी मित्रवत व्यवहार करते हैं। बड़े पद पर रहने के बाद भी कोई इगो उनके अंदर नहीं होता। कुछ लोग होते हैं, जो पद से बड़े होते हैं और जिस पद पर होते हैं उसे बड़ा बना देते हैं। नंदकिशोर यादव ऐसे ही व्यक्ति हैं। सांसद रामकृपाल यादव ने कहा कि नंदकिशोर यादव ने अपने संघर्ष, परिश्रम व त्याग के बल पर अपनी पहचान बनाई है। पक्ष व विपक्ष में हमने साथ काम किया है। पूर्व मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि नंदकिशोर यादव के ऐतिहासिक भाषण ने हम सबों को एक दिशा दी है। आगे क्या करना है, इसका मार्गदर्शन किया। एक उनकी विशेषता है कि अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद उन्होंने समय को अपने हाथ में रखा। यह अनोखी विशेषता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि नंदकिशोर यादव ने यह मुकाम ऐसे ही नहीं पाया है, इसमें बहुत संघर्ष छिपा है। पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि उनके साथ 1988 से काम करने का मौका मिला। हमने उनके संघर्ष को करीब से देखा है। आज उन्हें यहां देखकर खुशी हो रही है। महापौर सीता साहू ने नंदकिशोर यादव को शुभकामनाएं दीं। विधायक अरुण कुमार सिन्हा ने नंदकिशोर यादव को अपने राजनीतिक जीवन पर अन्य पुस्तकें लिखने की सलाह दी। इससे पूर्व पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए पुस्तक के संपादक व वरिष्ठ पत्रकार राकेश प्रवीर ने कहा कि नंदकिशोर यादव को चुनावी राजनीति में और भी पहले आना चाहिए था। लगातार सात बार चुनाव जीतना केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक व व्यक्तिगत संबंध का परिणाम है। वे संयुक्त व विभाजित बिहार के प्रदेश अध्यक्ष रहे। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों के मुकाबले हमारे यहां डॉक्यूमेंटेशन कम हुआ है। इस तरह की पुस्तकें नई पीढ़ी के लिए उपयोगी होंगी।

विश्वकर्मा सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। कामधेनु कलर कोटेड रूफींग शीट कामधेनु कलर मैक्स, जीसी शीट कामधेनु श्रेष्ठ एवं कामधेनु प्री इंजीनीयरिंग बिल्डींग के अधिकृत निमार्ता मेसर्स सर्राफ रीयल इंफ्रा प्रा.लि. पटना के तत्वाधान में स्थानीय होटल मौर्या, पटना में विश्वकर्मा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें बिहार के सभी जिलों के फेब्रीकेटर बंधुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कम्पनी ने गोदाम फैक्ट्री शेड एवं सभी प्रकार के स्टील बिल्डिंग निर्माण में लगने वाले उच्च गुणवत्ता एवं स्थानीय उत्पादन के कारण सहज सुलभ एवं उचित म

बिहार विधानमंडल का मानसून सत्र : पहला दिन मुलाकात व बधाई

पटना। बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर व विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया। इसके साथ ही सप्तदश बिहार विधान सभा के नवम सत्र के सफल संचालन हेतु विधान सभा अध्यक्ष को शुभकामना देते हुए उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, विस में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा, संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव।

मुख्यमंत्री नीतीश की अध्यक्षता में हुई महागठबंधन विधान मंडल दल की बैठक

सदन में विपक्ष के सवालों का मुस्तैदी से जवाब देंगे महागठबंधन के नेता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री सह विधान सभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक श्रवण कुमार ने बताया कि महागठबंधन विधान मंडल की बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें महागठबन्धन में शामिल जनता दल यूनाईटेड, राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, सीपीआई एमएल, सीपीआई एवं सीपीआई एम के दोनों सदनों के सदस्य सम्मिलित हुए। इस बैठक में मुख्य रूप से वर्तमान बिहार विधान मंडल दल के सत्र बैठकों में सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों को सदन में गंभीरता पूर्वक रखने तथा पूरे सत्र के दौरान सदन की बैठकों में सदस्यों को उपस्थित रहने के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में महागठबन्धन दल के सभी नेताओं द्वारा अपनी बात रखी गई तथा यह बताया गया कि घटक दल की सभी सदस्यों निश्चित रूप से सदन में उपस्थित रहेंगे, बिहार विधान मंडल में सकारात्मक चर्चा में भाग लेगें तथा विपक्ष द्वारा उठाये गये बातों का मुस्तैदी पूर्वक जबाब देंगे।

भाजपा के भ्रम फैलाओ राजनीति को जनता के बीच ले जाएं : तेजस्वी

पटना। राजद विधानमंडल की बैठक में राजद सुप्रीमो ने महागठबंधन के हित में बात करने की नसहीत दी। कहा कि महागठबंधन मजबूत तरीके से देश हित में काम करने के लिए बना है। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि सभी विधायक सदन में मौजूद रहें। भारतीय जनता पार्टी बिहार में महागठबंधन के एकता को लेकर भ्रम फैलाना चाहती है। भाजपा को हकीकत पता है कि महागठबंधन के रहते बिहार में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगी। बीजेपी कहती है कि विपक्ष वाले मोदी को हटाने की बात करतें हैं उसपर तेजस्वी जी ने कहा कि मोदी का हटना देश के किसान, मजदूर और नौजवान हित में है। मोदी हटेंगे तो देश से महंगाई हटेगी, बेरोजगारी हटेगी, संसाधनों की लूट खत्म होगी, संवैधानिक संकट समाप्त होगा, भय के वातावरण से देश को मुक्ति मिलेगा, बदले कि करवाई से देश को निजात मिलेगा, नफरत कि राजनीति से देश मुक्त होगा, सौहार्द का वातावरण कायम होगा और गंगा जमुनी तहजीब कायम रहेगा। भाजपा के भ्रम फैलाओ और नफरत कि राजनीति को सत्र के समाप्ति के बाद जनता के बीच ले जाइए। बिहार देश में सबसे ज्यादा नौकरी का विज्ञापन निकालने वाले पहली राज्य की पंक्ति में आकर खड़ा हो गया। हम लगातार रोजगार और नौकरी देने के लिए काम कर रहे हैं। केंद्र की भाजपा सरकार के सौतेलेपन व्यवहार के वाबजूद भी बिहार समावेशी विकास के रास्ते आगे बढ़ रही है। सभी लोग जान लीजिए नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में महागठबंधन मजबूत भी है और भाजपा को 2024 में परास्त भी करेगी। भाजपा के बौखलाहट पर ज्यादा तब्बजो देने की जरूरत नहीं है। विपक्षी एकता से भाजपा हताश व निराश है। भाजपा को पता है कि देश से 2024 में भाजपा की विदाई तय है। बैठक में राजद के सभी विधायक व विधान पार्षद मौजूद रहे।

12 को गांधी मैदान में मौन सत्याग्रह करेगी कांग्रेस

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस के नेता पटना के गांधी मैदान स्थित गांधी प्रतिमा के सामने दिनांक 12 जुलाई पूर्वाह्न 10 बजे से संध्या 5 बजे तक मौन सत्याग्रह पर बैठेंगे। इस आशय का पत्र जारी करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोकप्रिय नेता राहुल गांधी के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र के तहत मोदी सरनेम को लेकर जिस प्रकार से उनके खिलाफ कुचक्र रचा गया वो पूरी तरीके से राजनीतिक विद्वेष से जनित था। अडानी के खिलाफ संसद में लगातार हमलावर रहे हमारे नेता राहुल गांधी को निशाने पर लेकर मोदी सरकार षड्यंत्र के तहत उन्हें कानूनी पचड़ों में फंसाया। और अब ये कोशिश हो रही है कि उन्हें चुनाव लड़ने से भी रोका जाय। इसलिए कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक इस मामले पर केंद्र सरकार को घेरेगी। और मोदी सरकार के कुत्सित सोच को उजागर करने के लिए मौन सत्याग्रह करेगी। इस सत्याग्रह का सीधा सम्बंध हमारे नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दुर्भावना और देश में विपक्ष की आवाज को दबाने के खिलाफ कांग्रेसजनों का गांधीवादी सत्याग्रह है। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने 12 जुलाई को बड़ी तादाद में कांग्रेसजनों को गांधी मैदान के गांधी प्रतिमा के सामने सुबह 10 बजे से मौन सत्याग्रह पर बैठने का आह्वान किया है।

शिक्षकों के मुद्दे को लेकर भाजपा का विधानसभा मार्च 13 को

पटना। 13 जुलाई को भाजपा द्वारा विधान सभा मार्च में बिहार के लाखों लोग सड़कों पर उतर कर बिहार सरकार के जन विरोधी मानसिकता को उजागर करेंगे। आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में किसान मोर्चा एवं युवा मोर्चा द्वारा बनवाए गए दर्जनों विधानसभा मार्च प्रचार रथ को रवाना करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की सरकार बेरोजगारों की फौज खड़ा कर रही है। शिक्षकों के साथ नाइंसाफी हो रही है भारतीय जनता पार्टी इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार की जनता की चिंता छोड़ कर जदयू - राजद एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी बिहार के आम जनों के मुद्दे को लेकर सड़क से सदन तक आंदोलन करने का निर्णय लिया है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी सांसद सुशील कुमार मोदी बिहार के पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन जनक राम भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक डॉक्टर संजीव चौरसिया ने झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरोज रंजन पटेल युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दीपक शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने हर वर्ग के लिए काम किया : अशोक

लोजपा रा के दर्जनों नेता जदयू में हुए शामिल

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जमुई जिला के दर्जनों पदाधिकारियों ने सोमवार को भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के आवास पर उनकी उपस्थिति में नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए जनता दल यू की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीति सिद्धांत कार्य शैली और नेतृत्व क्षमता से प्रभावित होकर लगातार लोग जद यू में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेता ने अपने 17 वर्षों के कार्यकाल में हर वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विकास, आत्मनिर्भरता एवं कौशल विकास के लिए नेता के नेतृत्व में किये जा रहे कार्य पूरे देश के लिए नजीर बन रहे हैं। इसके अलावा कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं का निर्माण एवं सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करवाया और यह प्रक्रिया अनवरत जारी है। जनता दल यू के प्रदेश महासचिव रंजीत कुमार झा ने कहा कि इस प्रकार से लगातार युवा साथियों के जुड़ने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में प्रियांशु राज, प्रखंड अध्यक्ष लोजपा आर, अमानुल्लाह अंसारी, अध्यक्ष, लोजपा आर आईटी सेल, जमुई, आयुष राज, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष लोजपा आर, जमालपुर, चन्दन कुमार पूर्व जिला अध्यक्ष लोजपा आर आईटी सेल, जमुई, दिलकश रिजवी, सैफ आलम, पूर्व अध्यक्ष, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ लोजपा आर, जमुई। इसके अलावा शामिल होने वालों में दानिश खान, रवि कुमार, तौशिफ नूरी, मो आबिद, मोंटी खान, राज, अंकित कुमार, शिवम्‌राज, रितेश कुमार सहित अनेक युवा साथी मौजूद रहे।

स्लम एवं गंगा घाटों पर शुरू किया गया हेल्थ कैंप

पटना। आमजनों के स्वास्थ लाभ एवं जनजागरूकता के लिए पटना नगर निगम द्वारा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। सोमवार से पटना के स्लम एवं गंगा घाटों पर डॉक्टरों की टीम आमजनों की जांच शुरू की गई। पहले दिन कुल 156 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई एवं 180 किशोरियों के बीच सैनेटरी नैपकिन बांटी गई। इसके साथ ही पटना नगर निगम एवं यूएनएफपीए की टीम द्वारा महिलाओं के बीच सैनेटरी नैपकीन का भी वितरण किया गया। महिलाओं को बरसात के दौरान बिमारियों के दौरान, साफ सफाई, प्राथमिक उपचार, सावधानियों के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही निशुल्क जांच एवं दवाओं का वितरण भी किया गया। स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए कराया जा रहा फीडबैक

हेल्थ कैंप के दौरान आमजनों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिए फीडबैक भी लिया जा रहा। गौरतलब है कि प्रतिदिन 5 जगहों पर कैंप का आयोजन किया जाएगा। जहां एक साथ पटना नगर निगम की टीम फीडबैक के लिए भी आमजनों को जागरूक किया जाएगा।

नीतीश राज में बदला बिहार, देश में सबसे तेज विकास दर: राजीव

पटना। बिहार के विकास पर सवाल उठाने वालों पर पलटवार करते हुए आज जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि नीतीश सरकार में बिहार के हुए कायापलट पर उंगली वही उठा सकता है जिसका या तो मानसिक संतुलन हिल गया हो या जिन्होंने दुष्प्रचार को ही राजनीति मान लिया हो। आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि आज बिहार की 10.98 की विकास दर, देश के विकास दर से भी अधिक है। वहीं देश के तेजी से बढ़ने वाले राज्यों में आज बिहार तीसरे नंबर पर पहुंच चुका है। राज्य के विकास में हुई यह बढ़ोतरी से आम बिहारवासियों के जीवनस्तर में भी सुधार हुआ है। उनकी आमदनी भी लगातार बढ़ रही है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में प्रति व्यक्ति सालाना आय 6400 बढ़कर 54,383 रुपए हो गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में सड़क के क्षेत्र में जो क्रांतिकारी विकास हुआ वह पूरे देश के सामने एक मिसाल है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था और समृद्धि को बढ़ावा मिला है बल्कि लोगों को आवागमन की बेहतरीन सुविधा भी मिल रही है। आज देश में सबसे अधिक महिला पुलिसकर्मी बिहार में ही कार्यरत है। इसके अलावा साईकिल, पोशाक योजना से बालिका शिक्षा में हुआ अभूतपूर्व इजाफा भी सबके सामने है। आज शायद ही कोई लड़की होगी जो स्कुल न जाती हो।

बढ़ते अपराध व भ्रष्टाचार से मुक्ति की लड़ाई का होगा शंखनाद : विजय

भाजपा विधानमंडल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष का ऐलान

पटना। भाजपा विधानमंडल दल की सोमवार को एक बैठक भाजपा कार्यालय में हुई। बैठक के बाद विधानमंडल नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार के अंदर प्रशासनिक अराजकता के कारण अपराध, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, उससे मुक्ति की लड़ाई का शंखनाद इसी मानसून सत्र से होगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि बैठक में जनता की जनसमस्याओं के विषय उठाने और उसपर सरकार के जवाब मांगने को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आज बिहार में सबसे ज्वलंत विषय है कि केवल एफआईआर दर्ज होने पर मंत्री से इस्तीफा लेने वाले मुख्यमंत्री चार्जशीटेड उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से इस्तीफा क्यों नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम तेजस्वी यादव से इस्तीफा ले या बर्खास्त करें। उन्होंने कई इस्तीफा लेने वाले मंत्रियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधिक घटनाएं बेलगाम हो रही हैं। भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 13 जुलाई को शिक्षक बहाली और शिक्षकों के अपमान तथा 10 लाख नौकरी देने के वादाखिलाफी के खिलाफ भाजपा का विधानसभा मार्च होगा। उन्होंने कहा कि अगर संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास है तो सदन में सार्थक चर्चा कराई जाए। उन्होंने साफ लहजे में सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी हाल में भाजपा विधानसभा को गुंडा राज में तब्दील नहीं होने देगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक जनक सिंह भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संतोष पाठक , प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश कुमार सिंह, राजेश कुमार झा अशोक भट्ट उपस्थित थे।

देश में अब नरेंद्र मोदी का चमत्कार खत्म हो गया : पप्पू यादव

- बोलें-जाप महागठबंधन की बैठक का हिस्सा बनना चाहेगी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव ने उत्तरी मंदिरी स्थित आवास पर सोमवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया। भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार निशाना साधते हुए जाप सुप्रीमो पप्पू यादव ने कहा कि बीजेपी को अब नरेंद्र मोदी पर भरोसा नहीं है। देश में अब नरेंद्र मोदी का चत्मकार खत्म हो गया। नरेंद्र मोदी सरकार, बीजेपी और अमित शाह राहुल गांधी से सबसे ज्यादा डरे हुए हैं।

वहीं, जनाधिकार पार्टी के सुप्रीमो पप्पू यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि महागबंधन के नेताओं से आग्रह किया है वे जल्द बिहार में समान विचारधारा वाले पार्टियों की एक मीटिंग बुलायें और जनाधिकार पार्टी भी उस बैठक हिस्सा बनना चाहेगी। वहीं, पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में बीजेपी की नैया पार या तो मुकश सहनी, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा लगायेंगे। महाराष्ट्रा में अजीत पवार बीजेपी का नैया पार लगायेंगे। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आग्रह करना चाहूंगा कि बिहार में जब बीजेपी की सरकार थी जो नेता मंत्रिमंडल में थे, उनकी विभागों की पूरी योजनाओं की जांच निगरानी से करायी जायें। उन्होंने कहा सूप बाजे तो बाजे चलनियां भी बाजे, शीशे के घर में रहकर ये लोग पत्थर फेंकते हैं।

तेजस्वी के इस्तीफे पर राजद-जदयू के एक सुर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के पहले दिन ' लैंड फॉर जॉब स्कैम में चार्जशीटेड तेजस्वी यादव के इस्तीफे की मांग को लेकर जहां विपक्ष ने सदन के बाहर खड़े होकर प्रदर्शन किया। जदयू एमएलसी ने कहा कि हमारी सरकार हर सवाल का जवाब सदन में देने के लिए तैयार है। इस तरह बाहर प्रदर्शन करने से कुछ भी फायदा नहीं होगा। विपक्ष के जो भी सवाल हैं, फिर चाहे शिक्षक नियुक्ति का हो, अपराध का हो, रोजगार का हो, स्वास्थ्य का हो, शिक्षा का हो, सरकार हर सवाल का जवाब देगी। वहीं, राजद विधायक भाई विरेंद्र ने कहा केंद्र में भ्रष्ट लोग बैठे हुए हैं। जनता की गाढ़ी कमाई 1125 करोड़ दूसरे को दे दिया, पहले उन पर कार्रवाई करें। उन्होंने तेजस्वी के खिलाफ चार्जशीट को लेकर कहा कि यह सिर्फ डराने -धमकाने के लिए किया गया है। इस चार्जशीट का कोई फायदा नहीं है। भाजपा के लोग समझ गए हैं कि महागठबंधन की एकजुटता के आगे उनकी दाल नही गलेगी, इसलिए इस तरह का हथकंडा अपना रहे हैं। लेकिन इसका कोई फायदा बड़का झूठा पार्टी को नहीं होगा।

उत्तर रेलवे : जलजमाव के कारण ट्रेनों का परिचालन रद्द

पटना। उत्तर भारत में हो रहे भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे के कुछ रेलखंडों पर बारिश का पानी आ जाने के कारण संरक्षा की दृष्टिकोण से सोमवार को खुलने वाली निम्नालिखित ट्रेनों का परिचालन रद्द करने का निर्णय लिया गया है। 10 जुलाई को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 15212 अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को दरभंगा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15211 दरभंगा-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 15532 अमृतसर-सहरसा जनसाधारण एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 13308 गंगा सतलूज एक्सप्रेस का अमृतसर के बजाए लक्सर से खुलेगी । 10 जुलाई को धनबाद से खुलने वाली गाड़ी सं. 13307 धनबाद-फिरोजपुर कैंट गंगा सतलूज एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 14650 अमृतसर-जयनगर सरयू जमूना एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को जम्मूतवी से खुलने वाली गाड़ी सं. 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 जुलाई को जम्मूतवी से खुलने वाली गाड़ी सं. 12332 जम्मूतवी-हावड़ा हिमगिरी एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 11जुलाई को को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 12318 अमृतसर-कोलकाता एक्सप्रेस का परिचालन रद्द ।को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 13006 अमृतसर-हावड़ा एक्सप्रेस का परिचालन रद्द ।10 जुलाई को सियालदह से खुलने वाली गाड़ी सं. 22317 सियालदह-जम्मूतवी एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 एव 11 जुलाई को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 14618 अमृतसर-बनमनखी जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन रद्द। 12 एवं 13 जुलाई को बनमनखी से खुलने वाली गाड़ी सं. 14617 बनमनखी-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 12 जुलाई को सहरसा से खुलने वाली गाड़ी सं. 15529 सहरसा-आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 12 जुलाई को जयनगर से खुलने वाली गाड़ी सं. 14673 जयनगर-अमृतसर शहीद एक्सप्रेस का परिचालन रद्द ।

कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस का डीडीयू में आंशिक समापन

पटना। अपरिहार्य कारणवश सोमवार को कोलकाता से खुलकर जम्मूतवी जाने वाली गाड़ी संख्या 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस का आंशिक समापन पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. पर किया जा रहा है । उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने दी है।

03 और ट्रेनों का परिचालन रद्द

पटना। उत्तर भारत में हो रहे भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे के कुछ रेलखंडों पर बारिश का पानी आ जाने के कारण संरक्षा की दृष्टिकोण से 03 और ट्रेनों का परिचालन रद्द करने का निर्णय लिया गया है। 10 जुलाई को चंडीगढ़ से खुलने वाली गाड़ी सं. 22356 चंडीगढ़-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 एवं 11 जुलाई को कालका से खुलने वाली गाड़ी सं. 12312 कालका-हावड़ा एक्सप्रेस का परिचालन रद्द । 10 को अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 05733 अमृतसर-कटिहार स्पेशल का परिचालन रद्द ।

केन्द्र की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं : प्रिंस

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व समस्तीपुर सांसद प्रिंस राज ने संगठन मजबूती और विस्तार को लेकर राज्य के सभी जिला अध्यक्षो, जिला प्रभारियों और प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्षों से वर्चुअल मीटिंग की। श्री प्रिंस ने सभी नेताओ से कहा कि सदस्यता अभियान से लेकर बूथ स्तर तक कमिटी का विस्तार का सुझाव दिया और कहा 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल की उपलब्धियों को देश की जनता तक पहुंचाएं। आगे श्री प्रिन्स ने महागठबंधन सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार की विधि व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। आगे श्री प्रिन्स ने अपने नेताओ से कहा कि जब आप क्षेत्र में जाए तो बिहार सरकार के नाकामियों को भी लोगो को बताएं। प्रदेश प्रवक्ता ललन चंद्रवंशी ने बताया कि वर्चुअल मीटिंग में पार्टी के प्रधान महासचिव केशव सिंह ने भी सभी नेताओं को संबोधित किया और कहा कि सभी जिला अध्यक्ष एव जिला प्रभारी अपने-अपने जिलों मे बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूती देने का काम करें।

जनसंख्या नियंत्रण के लिए जन समुदाय को किया जायेगा जागरूक : चंद्रखेखर

पटना जिला पदाधिकारी ने 23 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने के लिए किया जायेगा जागरूक

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जिला सहित पूरे राज्य में मंगलवार से जनसँख्या नियंत्रण पखवाड़ा मनाया जायेगा। इसी क्रम में सोमवार को जिला पदाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने डीएम कार्यालय से 23 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि कल से शुरू होने वाले जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा के लिए सामुदायिक स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए आज 23 जागरूकता रथ को रवाना किया गया है। जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा 11 जुलाई से 31 जुलाई तक संचालित किया जायेगा। रथ द्वारा लोगों के बीच जनसँख्या नियंत्रण के उपायों एवं साधनों के बारे में लोगों को जागरूक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनसँख्या नियंत्रण के साधनों को अपनाने के साथ सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जायेगा। यह राशि लाभुकों के साथ साधनों को अपनाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए उत्प्रेरकों को भी दी जाती है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि मानव विकास दर में वृद्धि लाने के लिए जनसँख्या को नियंत्रित करना जरुरी है और इसके लिए भी लोगों को रथ के माध्यम से जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी के अलावा सिविल सर्जन डॉ श्रवण कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी लोकेश कुमार झा, डीपीएम विवेक कुमार सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए सबकी सहभागिता जरुरी : इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए सबकी सहभागिता जरुरी है। इसमें स्वास्थ्यकर्मियों के साथ प्रखंड स्तर के लोगों का भी सहयोग अपेक्षित है। जिला के सभी प्रखंडों से भी जागरूकता रथ रवाना किया जायेगा। इस तरह कुल 46 जागरूकता रथ के माध्यम से जिले में जागरूकता की अलख जगायी जाएगी। उन्होंने कहा कि पखवाड़ा के दौरान पुरुषों की भागीदारी बढ़ाना एक प्रमुख लक्ष्य है और इसके लिए विभाग निरंतर प्रयास कर रहा है। साधन अपनाने पर है प्रोत्साहन राशि का प्रावधानः परिवार नियोजन की सेवाएं सभी सरकारी चिकित्सीय संस्थानों में निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है. लाभुकों को महिला बंध्याकरण के लिए 2000 रुपये, प्रसव पश्चात बंध्याकरण के लिए महिलाओं को 3000, प्रसव पश्चात कॉपर-टी लगवाने पर महिलाओं को 300, गर्भपात उपरांत कॉपर-टी लगवाने पर 300 एवं अंतरा सुई लगवाने पर 100 रुपये दिए जाने का प्रावधान है। वहीँ पुरुष नसबंदी के लिए लाभुक को 3000 रुपये देने का प्रावधान है।

महागठबंधन के लोग एक दूसरे को कर रहे ब्लैकमेल : सम्राट

पूर्व विधायक दिलीप वर्मा, जदयू प्रदेश सचिव सगारिका चौधरी ने थामा भाजपा का कमल

- 2024 में केंद्र व 2025 में बिहार में बनेगी भाजपा की सरकार : मोदी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में सोमवार को पूर्व विधायक दिलीप वर्मा, डॉ सगारिका चौधरी, मनेर की सरोज सिंह और गया जिला राजद के विश्वास मांझी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने इन सभी लोगों को सदस्यता दिलाते हुए उनका पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी भी उपस्थित रहे। मिलन समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने राज्य में भाजपा को मजबूत करने के लिए मिल रहे लोगों के समर्थन मिलने पर आभार जताते हुए कहा कि पार्टी से लगातार लोग जुड़ रहे हैं और पार्टी को मजबूत करने में लगे हैं। उन्होंने महागठबंधन को ठगबंधन बताते हुए कहा कि इसके घटक दल एक दूसरे को अब राजनीतिक तौर पर ब्लैकमेल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र में भाजपा के विधायक भ्रष्टाचार और राजद के 10 लाख लोगों को नौकरी देने के वादे को उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि इन्ही मुद्दों को लेकर भाजपा 13 जुलाई को विधानसभा मार्च करने वाली है, जिसमे लाखों लोग शामिल होंगे। इस मौके पर राज्यसभा सांसद और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि 2024 में भाजपा केंद्र में और 2025 में भी बिहार में सरकार बनाएगी। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री रेनू देवी, पूर्व मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह, विधान पार्षद जीवन कुमार, राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश, प्रदेश महामंत्री बेबी कुमारी, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभू उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं0-16 ऑफ 2023-24/खुला/इंजीनियरिंग,डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डी.डी.यू. एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध हैं, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.-07-डीडीयू-व.मं.इंजी.-III-23-24, (i) **कार्य का नाम एवं लोकेशन :** अमृत भारत योजना के तहत (एबीएसएस) हैदर नगर में (06 मीटर चौड़ा) फुट ओभर ब्रिज का प्रावधान। (ii) **कार्य का अनुमानित लागत :** ₹ 45463193.98 (iii) **धरोहर राशि :** ₹ 377300.00 (iv) **ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय :** 31.07.2023 को 12:00 बजे तक। (v) **वेबसाईट पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in नोटः-** विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक,
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय मंडल

पीआर/0700/डीडीयू/इंजी./टी/23-24/32

संक्षिप्त खबरें

साल का फरारी अभियुक्त गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। ताजपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव से रविवार की देर रात मुसरीघरारी पुलिस ने शराब कांड का 9 साल से फरारी अभियुक्त को गिरफ्तार कर किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ब्रह्मानंद गुप्ता के पुत्र विजय गुप्ता के रूप में की गई है। मुसरीघरारी थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि समकालीन अभियान के दौरान उक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई थी जिसे न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेज दी गई है।

बेगूसराय में रक्तवीरों का एक पंचायत बन गया चाँदपुरा

बेगूसराय। जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर एक गांव है चाँदपुरा, जो इन दिनों रक्तदान के क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। यहाँ युवाओं की एक टोली है, जो सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में विगत 1 वर्ष से लोगों के बीच रक्तदान को लेकर जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से जयमंगला वाहिनी परिवार के प्रशांत, आनंद राज, रौनक, अभिलाष जैसे युवा पूरी तन्मयता के साथ लगे हुए हैं। अपने जीवन मे 11 बार रक्तदान कर चुके प्रशांत ने बताया कि चाँदपुरा जैसे एक गांव में 100 से अधिक रक्तवीर लगातार रक्तदान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। जिसका सुखद परिणाम है कि 2 जुलाई 2023 को जयमंगला वाहिनी द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में 56 रक्तवीरों ने रक्तदान किया था। रौनक ने अभी तक 9 बार रक्तदान किया हैं। उन्होंने बताया कि सिर्फ शिविर में ही नहीं बल्कि इतनी दूर से बेगूसराय मुख्यालय में रक्त केंद्र जा कर जरूरतमंद के लिए आये दिन रक्तदान करते रहते हैं और अन्य लोगों को भी प्रेरित करते रहते हैं।

बकरी चोरी के आरोप में सिर मुंडा गांव में घुमाया

मुजफ्फरपुर।गायघाट थाना क्षेत्र के शिवदाहां बरैल गांव में बकरी चोरी के आरोप में एक युवक को कुछ ग्रामीणों ने लात-घूंसों और थप्पड़ों से जमकर पीटाई कर दी। और उसके सिर के बाल भी काट दिए। कानून को हाथ में लेने वाले गांव के कुछ लोगों ने यहीं बस नहीं की, बल्कि उसके साथ की गई बदसलूकी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल तक कर दिया गया।मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक गांव के ही सुखदेव दास के पुत्र मनोज दास (30) वर्षीय बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दीपक दास के घर में शनिवार की देर रात साईकिल एवं बकरी चोरी कर लिया था। चोरी करने से पूर्व गांव में लगे दो ट्रांसफार्मर से बिजली काट दिया फिर चोरी किया। इसके बाद ग्रामीणों ने रविवार को युवक का सिर मुंडवाकर कालिख पोती और उसे पूरे गांव में घुमाया। पहले हाथ-पैर को बांधकर जमकर पीटा गया फिर बाल मुड़वाकर चूना लगा चप्पल जुता का माला पहनाकर पूरे गांव में घुमाया गया। गायघाट थाना अध्यक्ष मोनू कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस इस मामले में कार्रवाई करेगी और जो भी दोषी होंगे उन्हें बख्सा नहीं जाएगा। किसी भी व्यक्ति को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बच्चे की मौत

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर काली मंदिर से पूरब दलसिंहसराय सिंघिया घाट एसएच 88 मुख्य पथ पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक 3 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान कल्याणपुर पंचायत के वार्ड 10 निवासी बमबम चौधरी के 3 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बालक सड़क पार कर रहा था इसी बीच अज्ञात वाहन की ठोकर लगी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बता दें कि मृतक आशीष पांच भाइयों प्रशांत कुमार, शिवकांत कुमार, अधिकांत कुमार, देवकांत कुमार में सबसे छोटा था। बच्चे की मौत के बाद माता बेबी बेबी, दादी भगिया देवी सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा था। वहीं पर जाना व ग्रामीण आपसी समझौता का पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए अंतिम संस्कार में जुटे हुए थे।

महिला की हत्या मामले में पुत्र ने करायी प्रार्थमिक दर्ज

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरूद के पेड़ से लटके शव को पुलिस ने शनिवार को बरामद किया था। जिस मामले में मृतका महिला के पुत्र राजेश कुमार ने चार लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिक दर्ज करायी है। जिसमें रिश्तेदारों पर हत्या का आरोप लगाया है। बता दें कि एक दिन पूर्व गोविंदपुर खजूरी गांव के महाबलीपुर गांव में नरेश महतो की पच्चास वर्षीय पत्नी रेखा देवी की का शव घर के पीछे अमरूद के पेड़ से लटकता हुआ बरामद किया गया था। वहीं थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्रार्थमिक दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई में पुलिस जुट गई है। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर लेगी।

राजद का पंचायत स्तरीय अंबेडकर परिचर्चा आयोजित, पूर्व मंत्री श्याम रजक हुए शरीक

सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार तेजी से कर रहा विकास : श्याम रजक

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के वारिसनगर प्रखंड के गोही, पुरनाही तथा भादोघाट पंचायत में राजद के पंचायत स्तरीय परिचर्चा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष पवन यादव, संचालन प्रखंड प्रधान महासचिव श्याम सुन्दर राय तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष मो० अली इमाम ने किया। अंबेडकर परिचर्चा को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री सह राजद के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है इसलिए देश की सम्पत्तियों को बेचा जा रहा है। आज अगर लोग जागरूक नहीं हुये तो कल पूरे देश को इससे भारी नुकसान उठाना पडेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास कर रहा है और बिहार का विकास आने वाले समय में पूरे देश के लिए मॉडल होगा। देश में गुजरात माडल की नहीं बल्कि बिहार माडल की आवश्यकता है। सीएम नितीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के काम से पूरे देश में बिहार का नाम गौरवान्वित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल नफरत की सियासत करती है और उसे देश के विकास से कोई मतलब नहीं है। हमारा देश नफरत से नहीं बल्कि मुहब्बत से आगे बढेगा। अनेकता में एकता की जो खुबसूरती हमारे देश में है वह संसार के किसी भी हिस्से में देखने को नहीं मिलती है और यही हमारे देश की असल ताकत है जिसे कभी कोई समाप्त नहीं कर सकेगा। देश में बेरोजगारी तथा महंगाई बढ़ रही है। शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों को उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। केन्द्र सरकार नफरत की राजनीति कर रही है। मोदी सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों सीबीआई, ईडी और आईटी का दुरुपयोग अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कर रही है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती ने कहा कि भाजपा का मुखर विरोधी होने और मोदी के समक्ष घुटने नहीं टेकने के कारण लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है। भाजपा व केंद्र सरकार के द्वारा लोकतंत्र को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि देश अब तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। सीबीआई तो केन्द्र की भाजपा सरकार की तोता बनकर रह गयी। यह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं हैं। लोकतंत्र व संविधान को बचाने के लिए राजद का संघर्ष आगे भी अनवरत जारी रहेगा। कार्यक्रम को राजद जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधान पार्षद रोमा भारती, राजद प्रदेश महासचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, जिला राजद उपाध्यक्ष मो० अरमान सदरी, जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, जिला राजद महासचिव ललन यादव, मुखिया नूरजहां बेगम, वरीय नेता मदन राय, हरिश्चन्द्र राय, राकेश कुमार राय, संजय नायक, राजद शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शत्रुध्न यादव, युवा राजद के प्रदेश सचिव मो० अबु सद्दाम, श्याम सुन्दर राय, मो० अली इमाम, अशोक राय, जीवछ राय, रामबली राय, कन्हैया यादव, कृष्ण कुमार राय, राजकुमार राय, लक्ष्मी पासवान, नरेश राम, राकेश कुमार रजक, मो० अदनान सदरी, कक्कू भास्कर, अमित ठाकुर आदि ने सम्बोधित किया।

विधान पार्षद हरि सहनी के नेतृत्व में भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन उत्तरी भाजपा मंडल क्षेत्र के नौआचक शक्ति केंद्र में पार्टी कार्यकताओं ने सोमवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान विधान पार्षद हरि सहनी ने प्रधानमंत्री मोदी के 9 साल की सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किए गए कार्यों से संबंधित पत्रक एवं भाजपा सांसद सह केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के कार्यों का पत्रक भी वितरित किया गया। इस अवसर पर आगत अतिथियों को भाजपा नेता बंकू सहनी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। जनसंपर्क अभियान में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रभात ठाकुर, मत्स्य जीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बंकू सहनी, भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह राठौर, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ब्रजकिशोर से आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

ससुराल में घर बना रहे युवक की गोली मारकर हत्या, अपराधियों ने मजदूरों के साथ भी की मारपीट

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर पुलिस कप्तान विनय तिवारी के छुट्टी पर जाते ही अपराधियों ने एक बार फिर से अपना तांडव मचाना शुरू कर दिया है। सावन की पहली सोमवारी के दिन अपराधियों ने ससुराल में मकान बना रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार समस्तीपुर जिले के बंगरा थाना क्षेत्र के सिरसिया पावर हाउस के निकट बाइक सवार चार की संख्या में आए बेखौफ अपराधियों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मुख्तियारपुर निवासी झमेली चौधरी के पुत्र सुजीत कुमार चौधरी के रूप में बताई गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी गई है। परिजनों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करायी जाएगी। घटना के संबंध में बताया गया है कि सुजीत कुमार चौधरी दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के मुख्तियारपुर के रहने वाले हैं और फेरी का काम किया करते थे। वह अपने ससुराल सिरसिया में जमीन खरीदकर घर बना रहे थे। बताया गया है कि बाइक सवार चार की संख्या में आए अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी और घर के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के साथ मारपीट भी की। घटना की सूचना उपरांत समस्तीपुर सदर अस्पताल में पहुंचकर सदर डीएसपी संजय कुमार पांडे ने शव का मुआयना किया। ने बताया कि हत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। वैसे घटना के उद्भेदन को लेकर पुलिस टीम को एक्टिव कर दिया गया है। इस घटना में में जो भी अपराधी संलिप्त होंगे उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रेम प्रसंग में लड़की को भगा ले जाने के मामले ने पकड़ा तूल, दो पक्षों में हुई मारपीट से स्थिति तनावपूर्ण

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत काकर गांव में प्रेम-प्रसंग में लड़की को भगाने का मामला गांव में तूल पकड़ लिया। जिसको लेकर दो गुटों में मारपीट हुई। शिवाजीनगर ओपी में अपहरण की मामला दर्ज होने के बावजूद लड़की को पुलिस बरामद नहीं कर सकी। इसको लेकर दो समुदायों में तनाव काफी बढ गया और मारपीट हुई। जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने मामले को लेकर काकर घाट रोसडा. पथ को 5 घंटा तक जाम कर दिया। जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को मिली तो शिवाजीनगर ओपी, हथौड़ी एवं रोसडा की पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काकर घाट पहुंचकर कैंप कर किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने 5 घंटों तक उक्त सड़क पथ को जाम रखा और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को आने की मांग करने लगे। पुलिस के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से कार्रवाई किए जाने की आश्वासन पर सड़क जाम हटाया गया। बताया गया कि ओपी के काकर गांव के दो अलग-अलग समुदाय के लड़का और लड़की के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। जो 2 माह पूर्व परवान चढ़ गया। इसी कड़ी में दोनों प्रेमी युगल गांव से अन्य प्रदेश भागकर चले गए। इसको लेकर गांव में पंचायत भी की गई। पंचायत में गांव के कुछ लोगों द्वारा दोनों प्रेमी जोड़े की तलाशी करने के लिए अन्य प्रदेश भेजा भी गया लेकिन बरामद नहीं हो सकी। जिसको लेकर सोमवार को गांव के दो समुदायों के बीच तनाव काफी बढ़ गया। इसको लेकर डेढ़ माह पूर्व शिवाजीनगर ओपी में लड़की के पीड़ित पिता के द्वारा अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। लेकिन पुलिस अभी तक लड़की को बरामद नहीं कर सकी। ग्रामीणों को स्थानीय पुलिस को लेकर काफी आक्रोश है। घटना के संबंध में ओपी अध्यक्ष कमल राम ने बताया दो गुटों के बीच मारपीट हुई। पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रहा है। स्थिति नियंत्रण में है। मौके पर बीडीओ हरि ओम शरण, सीओ प्रिया आर्यनी, अपर थानाध्यक्ष हंसराज राम, एसआई विनोद कुमार उपस्थित थे।

बिहार राज्य वन महोत्सव 2023 को लेकर किया गया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड के परसा पंचायत में बिहार राज्य वन महोत्सव 2023 एवं जल जीवन हरियाली मनरेगा के तहत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी रजनीश कुमार एवं प्रखंड प्रमुख डॉक्टर गोविंद कुमार के द्वारा पौधा रोपण कर संयुक्त रुप से किया गया। कार्यक्रम पदाधिकारी रजनीश कुमार ने बताया कि जल जीवन हरियाली के तहत प्रखंड के सभी 17 पंचायतों में 34 सौ फलदार एवं अन्य सभी प्रकार का पौधारोपण किया जाएगा। पौधारोपण निजी एवं सरकारी भूमि पर की जाएगी। मौके पर मनरेगा जेई राजीव कुमार, नीरज प्रकाश, पीटीए प्रशांत कुमार, शेखर सुमन, पंचायत समिति सदस्य सरोज कुमार, सीताराम यादव, लाल बहादुर शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा का जिला सम्मेलन सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा(खेग्रामस) का छठा मुजफ्फरपुर जिला सम्मेलन मुशहरी प्रखंड के हाई स्कूल बिंदा में आयोजित हुआ। जिला के सभी प्रखंडों से 300 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें महिलाओं की संख्या लगभग 100 थी। सम्मेलन की शुरूआत संगठन के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ ठाकुर द्वारा झंडोत्तोलन तथा मजदूर-किसान आंदोलन में हुए शहीदों व दिवंगत नेताओं- कार्यकताओं को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए खेग्रामस के राष्ट्रीय महासचिव व भाकपा-माले पॉलिट ब्यूरो सदस्य धीरेन्द्र झा ने कहा कि मुजफ्फरपुर जिला सम्मेलन मजदूर आंदोलन की ऐतिहासिक धरती मुशहरी में आयोजित है। मुशहरी में गरीबों,मजदूरों व आमलोगों के मान-सम्मान, सामाजिक बराबरी,रोजी-रोटी व अधिकार के लिए बड़ी-बड़ी लड़ाई लड़ी गई है और आज भी जारी है। लेकिन आज इस लड़ाई को और तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की सत्ता पर काबिज मोदी सरकार मजदूरों-गरीबों-किसानों व आमलोगों की रोजी-रोटी और अधिकारों पर दिनरात हमला करने में जुटी है। महंगाई की मार से चौतरफा त्राहिमाम मचा हुआ है। बेरोजगारी चरम पर है।ग्रामीण गरीबों के लिए जारी मनरेगा,जनवितरण प्रणाली, आवास योजना तथा कल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने की साजिश की जा रही है। मजदूरों व गरीबों के हित में जो भी कानून बना था उसको समाप्त कर अंग्रेजी राज की तरह सबकुछ अडाणी-अंबानी जैसे देश के लुटेरों व देशी-विदेशी कंपनियों के हवाले किया जा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि भाजपा और मोदी सरकार आजादी के बाद मिले लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकारों और तौर-तरीकों को कुचलने तथा सांप्रदायिक नफरत और उन्माद फैलाने में लगी है।मजदूरों,गरीबों, दलितों व कमजोर वर्ग के लोगों के बीच भी सांप्रदायिक जहर फैलाया जा रहा है। मोदी सरकार जनता का लोकतांत्रिक राज मजबूत करने की जगह हिन्दूराष्ट्र बनाने में लगी है।उद्घाटन सत्र को संबोधित करती हुई महिला संगठन ऐपवा की राज्य उपाध्यक्ष रानी प्रसाद ने कहा कि महिला मजदूरों को भी नियमित रोजगार, सामाजिक अधिकार तथा मान-सम्मान के लिए संघर्ष तेज करने की जरूरत है। राज्य पर्यवेक्षक शिवनाथ राम की देखरेख में 21 सदस्यीय जिला कमिटी का चुनाव हुआ। जिला अध्यक्ष होरिल राय, जिला सचिव रामनंदन पासवान, उपाध्यक्ष बिरेन्द्र पासवान, प्रेमलाल राय, सुरेश राम, कुसुमी देवी, सहसचिव वीरेन्द्र पासवान, मो.करीम, शंभू राम, मो.ईसराइल चुने गए। कमिटी में चार महिलाएं शामिल है। सम्मेलन में माले जिला सचिव कृष्णमोहन, माले नेता रामबालक सहनी, विमलेश मिश्र, राजेश रंजन, रामबली मेहता, विन्देश्वर साह, रामलखन दास, सीपीएम के दिनेश भगत,रसोइया संघ के जिला सचिव परशुराम पाठक, नौजवान सभा के विकास रंजन, छात्र संगठन आइसा के रौशन कुमार सहित अन्य संगठनों के नेता-कार्यकर्ता भी शामिल थे। सम्मेलन के अंत में वास-आवास के लिए जमीन, मनरेगा में नियमित काम तथा 600रुपये मजदूरी, 3हजार वृद्धावस्था पेंशन, महंगाई पर रोक तथा अन्य सवालों को लेकर राज्यव्यापी अभियान के तहत 11जुलाई को अनुमंडल पर धरना तथा 1अगस्त को कृषि हड़ताल करने की घोषणा भी की गई।

नीतीश कुमार के अपनी कुर्सी बचाने की जोड़-तोड़ में, तो कैसे सुधरेगी कानून व्यवस्था : प्रशांत किशोर

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था जिसकी वजह से चाहे राजधानी पटना में रहने वाले आम लोग हों, या दरभंगा में कैबिनेट मंत्री के बेटे की बदमाशों द्वारा सरेआम पिटाई की घटनाओं ने प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। इस हालात पर जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि आरजेडी जब भी किसी गठबंधन में रहा है, तो लोगों का अनुभव व जो लोगों का मानना है कि राजद जब सरकार में रहती है तो असामाजिक तत्वों यानी अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। ये स्थिति हम बिहार में देख रहे हैं कि पिछले चार-पांच महीनों से बिहार में स्थिति और बिगड़ रही है। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि जब महागठबंधन बना था तब से लोगों के मन में आशंका है कि बिहार में कानून व्यवस्था बिगड़ेगी। कानून व्यवस्था की स्थिति महागठबंधन की सरकार से पहले भी बहुत अच्छी नहीं थी। इसके अलावा जो प्रदेश का गृह विभाग है, वो मुख्यमंत्री के अधीन है। कहीं न कहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फोकस शासन-प्रशासन व्यवस्था पर है नहीं। सीएम अपनी राजनीतिक मजबूरियों के कारण लाभ में पड़े हुए हैं। कभी भागकर इधर, तो कभी पलटकर उधर। जब आपका पूरा समय इस पर लगा हुआ है कि कौन सा राजनीतिक जोड़ बनाएं, किसको जोड़ें, किसको हटाएं, कैसे सरकार बचाएं, कैसे कुर्सी बचाएं, तो आपके पास समय कहां हैं कि आप कानून व्यवस्था देखिएगा। प्रशांत किशोर ने बिगड़ी कानून व्यवस्था के लिए सीएम के शराबबंदी के फैसले को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था बिगड़ने के लिए दूसरी वजह की है शराबबंदी का कानून। सरकार द्वारा ये जो शराबबंदी का कानून लागू किया है, इसे लागू करने से सिर्फ शराब की दुकानें बंद हुईं। लेकिन, घर-घर शराब बिक ही रही है। ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता शराबबंदी हो गई है। शराबबंदी लागू करो, शराबबंदी से कमाओ और शराबबंदी को छुपाओ। जब प्रशासनिक व्यवस्था का पूरा शराब पर ही लगा रहेगा, तो सामान्य कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी ही।

सावन के पवित्र महीने में मांस, मछली और अंडे की दुकानों को बंद करे प्रशासन : जितेंद्र चौधरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र चौधरी ने पवित्र श्रावण मास में मांस, मछली और अंडे की दुकानों को बंद करने की मांग की है। मांग करते हुए उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भक्तों एवं कावड़ियों के द्वारा भगवान भोलेनाथ के मंदिर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जाता है। जिसमें श्रद्धा और पवित्रता सर्वोपरि होती है। लेकिन मंदिर के रास्तों में यत्र- तत्र खुले मांस-मछली की दुकानों से भक्तों का मन भटकता है और उनके मनों में अशुद्ध विचार उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है, जिससे उनके पवित्रता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि इसलिए जिला प्रशासन मंदिरों के रास्ते में बने मांस-मछली की दुकानों को बंद रखने का निर्देश जिला प्रशासन दे। उन्होंने कहा कि खासकर जिले के प्रसिद्ध थानेश्वर स्थान मंदिर के आसपास और ताजपुर रोड में बने हुए मांस, मछली और अंडे की दुकानों को प्रशासन के द्वारा बंद करवाया जाए। ताकि भक्तों की भावनाएं आहत ना हो। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि जिला प्रशासन श्रावण मास की महत्ता को देखते हुए हिंदू धर्म की भावनाओं का सम्मान कर अविलंब उनकी मांगों पर विचार करेगी। आपको बता दें कि श्रावण मास के दौरान हिंदू मांस, मछली और अंडा खाने से परहेज करते हैं।

5 साल पुराने मद्य निषेध मामले में अभियुक्त को आजीवन कारावास और तीन लाख जुमार्ना की सजा

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर व्यवहार न्यायालय में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह उत्पाद अधिनियम के विशेष न्यायाधीश संजय कुमार द्वितीय ने 10 जुलाई को शराब कारोबार से संबंधित मामले में दोषी पाए गए जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिरसी वार्ड नंबर पांच निवासी महेंद्र साह के पुत्र शंकर साह को आजीवन कारावास एवं तीन लाख रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई है। साथ ही जुमार्ना की राशि अदा नहीं करने के पर दोषी को छह माह अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। मामला विभूतिपुर थाना क्षेत्र के उत्पाद वाद संख्या 300/18 से संबंधित है। जिसमें उत्पाद टीम के द्वारा छह अक्टूबर 2018 की शाम 05:20 बजे अभियुक्त शंकर साह के सिरसी स्थित झोपड़ीनुमा मवेशी खाना से 1386.360 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया था। जिसके बाद आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय के द्वारा उसे दोषी पाते हुए धारा 30 (ए) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही तीन लाख रुपए अर्थदंड देने की भी सजा सुनाई गई है।

सावन की पहली सोमवारी पर बाबा जागेश्वर धाम में जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय संस्कृति और परम्परा के तहत श्रावण मास के प्रथम सोमवारी पर समस्तीपुर प्रखंड के केवस निजामत स्थित महान ऋषि जागवल के तपो भूमि बोल-बम के नारों से गुंजायमान रही। श्रद्धालूओं ने झमटिया से कांवड़ कंधे पर लेकर गंगाजल से जागेश्वर धाम मनोकामना सिद्ध शिवलिंग पर जलाभिषेक करने को लेकर रंग-बिरंगे पोशाकों में शिव भक्ति में झूमते हुए करीब 40 किलोमीटर की दूरी तय कर बाबा जागेश्वर धाम मनोकामना सिद्ध शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। सावन पहली सोमवारी सोमवारी पर जागेश्वर धाम शिव मंदिर में क्षेत्र के लोगों की अपार भीड़ उमड़ी हुई थी। इस दौरान वहां मेले सा नजारा बना हुआ था और पूजा-अर्चना से मुग्ध होकर श्रद्धालुओं ने पूरे क्षेत्र को भक्ति सागर बना दिया था। इस अवसर पर स्थानीय सामाजिक लोगों के द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर व्यापक व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर समुचित इंतजाम किए गए थे। जिसमें बच्चा बाबू गिरी, रामनारायण शर्मा, ठाकुर मनोज भारद्वाज, मनोज महतो, गंगा शर्मा, दिलीप राय, श्रृंगी शरण गिरी, दिलीप गिरी, केदार पांडे गिरी एवं रामबाबू गिरी शामिल थे।

दो पक्षों में हुई मारपीट की प्राथमिकी दर्ज, तीन गिरफ्तार

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के खास टभकाउत्तर पंचायत में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना की दोनों पक्षों ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करवाया है। एक ओर से जहां खास टभकाउत्तर पंचायत के वार्ड 06 निवासी राम पुकार सहनी की पत्नी अंजली कुमारी ने मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें अखिलेश सहनी, अनिल कुमार, अमरजीत कुमार, शशिकांत सहनी, मणिकांत सहनी, मनीष कुमार, अजय कुमार सहनी, अशोक सहनी, राहुल कुमार, आनंद कुमार, प्रिंस कुमार को नामजद एवं तीन चार अज्ञात को आरोपित किया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़िता ने बताई कि मैं खास टभकाउत्तर पंचायत के पंचायत समिति पर कार्यरत हूं। 2021 से पहले अजय कुमार सहनी की पत्नी पंचायत समिति पद पर थी। चुनाव हार जाने के कारण उनके इशारे पर हमारे परिवार एवं ग्रामीण के साथ वे लोग बराबर मारपीट करते है। जिसको लेकर विभूतिपुर थाने में कई कांड दर्ज है। वहीं दूसरी ओर से खास टभकाउत्तर पंचायत के वार्ड 06 के ही फूचो सहनी के पुत्र सुनील सहनी मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करवाया है। जिसमें खास टभकाउत्तर वार्ड 06 के रामपुकार सहनी, बाजितपुर बम्बैया वार्ड 10 के भोला सहनी, सूरज कुमार, साजन कुमार को नामजद किया है। पीड़ित ने बताया कि 8 जुलाई को मैं अपनी बेटी की बर्थडे पार्टी मना रहा था। तभी उपर्युक्त नामित सभी नाजायज मजमा बनाकर हथियार से लैस होकर घर में घुस गया और गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर मारपीट कर जख्मी कर दिया। ग्रामीणों के जुटने लगे और मारपीट कर रहे तीन लोग रामपुकार साहनी, भोला साहनी एवं सूरज कुमार को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं विभूतिपुर थाना दोनों पक्षों के आवेदन पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करते हुए तीनों हिरासत में लिए व्यक्ति को जेल भेज दिया है।

मुखिया ने लगाया प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी पर कमीशन मांगने का आरोप

विभूतिपुर, प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के बेलसंडी तारा पंचायत के मुखिया प्रभात प्रसून ने विभूतिपुर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी पर पंचायत से अनाधिकृत रूप से सभी अभिलेख ले जाने एवं कमीशन मांगने का आरोप लगाया है। तथा इसकी शिकायत जिलाधिकारी एवं पंचायती राज विभाग से भी की है। उन्होंने बताया कि विभूतिपुर पंचायती राज पदाधिकारी अनाधिकृत रूप से पंचायत भवन से योजनाओं का अभिलेख ले गए। कारण यह है कि योजनाओं में वे अपनी कमीशन 3% तय किए हैं। सही काम करने के पश्चात उन्हें यह देने में मैं सक्षम नहीं हूं। वहीं विभूतिपुर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी बेलसंडी तारा पंचायत के पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, लेखापाल के नाम से एक पत्र निर्गत किया है। जिसमें बताया गया कि 10 जुलाई को ग्राम पंचायत राज बेलसंडी तारा में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान कार्य की गुणवत्ता एवं अभिलेख संधारण में कई खामियां पाई गई। कई योजनाओं का भुगतान बिना अभिलेख पूर्ण किए ही कर दिया गया। जो गंभीर वित्तीय अनियमितता को दशार्ता है। उन्होने अनुशासनिक कार्यवाही करते हुए वरीय पदाधिकारी को प्रतिवेदन करने की बात कहते हुए अभिलेख एवं कार्य पूर्ण होने तक भुगतान स्थगित कर दिया है। वहीं इस संबंध में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि यह आरोप सरासर गलत है। अगर सही पाया गया तो मैं अपने पद से त्यागपत्र दे दूंगा।

संक्षिप्त खबरें

कौशल विकास केंद्र से 21 लैपटॉप की चोरी

पंचदेवरी। कटेया में रविवार की रात चोरों ने कौशल विकास केंद्र को अपना निशाना बनाया।21 लैपटॉप समेत अन्य कई कीमती समानों की चोरी कर ली।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के पंचदेवरी प्रखंड के चक्रपान में कौशल विकास केंद्र संचालित होता है।प्रतिदिन वहां कंप्यूटर का क्लास चलता है।वहां कार्यरत कर्मी शाम को ताला बंद कर चले जाते हैं।रविवार की रात चोरों ने कौशल विकास केंद्र का ताला तोड़ दिया तथा 21 लैपटॉप समेत अन्य कई इलेक्ट्रॉनिक समान ले उड़े।सोमवार को जब कंप्यूटर शिक्षक वहां पहुंचे तो, सेंटर की स्थिति देख उनके होश उड़ गये।ताला टूटा हुआ था तथा 21 लैपटॉप समेत अन्य सामान गायब थे।शिक्षक द्वारा तुरंत इसकी सूचना केंद्र संचालक तथा पुलिस को दी गयी।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पांडेय तथा पंचदेवरी पिकेट प्रभारी रेयाज हुसैन ने मामले की जांच की।चोरी की खबर सुन आस-पास के ग्रामीण भी घटना स्थल पर पहुंच गये।थानाध्यक्ष ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गयी है।पुलिस गंभीरता से मामले की तहकीकात में जुटी है।

पंचदेवरी में पदाधिकारियों ने की कई स्कूलों की जांच

पंचदेवरी। पंचदेवरी में सोमवार को वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर कई स्कूलों की जांच की गयी।कई विभागों के पदाधिकारी जांच करने पहुंचे थे।पंचदेवरी के बीसीओ विमलेश कुमार ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय सह कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बगहवा की जांच की।जांच के दौरान कस्तूरबा विद्यालय की छात्राएं अनुपस्थित पायी गयीं।बीसीओ द्वारा इस संबंध में प्रधानाध्यापक से पूछे जाने पर यह बात सामने आयी कि कस्तूरबा विद्यालय के कर्मियों के हड़ताल के कारण छात्राएं हॉस्टल में नहीं हैं।इसी वजह से छात्राएं विद्यालय से भी अनुपस्थित हैं।बीसीओ ने शिक्षकों की उपस्थिति, एमडीएम, किचेन, साफ-सफाई आदि की भी जांच की तथा विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने का निर्देश दिया।नवसृजित प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर कुर्मिटोला में भी बीसीओ द्वारा जांच कर कई आवश्यक निर्देश दिये गये।अन्य कई पदाधिकारियों ने भी सोमवार को स्कूलों की जांच की।जांच के कारण पूरे दिन शिक्षकों में हड़कंप मचा रहा।बीसीओ ने बताया कि जांच के बाद प्रतिदिन की रिपोर्ट विभाग को भेज दी जा रही है।

राजद परिचर्चा में बाबा भीम राव अंबेडकर की मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

थावे। थावे प्रखंड के दो पंचायतो में राजद कार्यकताओं ने रविवार की देर रात परिचर्चा का आयोजन किया।जिसकी अध्यक्षता राजद के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार यादव ने किया।जिसमे राजद कार्यकर्ता के साथ काफी संख्या में लोग शामिल हुए।प्रखंड के इंद्ररवा और रामचंद्र पुर में परिचर्चा के दौरान कहा गया की देश इस समय खतरा से गुजर रही है।हमलोगो को हर हालत में देश हित में कार्य करते हुए भीम राव अंबेडकर की बनाया गया देश का संविधान को बचना है।तथा उनके किए गए मार्ग पर चलने की संकल्प ले।इस समय भारत सरकार इतिहास और ऐतहासिक विरासत को बदलकर अपने अनुसार इतिहास गठन कर सरकार चलाने में जुटी हुई है।अंबेडकर जी बिचाराधारा को आगे बढ़ा रहे।इस पर विचार करने का जरूरत है।मौके पर राजद प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार यादव, पंचायत अध्यक्ष हैदर आलम, पंचायत अध्यक्ष पवन पटेल,सुशील सिंह, अरविंद राम,सहीत राजद कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जनता शामिल रही।

यूपी का कुख्यात गिरोह बनाकर गोपालगंज व सिवान में करता था लूटपाट

गोपालगंज।पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गोपालगंज व सिवान में हुए तीन लूटकांड का खुलासा करते हुए यूपी व बिहार के छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो पिस्टल, एक देशी पिस्तौल, पांच जिन्दा कारतूस, एक चाकू, दो बाइक व लूट की राशि बरामद की गई है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि मीरगंज थाने के पेंट दुकानदार व सीएसपी संचालक से हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया गया था।जिसके बाद हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। गठित एसआइटी ने घटना में शामिल यूपी के देवरिया जिले के श्रीरामपुर थाने के प्रदीप यादव, भाटपाररानी के मोहित यादव, शुभम चौरसिया, मीरगंज थाने के सनोज यादव, सन्नी कुमार और मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अपराधियों ने सिवान में सीएसपी से पांच लाख रुपये हुए लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एसपी ने बताया कि यूपी का कुख्यात अपराधी प्रदीप यादव गिरोह बनाकर गोपालगंज व सिवान में लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। इसके ऊपर विभिन्न थानों में करीब 9 लूट व रंगदारी के मामले दर्ज है।

नवोदय में डीएम ने किया पौधारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन, साढ़े पांच लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव प्रखंड के बलेसरा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में जल जीवन हरियाली मिशन के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से जिले के वन महोत्सव का शुभारंभ डीएम डॉ नवल किशोर चौधरी, डीडीसी अभिषेक रंजन, बीडीओ मनोज कुमार पंडित, सीओ रवीश कुमार, मनरेगा के पीओ राजीव रंजन और नवोदय विद्यालय के प्राचार्य सुधाकर शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व पौधारोपण कर किया। इसी के साथ ही जिले में वन महोत्सव की शुरूआत कर दी गई।

डीएम डॉ नवल किशोर चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का दुर्भाग्य है कि बिहार बाढ़ ग्रस्त प्रदेश होने के बावजूद बिहार के कई जिलों में जलस्तर काफी नीचे चला गया है, घरों में लगे चापाकल पानी देना बंद कर दिया है। यह चिंता का विषय है। इसका मुख्य कारण है कि हम पेड़ों को तेजी से काट रहे हैं और उनके स्थान पर पौधारोपण नहीं कर रहे है। पर्यावरण को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने की आवश्यकता है। पौधारोपण को महोत्सव के रूप में मनाने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने परिवार के प्रत्येक बच्चों, सदस्यों, पुरुखों व बुजुर्गो के नाम पर भी पौधारोपण करें। उनकी सुरक्षा करें। पौधे फल दें तो उन्हें देखकर पुरुखों की याद आए। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में भी प्रत्येक छात्र एक-एक पौधा लगाएं और उसके सुरक्षा की जिम्मेदारी भी खुद ले। डीडीसी अभिषेक रंजन ने कहा कि जिले में साढ़े पांच लाख पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा गया है और आवश्यकता पड़ी तो जिले में इससे अधिक भी पौधारोपण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों एवं छात्रों ने भी अभियान के तहत विद्यालय परिसर में सोमवार के दिन दो सौ पौधे लगाए। इस दौरान छात्रों ने विद्यालय परिसर में लगाए पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। इसके पूर्व छात्रों ने स्वागत गीत गाकर पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। मौके पर उप प्रमुख श्री कृष्णा सिंह, उप प्राचार्य पुष्पराज सिंह, मनरेगा के जेई विरेंद्र प्रसाद, मुखिया मोहम्मद असलम, सुरेंद्र राम, राजू भाई, बीडीसी सदस्य विशेश्वर सिंह, शाह आलम, बशीर अहमद सहित काफी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कर्मी मौके पर उपस्थित थे।

हर हर महादेव से गुंज उठे शिवालय

सावन की पहली सोमवारी को लगा भक्तो का तांता

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

सावन माह में शिवभक्त शिव की साधन में लीन हो जाते है। सावन माह में सोमवार का दिन शिवभक्तो के लिए और ज्यादा महतपूर्ण हो जाता है। बेलपत्र और जल के साथ शिवभक्त आसपास के शिवालयों में जाकर जल अर्पण करते है। सावन माह की पहली सोमवारी के अवसर पर शिवालयों में लगी श्रद्वालुओ की भारी भीड नगर के शिव मंदिर, मांझा के डुमरिया महुआ टोला स्थित शिव मंदिर सहित सभी प्रमुख शिवालयों में हर हर गंगे बम बम भोले हर हर महादेव के जयकारो से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर स्त्री, पुरूष, युवा, युवतियां और नौजवानो की भारी भीड मंदिरो पर दिन भर लगी रही। मंदिर के आसपास पूजा सामग्री और मिठाइयों की दुकाने भी सजी रही। वही हथुआ संवाददाता के अनुशार मीरगंज स्टेशन चौक, स्थित शिव मंदिर में श्रद्वालुओ की भारी भीड देखी गयी।

स्थानीय लोगो का मानना है कि यदि समर्पण के साथ पुजा की जाए तो मन्नत जरूर पुरी होती है। वही हथुआ के प्राचीन बउरहवा शिव व बबुआ जी परिसर स्थित प्रथ्वीनाथ पालेश्वर शिव मंदिर में भी काफी भीड देखी गयी। वही श्रद्वालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर के आसपास पुलिस के जवानो को भी तैनात किया गया था। वही बैकुंठपुर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड जुटी रही।

युगों का ऐतिहासिक कहानी समेटे बाबा धनेश्वरनाथ से बना सिंहासनी धाम

प्रात : किरण संवाददाता

बैकुंठपुर।प्रखंड के सिंहासनी धाम स्थित बाबा धनेश्वर नाथ का ऐतिहासिक शिवमंदिर त्रेतायुग व द्वापरयुग की कहानी समेटे दर्शनीय चर्चित धर्मस्थलों में से एक है।सारण गजट का प्रमाण देते हुए पुराने लोगों द्वारा पूर्व से बताया जाता रहा है कि यहां त्रेतायुग में जनकपुर बारातो यात्रा के दौरान अयोध्यावासी बारातियों का कलेवा इसी जगत हुआ था।तथा बारात वापसी में भी यहां ठहराव हुआ था।भगवान राम के द्वारा शिवजी की पार्थी बनाकर यहीं पूजा की गयी थी।वहीं माता जानकी ने यहां शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां दुर्गा की पूजा की थी।समय अंतराल के पश्चात द्वापर काल में महाभारत के बाद भगवान कृष्ण की प्रेरणा से हस्तिनापुर नरेश युधिष्ठिर ने पांडवों सहित इसी जगह राजसुयी यज्ञ की।जिसमें यह ऐतिहासिक शिवलिंग की स्थापना की गयी है।गौरतलब है कि यह धाम बहुत ही पुराना प्राचीन काल का मंदिर है।यहां बावन गंडा (208) कुआं और बावन गंडा (208) पोखर है।यहां की अदभुत कहानी है.यज्ञ के समय जनता की सुख सुविधाओं को देखते हुए उस समय मंदिरों के आसपास कुआं तथा पोखर की खुदाई करायी गयी थी।जो आज भी मौजूद है।इन कुंओं व तालाबों का उपयोग यज्ञ सामग्री रखने के लिए प्रयोग की गयी।इसी में धूप, मधु, धान, गंगाजल आदि रखने के लिए किया गया था।इसी के चलते इन तालाबों का नाम भी घीवही, तीलही, धूपही, मधुवा, धानकोही, दांगी, गांगी, अमही, रनिया, देवरनिया, नयकी, सेवाला, मटिया, पिपरिया, मुंडली आदि रखा गया।जो आज भी इसी नाम से मशहूर है।पांडवों ने मुंडन संस्कार के बाद इस पोखर में स्नान किया इसलिए आज भी मुंडली पोखर से नाम कायम है।इस बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर में भक्ति पूर्वक जलाभिषेक व दर्शन करने वाले लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती है।

यहां महाशिवरात्रि व सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को बहुत ही प्रिय होता है।फाल्गुनी महाशिवरात्रि एवं सावन के महीने में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से कई गुणा फायदा मिलता है।जिसके चलते यहां लाखों की भीड जुटती है।कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकिन यहां पूजा-अर्चना करने वालों की भीड़ प्रतिबंधित थी।इसके बावजूद भी यहां लोगों की बडी भीड़ युवाओं और पुरुषों के साथ-साथ सबसे ज्यादा भीड़ महिलाओं और युवतियों की होती रही है।यहां शिवभक्त व श्रद्धालु दूध और पानी से जलाभिषेक करती हैं।बेलपत्र, भांग, धतूरे, फूल, फल, फर्नीचर तथा खिलौनों की बडी बिक्री होती है।पूर्व में सिंहासनी धाम स्थित बाबा धनेश्वर नाथ ऐतिहासिक मंदिर का पुरातत्व विभाग की टीम द्वारा गहन निरीक्षण के बाद बाबा के दर्शन भी किये गये।टीम का नेतृत्व कर रहे पुरातत्व विभाग के डॉयरेक्टर अतुल कुमार वर्मा ने सिंहासनी धाम पहुंच कर यहां के ऐतिहासिक व पौराणिक तथ्यों से अवगत हुए थे।महाभारत कालीन राजसुयी यज्ञ में पांडवों द्वारा स्थापित शिवलिंग के विषय में जानकारी लेने के दौरान टीम को स्थानीय लोग के द्वारा लिखित अभिलेख भी सुपुर्द किया गया था।सावन के प्रथम सोमवारी की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन से एसडीपीओ प्रांजल भी दलबल के साथ पहुंचे।श्रद्धालुओं की सुविधा शांति व सुरक्षा को लेकर स्थानीय मुखिया नागेंद्र सिंह, प्रखंड प्रमुख अदिति देवी, पूर्व मुखिया सुनिल सिंह, थानाध्यक्ष धनंजय कुमार राय, सरपंच मंजर हुसैन, बीडीसी विजय कुमार ओझा, प्रेम गिरी, अवधेश सिंह, प्रभात पुरी, दीपक पुरी, हरेंद्र गिरी, भीम गिरी, देवेंद्र गिरी, राजकिशोर गिरी पवन गिरी सहित कई लोग मौजूद थे।

श्रीपुर में टेंपो से भारी मात्रा में विदेशी शराब जप्त, तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया। श्रीपुर ओपी पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर भागीपट्टी समउर-मीरगंज अंतर्गत चीन बाजार मोहानी के पास एक टेंपो से भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया. साथ ही पुलिस ने शराब से भरे टैंपू को ओपी परिसर लायी. इसकी जानकारी देते हुए श्रीपुर ओपी अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि टैंपू से 32 पेटी विदेशी शराब जप्त किया गया है. जिसमें 1536 बोतल विदेशी शराब गिनती की गई. गिरफ्तार तस्कर मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत वहां थाना क्षेत्र के ककरा चौक पनास गांव के निवासी झपसी सहनी का पुत्र दिलीप कुमार सहनी ने बताया जाता है. पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सोमवार को पुलिस अभिरक्षा के बीच न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

चोरी और डकैती के 17 कांडो में शामिल आठ शातिर चोर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी और डकैती के 17 कांडों में संलिप्त 8 अंतरजिला अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अपराधी गोपालगंज और सीवान के रहनेवाले हैं। इन अपराधियों के पास से एक स्कॉर्पियो, दो देशी कट्टा, ताला काटने वाली मशीन, चोरी और लूटे गए आभूषण, 1 लाख 15 हजार कैश सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जिले में बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया था। गठित टीम ने देवापुर उच्च विद्यालय के समीप अपराध की योजना बना रहे आठ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधी अबतक चोरी की 18 वारदात को अंजाम दें चुके हैं। गिरफ्तार अपराधी महम्मदपुर थाने के सलेहपुर गांव के राहुल कुमार, बंजरिया गांव के समेत दत्त प्रियदर्शी, मंजीत कुमार, राजा बाबू, बरौली थाने के कोटवा गांव के परवेज आलम, सरफरा गांव के मोहन महतो, नगर थाने के मोहम्मद फारुख और सिवान जिले के जामो थाने के हिमांशु कुमार बताए गए है। इन अपराधियों ने गोपालगंज में 13 व सिवान में पांच चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

उत्पाद पुलिस ने जयप्रभा सेतु के चेकपोस्ट से शराब लदा एक पिकअप किया जब्त

छपरा। रविवार की रात माँझी के जयप्रभा सेतु के उत्पाद चेकपोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने वाहन जाँच के क्रम में शराब लदा एक पिकअप जब्त कर लिया। चैकपोस्ट पर तैनात उत्पाद विभाग के एएसआई सियाराम साह ने बताया कि स्कैनर मशीन से वाहन जांच के क्रम में पिकअप में छिपाकर रखे गए चालीस पेटी टेट्रा पैक एवं दस पेटी अंग्रेजी शराब के साथ यूपी नम्बर का एक पिकअप जब्त किया गया है। पुलिस ने चालक के साथ तस्कर को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया है। बताते चलें कि जिला प्रशासन के निर्देश पर उत्पाद विभाग की पुलिस की मौजूदगी में जयप्रभा सेतु के चेकपोस्ट पर यूपी की ओर से आकर बिहार की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों की स्कैनर मशीन से जाँच की जाती है।

भोजपुरी के शेक्सपियर लोक कलाकार नवजागरण के प्रतीक भिखारी ठाकुर की 52वीं पुण्यतिथि समारोह का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भोजपुरी के शेक्सपियर लोककलाकार नवजागरण के प्रतीक भिखारी ठाकुर की 52वीं पुण्यतिथि समारोह सोमवार को शहर के प्रवेश द्वार तेलपा के भिखारी ठाकुर चैक पर भिखारी ठाकुर लोक साहित्य एवं सांस्कृतिक महोत्सव, सारण के तत्वावधान में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित गणमान्य लोगों के द्वारा समाजियों सहित भिखारी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भवभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए महोत्सव के महासचिव डॉ. लालबाबू यादव ने कहा कि भिखारी ठाकुर सारण के सांस्कृतिक जगत के पहचान हैं, उन्होंने विशाल भोजपुरी समाज में अपने नाटकों, गीतों एवं प्रहसनों के द्वारा जिस नवजागरण का शंखनाद किया था, उसकी प्रासंगिकता आज भी बरकरार है। बेमेल विवाह, पलायन की समस्या, विधवा विवाह पर रोक एवं सामन्ती जोर-जुर्म के खिलाफ उन्होंने लौंडा नाच के माध्यम से भोजपुरी समाज को वैकल्पिक मनोरंजन का साधन उपलब्ध कराया। आज भारतवर्ष तथा विदेशों में भिखारी ठाकुर की कृतियों पर शोध कार्य हो रहे हैं, जिसका इशारा उन्होंने अपने जीवन काल में ही किया था कि आने वाले समाज में उनकी प्रासंगिकता बरकरार रहेगी। इस अवसर पर भिखारी ठाकुर के प्रपौत्र राकेश ठाकुर, सुनील ब्याहुत, सुनील चैबे सहित दर्जनों आसपास के नागरिक उपस्थित थे। यह चिंता का विषय है कि उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर जिला प्रशासन का कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं था और न प्रतिमा स्थल पर साफ-सफाई की ही पर्याप्त व्यवस्था की गई थी, जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने इसकी जिम्मेवारी ली है और एतद सम्बधी पोस्टर भी वहाँ एसबीआई द्वारा लगाया गया है। कुल मिलाकर इस बार का पुण्य स्मृति समारोह आम लोगों के द्वारा ही सम्पन्न किया गया।

जिला स्तर पर वन महोत्सव-2023 का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण वन प्रमंडल, छपरा के तत्वाधान में जिला स्तर पर वन महोत्सव-2023 का शुभारंभ जिला निबंधन-सह-परामर्श केंद्र, सारण के परिसर में वृक्षारोपण कर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण, वन, जलवायु एवं आद्रभूमि, बिहार, पटनाएन०जवाहर बाबू, आयुक्त, सारण प्रमंडल, छपरा सर्वानन एम. जिलाधिकारी अमन समीर, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सारण, रामसुंदर एम, प्रबंधक, जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र और जिला योजना पदाधिकारी, सारण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। वन प्रमंडल पदाधिकारी, सारण, छपरा के द्वारा बताया गया की जिला निबंधन-सह- परामर्श केन्द्र, सारण में ष्मियावाकी पद्धति से 160 पौधों का वृक्षारोपण कर वन महोत्सव - 2023 का शुभारंभ जिला में किया गया है। बताया गया कि ष्मियावाकी पद्धतिष से सारण जिला में पहली बार वृक्षारोपण किया गया है। मियावाकी पद्धति की जानकारी देते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इस पद्धति के जनक जापानी वनस्पति वैज्ञानिक अकीरा मियावाकी है। मियावाकी पद्धति से बहुत कम समय में जंगलों को घने जंगलों में परिवर्तित किया जा सकता है। इस कार्य विधि में पेड़ स्वयं अपना विकास करते है। और तीन वर्ष के भीतर में अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाती है। ये वन नई जैव-विविधता और एक परिस्थिति को प्रोत्साहित करते है जिसमे मृदा की उर्वरता में वृद्धि होती है। बताया गया कि इसके अलावा मनरेगा के द्वारा भी सारण जिला के अलावें प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर भी वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सारण वन प्रमंडल द्वारा सारण जिलांतर्गत विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर पूरे जुलाई माह में वन महोत्सव का आयोजन कर लोगो के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु अभियान चलाया जाएगा।

फुलवरिया के पंचायतों में लगाए गए हरे पत्तेदार व फलदार 24 सौ पौधे

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया प्रखंड के बारहों पंचायतों में वन महोत्सव सह वृक्षारोपण अभियान के तहत 24 सौ हरे पत्तेदार व फलदार पौधों को लगाया गया।पौधारोपण कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम पंचायत राज चुरामन चक अंतर्गत संग्रामपुर रायमल गांव के हनुमान मंदिर मुख्य पथ से हुआ।जहां पंचायत के मुखिया गया कुमार सिंह, हथुआ डीसीएलआर सार्दुल हसन खान, बीडीओ अजीत कुमार रौशन, सीओ वेद प्रकाश नारायण, मनरेगा पीओ अमरेंद्र प्रताप सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद सरफराज तथा कोऑर्डिनेटर वाल्मीकि गुप्ता ने संयुक्त रुप से पौधों को लगाया।

साथ ही उक्त अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ पौधों की रखरखाव का संकल्प लिया।इस दौरान बीडीओ श्री रोशन ने कहा कि प्रखंड के सभी पंचायतों में 12 यूनिट हरे पत्तेदार व फलदार पौधों को वन महोत्सव पौधारोपण कार्यक्रम पर लगाया गया है।उन्होंने बताया कि आगामी 15 अगस्त तक प्रखंड में कुल 120 यूनिट पौधों को लगाने का लक्ष्य रखा गया है।जिसे शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए कई दिशा-निर्देश दी गई है।मुखिया गया कुमार सिंह ने कहा कि कोरोना काल ने हम सबको ऑक्सीजन के महत्व को नजदीक से समझने का मौका दिया है।उन्होंने बताया कि पौधों के बिना जीवन सफल नहीं हो सकता।डीसीएलआर सार्दुल हसन खान ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि अपने जन्मदिन एवं सालगिरह के दिन कम से कम एक बरगद एवं पीपल के पौधे को लगाएं।सीओ वेद प्रकाश ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन में प्रकृति का दिया हुआ वरदान है।इनके बगैर हमारे जीवन का अस्तित्व संभव नहीं है।इसलिए हम सभी का दायित्व है की पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करें।पेड़ पौधों की सुरक्षा भी करें।साथ ही कोऑर्डिनेटर श्री गुप्ता ने बताया कि पेड़ पौधे निस्वार्थ भाव से हमें शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं।उनकी रक्षा उतनी ही जरूरी है जितना हम अपने परिवार अपने बाल बच्चों को करते हैं।हरे पेड़ पौधों को काटना महापाप है।मौके पर उप मुखिया प्रमिला देवी के प्रतिनिधि संतोष गुप्ता, सरपंच जय प्रकाश राय, बीडीसी वीरेंद्र पंडित, स्वच्छता पर्यवेक्षक दिलीप प्रजापति, कनीय अभियंता नवीन गौरव, हैदर अली तथा ओमप्रकाश सिंह उपस्थित रहे।

प्रथम सोमवारी - प्राचीन धर्मनाथ मंदिर में स्काउट गाइड ने की श्रद्धालुओं की सहायता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भारत स्काउट गाइड की ओर से शहर के प्रसिद्ध धनी धर्मनाथ मंदिर में शिविर आयोजित कर सावन माह के प्रथम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा तथा सहायता की गई। जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र प्रसाद सिंह के निर्देश पर स्काउट गाइड को प्रतिनियुक्त किया गया। जिला मुख्य आयुक्त हरेंद्र सिंह ने बताया कि स्काउट मास्टर अमन राज एवं गाइड कैप्टन रितिका सिंह के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट ओपन ट्रूप के 30 स्काउट गाइड ने भाग लिया।हरेंद्र सिंह ने बताया कि भारत स्काउट गाइड की पहचान सेवा और सहायता है उन्होंने कहा कि सावन माह का प्रथम सोमवारी लोक आस्था का महापर्व है। सेवा शिविर का नेतृत्व कर रहे स्काउट मास्टर अमन राज ने बताया कि महाशिवरात्रि के मौके पर भीड़ के दौरान श्रद्धालुओं की कई तरह की परेशानियां होती है इसको ध्यान में रखते हुए स्काउट गाइड की ओर से शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें स्काउट गाइड के स्वयंसेवकों के द्वारा भीड़ नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने और जलाभिषेक करने के बाद मंदिर से बाहर निकालने में अपना योगदान किया।वही गाइड कैप्टन रितिका सिंह ने बताया कि इस दौरान महिलाओं को छेड़खानी और उचको के द्वारा छीनने की घटनाओं से भी बचाया गया तथा परिजनों से बिछड़े बच्चों को मिलाया गया।इस सेवा शिविर में डिस्ट्रिक ओपन ट्रूप के बेसिक स्काउट मास्टर प्रणव,विकास,चंदन ने अपने देखरेख में सभी स्काउट गाइड की ड्यूटी करवाया।सेवा शिविर में मुख्य रूप से डिस्ट्रिक्ट ओपन ट्रूप के स्काउट कृष्णा,अजय,सत्यजीत,शिवम, सोनू, बिपुल,आदर्श, गाइड खुशी,माही, रिया,समीक्षा,रिंकी सहित 30 के संख्या अन्य स्काउट गाइड ने योगदान किया।

डस्टबिन हुआ वितरण

छपरा। रिविलगंज में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत प्रखंड के खैरवार पंचायत में सोमवार को डस्टबिन वितरण किया गया। मैनपुरा गाँव स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्थानीय प्रखंड प्रमुख डॉ राहुल राज, बीडीओ लालबाबु पासवान, खैरवार मुखिया मिक्की सिंह, समाजिक कार्यकर्ता मुन्ना सिंह ने संयुक्त रूप से अटो रिक्शा के चाबी देकर एवं डस्टबिन वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पूर्व मुखिया मिक्की सिंह ने विधिवत नये अटो रिक्शा पुजा-अर्चना कर योजना की सफलता की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित जन मानस, जन प्रतिनिधियों एवं स्वच्छता ग्राहियों को संबोधित करते हैं प्रखंड प्रमुख डॉ राहुल राज ने कहा कि किसी भी योजना को अमलीजामा पहनना सरकारी कर्मियों का कार्य है। सफल हम सब को बनाने में भुमिका है सरकार द्वारा चलायी जा रही लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान योजना जन मानस के लिये बहुत ही उपयोगी है। गाँवों- मुहल्लों के घर- घर से कचरा उठा कर निर्धारित स्थल पर डैंप किया जाएगा। जिससे हम सब सुरक्षित तो रहेगें ही आसपास के वातावरण भी स्वच्छ एवं सुन्दर दिखाई देगा। वही बीडीओ लालबाबु पासवान ने कहा कि सभी स्वच्छताग्राहि अपने जिम्मेदारी को इमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए योजना का सफल बनाने में सहयोग करेंगे। सरकार द्वारा जारी निर्देश को अक्षरशः पालन करते हुए सभी घर-घर से सूखा कचरा एवं गीला कचरा को उठा कर निर्धारित स्थल पर रखेंगे। वही मुखिया मिक्की सिंह ने कहा कि गाँव को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के दिशा में एक प्रयास है। आप सब लोग सहयोग करें पुरे पंचायत को शहर की तरह व्यवस्थित एवं सुरक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत के चैदहों वार्ड में दो-,दो सफाई कर्मी, एक-एक ठेला एवं पंचायत स्तर पर एक सुपरवाइजर एवं एक अटो रिक्शा दिया गया है। मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत हर घर परिवार को पास दो डस्टबिन दिया जाएगा। एक में सुखा तो दुसरे में गीला कचरा रखा जाएगा।

पीरारी में बंद घर से लाखों रुपए के आभूषण समेत नकदी की चोरी

छपरा। दरियापुर के डेरनी थाना क्षेत्र के पिरारी गांव में एक बंद घर से लाखों रुपए के आभूषण समेत नकदी की चोरी का मामला प्रकाश में आया है। जिसको लेकर पुलिस के द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में गृह स्वामी प्रभात रंजन ने बताया की घर में किसी के नही होने के कारण ताला बंद था। जब मैं रविवार की शाम घर पहुंच कर मुख्य द्वार का ताला खोल अंदर गया तो देखा कि सभी कमरों का कुंडी तोड़कर अंदर रखे आलमीरा एवम ट्रंक का ताला तोड़ उसमे रखे लाखों रुपए के आभूषण तथा कुछ नकदी की चोरी कर ली गई थी।पूरे घर का सामान बिखरा हुआ था। घर के सभी कमरों की चोरों ने तलाशी ले ली थी।घटना की सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। हालांकि चोरी गए सामानों का वास्तविक मूल्यांकन घर के अन्य सदस्यों के पहुंचने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सम्पादकीय

विपक्ष को थमा दिया भ्रष्टाचार का मुद्दा

भ्रष्टाचार और करें तो छापा मारे, यह पंक्ति मौजूदा हालात में भाजपा पर काफी सटीक बैठती है। विपक्षी नेताओं पर सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई किसी से छिपी नहीं है। भ्रष्टाचार में संलिप्त कई नेता भाजपा में शामिल हुए और उनसे जुड़े मामलों पर ताला लग गया। विपक्षी पार्टियों की ओर से भी लगातार यह आरोप लगाए जाते रहे हैं कि भाजपा वाशिंग पाउडर की तरह है, उसमें जो भी जाता है उसके सारे दाग धुल जाते हैं। जिन पर घोटाले के कई बड़े आरोप हैं और उसके बावजूद जांच एजेंसियों की ओर से उन्हें क्लीन चिट मिली हुई है। महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार समेत कई नेताओं के शामिल होने के बाद से बवाल मचा हुआ है। भाजपा ने भ्रष्टाचार का आरोप झेल रहे अजित पवार और दूसरे विधायकों को महाराष्ट्र सरकार में शामिल करवा कर पक्षपात करने और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने का मौका विपक्षी दलों को दे दिया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जिन पर कल तक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे थे, उन्हें सरकार में मंत्री बना लिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ दिन पहले ही एनसीपी को नेचुरली करप्ट पार्टी कहा था, अब वही दल महाराष्ट्र की भाजपा सरकार में सत्ता में भागीदारी कर रहा है। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री बनाए अजित पवार को पीएम मोदी ने कॉआपरेटिव घोटाले का आरोपी बताया था। इसका जिक्र मोदी ने भोपाल में दिए गए भाषण में किया था। इसी तरह महाराष्ट्र में भाजपा के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा था कि हमारी सरकार आने पर अजित दादा चक्की पीसिंग एंड पीसिंग। अब वही पवार उपमुख्यमंत्री का पद पाकर फडणवीस के बराबर आ गए। पाला बदल कर आए छगन भुजबल महाराष्ट्र सदन घोटाले में जेल तक जा चुके हैं। इसी तरह हसन मुशरिफ और उनके तीन बेटों पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। मंत्री बनी अदिति तटकरे के पिता के खिलाफ एसीबी ने सिंचाई घोटाले में चार्जशीट फाइल कर रखी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी इकबाल मिर्ची के मुंबई में एक प्लॉट पर बिल्डिंग बनवाई। ऐसे आरोप लगे कि इस बिल्डिंग में प्रफुल्ल पटेल का भी एक फ्लैट है। इस साल फरवरी में बिल्डिंग के चार फ्लोर को अटैच किया था। इसके अलावा एविएशन स्कैम में भी प्रफुल्ल पटेल जांच के दायरे में हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि जो भाजपा का दामन थाम लेता है, उसका दामन पाक साफ हो जाता है। विगत वर्षों में भाजपा में शामिल होने के बाद शुभेन्दु अधिकारी, हिमंत बिस्वा सरमा, मुकुल रॉय, नारायण राणे जैसे कई भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं के दाग धुल गए हैं। इस कवायद पर एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने तंज कसते हुए कहा कि दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने एनसीपी को भ्रष्टाचार के लिए टारगेट किया था, प्रधानमंत्री का शुक्रिया कि उनके सरकार में शामिल होने से वे सभी आरोपों से मुक्त हो गए हैं। 2014 के बाद से नरेंद्र मोदी सरकार लगातार विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है। छापेमारी और समन खासकर तब तेज हो जाते हैं जब चुनाव नजदीक हो। लेकिन यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई नहीं है क्योंकि अगर यह लड़ाई होती तो यह भ्रष्टाचार के आरोपी भाजपा नेताओं को नहीं बख्शती। इस भ्रष्टाचार-विरोधी एजेंडे की चयनात्मक प्रकृति इसे एक जादू-टोना बना देती है। यह जादू-टोना मोदी सरकार द्वारा विवादास्पद राफेल सौदे की जांच कराने से इनकार करने, या जिस तरीके से उसने पांच साल के लिए लोकपाल नियुक्त करने में अपने पैर खींच लिए थे, उसके बिल्कुल विपरीत है। बीजेपी आती है, तो भ्रष्टाचार भागता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी के बाद भ्रष्टाचार फिर से राजनीति के केंद्र में आ गया है। आजादी के बाद से ही भारत में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा है और सभी पार्टियां इसे खत्म करने का दावा करती रही हैं। बीजेपी भी इससे अछूती नहीं है। पिछले दिनों सीबीआई और ईडी की कार्रवाई के खिलाफ 14 दलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया तो खुद प्रधानमंत्री मोदी इसके बचाव में उतर आए। हालांकि कोर्ट से विपक्षी दलों को निराशा हाथ लगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त नेता एक साथ एक मंच पर आ रहे हैं। कुछ दलों ने भ्रष्टाचारी बचाओ आंदोलन छेड़ा हुआ है, लेकिन एक्शन नहीं रुकेगा। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद विपक्ष ने भी इस बार जोरदार पलटवार कर दिया। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मंच पर वाशिंग मशीन लगाकर बीजेपी पर तंज कसा। ममता ने कहा कि बीजेपी वाशिंग मशीन है और दागियों को धुलकर सफेद कर देती है। ममता ने इसका लाइव डेमो भी दिखाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भी ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। खडगे ने कहा कि विपक्ष के 95 फीसदी नेताओं पर ईडी और सीबीआई का केस दर्ज हुआ है, लेकिन जो नेता बीजेपी में शामिल हो जाते हैं उसका दाग धुल कर साफ कर दिया जाता है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे कहते हैं कि बीजेपी में आकर भ्रष्टाचार करो। गौरतलब है कि ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग को लेकर विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था। पीएम मोदी को लिखे पत्र में विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार विपक्ष के खिलाफ ईडी और.सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है, साथ ही बीजेपी नेताओं के खिलाफ जांच धीमी गति से चलती है। चिट्ठी में ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग की निंदा की गई। विपक्ष ने केंद्रीय एजेंसियों की खराब होती छवि पर गहरी चिंता व्यक्त की। चाल, चरित्र और चेहरे के बदलाव का दावा करने वाली भाजपा ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार के आरोपी एनसीपी के विधायकों को सरकार में शामिल करा कर कथनी और करनी के अंतर को मिटा दिया है। अब सवाल यही उठता है कि भाजपा किस मुंह से विपक्ष पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप लगाते हुए देश के लोगों को आगाह कर पाएगी।

सरकार-हरण का दशाननी वाम-तंत्र

पंकज शर्मा

भारतीय मानस की तासीर दगाबाजों से घृणा करने की है। इसलिए भाजपा के लारे-लप्पों में आ कर या अपने-अपने गिरेबाओं के घनघोर मैलेपन से डर कर जो पवार के कटप्पा बने हैं, उन की सियासी उम्र लोग लंबी नहीं रहने देंगे। आप सोचिए कि अगर किसी दिन अमित भाई शाह अपने निमार्ता नरेंद्र भाई मोदी को छोड़ कर चले जाएं तो भारतीय जनमानस में उस की कैसी प्रतिक्रिया होगी? प्रफुल्ल पटेल के पलटूपन ने उसी तरह की वितृष्णा का भाव लोगों के मन में पैदा किया है। अगर भारतीय जनता पार्टी को लग रहा है कि शरद पवार को इस हाल में ले आने से उसे राजनीतिक फायदा होगा तो वह मुगालते में है। उसे कुल मिला कर बड़ा नुकसान होगा। खुद एकनाथ शिंदे भीतर से सहम गए होंगे कि उन के बहुत-से हमजोली उद्धव ठाकरे की तरफ देखने लगेंगे। अजित पवार दलबदल कानून से बचने लायक विधायक इकट्ठे नहीं कर पाए हैं, इसलिए उन के साथ गए विधायकों में से भी ज्यादातर अभी से पसोपेश में पड़ने लगे हैं। यूं भी जैसे शिंदे के जाने के बाद भी शिवसेना का मूल-संगठन उद्धव के ही साथ रहा, उसी तरह अजित के जाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का बुनियादी ढांचा पवार के ही साथ है।

विधानसभाई-अंकगणित में पवार अभी कमजोर जरूर पड़े हैं, मगर सियासी बीजगणित में वे अजित से कई गुना मजबूत हो कर उभरे हैं। अजित और उनके साथ गए लोग भले ही 45 बरस पहले पवार के किए-धरे की कितनी ही याद दिलाएं, महाराष्ट्र तो महाराष्ट्र, बाकी देश में भी पवार को अपनो से ही मिले धोखे को किसी ने पसंद नहीं किया है। भारतीय मानस की तासीर दगाबाजों से घृणा करने की है। इसलिए भाजपा के लारे-लप्पों में आ कर या अपने-अपने गिरेबाओं के घनघोर मैलेपन से डर कर जो पवार के कटप्पा बने हैं, उन की सियासी उम्र लोग लंबी नहीं रहने देंगे।

आप सोचिए कि अगर किसी दिन अमित भाई शाह अपने निमार्ता नरेंद्र भाई मोदी को छोड़ कर चले जाएं तो भारतीय जनमानस में उस की कैसी प्रतिक्रिया होगी? प्रफुल्ल पटेल के पलटूपन ने उसी तरह की वितृष्णा का भाव लोगों के मन में पैदा किया है। अजित की नीयत तो पहले भी कई बार सामने आ चुकी थी, सो, उन के जाने से लोगों को उतनी हैरत नहीं हुई, लेकिन प्रफुल्ल के ब्रूटसपन ने सभी को धक्क कर दिया है। इसलिए लिख कर रख लीजिए कि प्रफुल्ल केंद्र में कितने ही बड़े मंत्री बन जाएं, अब वे लोकसभा का चुनाव कभी नहीं जीत पाएंगे।

अजित के साथ गए विधायक भी लोगों के मन से इस कदर उतर गए हैं कि वे जिस दिन चुनाव-मैदान में उतरेंगे, लस्तमपस्त पड़े मिलेंगे। यही हाल शिंदे के साथ गए शिवसेना के विधायकों का होगा। अगले साल की विजयादशमी के आसपास जब महाराष्ट्र की विधानसभा के चुनाव होंगे, आप सियासी हताहतों की संख्या देख कर अपनी उंगलियां दांतों तले दबा रहे होंगे। आज अपनी तिकड़मों की सफलता पर इतरा रहे देवेंद्र फडनवीस के घर की मुंडेरों पर अगली दीवाली के कितने दीए सजते हैं देखते रहिए। यही हाल इस बरस की दीवाली के आसपास होने वाले मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया और उन के साथ कांग्रेस छोड़ कर गए विधायकों का होना है।

मजबूत खाद्य सुरक्षा का नया परिदृश्य

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है। इस सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। ऐसे में निश्चित रूप से इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 31 मई को भारत सरकार के द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की जोरदार सराहना की जा रही है।

डा. जयंतीलाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

इन दिनों खाद्यान्न संकट की चुनौतियों से संबंधित विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों और वैश्विक सम्मेलन में भारत को मजबूत खाद्य सुरक्षा वाले देश के साथ-साथ खाद्यान्न संकट का सामना करने वाले देशों के लिए आदर्श मददगार के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है। इस सम्मेलन में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है। ऐसे में निश्चित रूप से इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 31 मई को भारत सरकार के द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की जोरदार सराहना की जा रही है।

भारत में जहां कोरोना काल में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया, वहीं इस वर्ष जनवरी 2023 से वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2023 में वर्षभर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की यह पहल दुनिया भर में रेखांकित की जा रही है। निःसंदेह एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, तब भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के मुताबिक पिछले साल 2022 में भारत ने गेहूं की भारी कमी झेल रहे दुनिया के 18 देशों को गेहूं भेजा है। भारत आज दुनिया में जहां चीन गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, वहीं भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, रूस तीसरे नंबर पर है। भारत दुनिया का 9वां सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक देश भी है। देश में लगातार बढ़ता हुआ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर रहा है, साथ ही इसी आधार पर भारत से दुनिया की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। कृषि वर्ष 2022-23 में चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन होने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 60.71 लाख टन अधिक है। देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 50.01 लाख टन अधिक है। न्यूट्री/मोटे अनाज का उत्पादन 547.48 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के उत्पादन से 36.47 लाख टन अधिक है।

2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 275.04 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के 273.02 लाख टन के उत्पादन से 2.02 लाख टन अधिक है। साथ ही इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 जिस तरह उत्साहवर्द्धक रूप से आगे बढ़ रहा है तथा उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास हो रहे हैं, अधिक धन आबंटन तथा विशेष कार्ययोजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन छलांगे लगाकर बढ़ेगा और इन सबके कारण अधिक खाद्य सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा। गौरतलब है कि नई खाद्यान्न भंडार क्षमता योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपए के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है। यद्यपि भारत दुनिया का प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देश है, लेकिन खाद्यान्न भंडारण में बहुत पीछे है। अनाज के अन्य बड़े उत्पादक देशों चीन, अमेरिका, ब्राजील, यूक्रेन, रूस और अर्जेन्टीना के पास खाद्यान्न भंडारण क्षमता वार्षिक उत्पादन की मात्रा से कहीं अधिक है। ऐसे में देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रत्येक प्रखंड में 2000 टन क्षमता का गोदाम स्थापित किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की अहम भूमिका होगी। देश में अभी करीब एक लाख पैक्स हैं।

पैक्स के स्तर पर भंडार गृह, प्रसंस्करण इकाई आदि कृषि व्यवस्थाएं निर्मित करके पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया जाएगा और खाद्यान्न भंडारण में विविधता लाई जा सकेगी। ऐसे में अब खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने में नई भंडारण क्षमता की भूमिका महत्त्वपूर्ण है, वहीं खाद्य सुरक्षा के लिए जिन कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा, उनमें पोषण, सतत कृषि उत्पादन के लिए जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियां, कृषि प्रणाली मॉडल पर केंद्रित जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण, हरित तथा जलवायु अनुकूल कृषि के लिए वित्तपोषण, छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए अवसंरचना को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए अधिक निवेश, समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएं, कृषि बदलाव हेतु डिजिटलीकरण, कृषि-खाद्य क्षेत्र को बदलने के लिए नई उभरती डिजिटल तकनीकों का लाभ आदि। हम उम्मीद करें कि भारत में सरकार के द्वारा सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता के निर्माण से जहां भारत में खाद्यान्न की बबार्दी कम होगी और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी बड़ा मददगार होगा।

भारत की वैश्विक आतंकवाद पर करारी चोट !

हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वर्चुअल(आभासी) बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एससीओ को आतंकवाद से लड़ने के लिए साथ आना चाहिए। उन्होंने यह भी बात कही है कि ऐसे देशों की भी निंदा करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद व आतंकियों का समर्थन करते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में भारत ने 4 जुलाई 2023 यानी कि मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट्स (सीएचएस) की 23 वीं बैठक की मेजबानी करते हुए भारत ने सीमा पार आतंकवाद से लड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया जो कि हमारे पड़ोसी व आतंकवाद का घर कहलाने वाले पाकिस्तान को एक कड़ा संदेश था। वास्तव में भारत द्वारा यह पाकिस्तान समेत वैश्विक आतंकवाद पर करारी चोट है। वास्तव में आज विश्व के सभी देश यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद व आतंकियों की असली पनाहगाह है और चीन पाकिस्तान को सपोर्ट करता है।

सुनील कुमार महला
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

आतंकवाद आज संपूर्ण विश्व के लिए नासूर बन चुका है और आज विश्व के अनेक देश आतंकवाद से पीड़ित हैं। हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वर्चुअल(आभासी) बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एससीओ को आतंकवाद से लड़ने के लिए साथ आना चाहिए। उन्होंने यह भी बात कही है कि ऐसे देशों की भी निंदा करने से नहीं हिचकना चाहिए जो आतंकवाद व आतंकियों का समर्थन करते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में भारत ने 4 जुलाई 2023 यानी कि मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट्स (सीएचएस) की 23 वीं बैठक की मेजबानी करते हुए भारत ने सीमा पार आतंकवाद से लड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया जो कि हमारे पड़ोसी व आतंकवाद का घर कहलाने वाले पाकिस्तान को एक कड़ा संदेश था। वास्तव में भारत द्वारा यह पाकिस्तान समेत वैश्विक आतंकवाद पर करारी चोट है। वास्तव में आज विश्व के सभी देश यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद व आतंकियों की असली पनाहगाह है और चीन पाकिस्तान को सपोर्ट करता है।

सच तो यह है कि चीन पाकिस्तान का सरपरस्त है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि इस आभासी या यूं कहें कि वर्चुअल बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वास्तव में, यह एससीओ सम्मेलन उस वक्त आयोजित किया जा रहा है जब भारत के इसके दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के साथ रिश्ते तनावपूर्ण चल रहे हैं। वहीं, रूस अपनी वैगनर के अल्पकालिक विद्रोह से उभरने की कोशिश कर रहा है। पाठकों को बताता चलूं कि वैगनआर रूस की निजी सेना है। यहां पाठकों को यह भी जानना जरूरी है कि वास्तव में एससीओ है क्या ? तो इसके बारे में जानकारी देना चाहूंगा कि एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) की स्थापना रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा वर्ष 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन के दौरान की गई थी और भारत को वर्ष 2005 में एससीओ का पर्यवेक्षक बनाया गया था। वर्ष 2017 में अस्ताना शिखर सम्मेलन में भारत एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) का पूर्ण सदस्य देश बन गया। भारत के साथ पाकिस्तान भी 2017 में इसका स्थायी सदस्य बना। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने पिछले साल सितंबर में उज्बेकिस्तान के समरकंद शिखर सम्मेलन में एससीओ की अध्यक्षता ग्रहण की थी। आज एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है और पिछले कुछ वर्षों में यह सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है। कहना गलत नहीं होगा कि शंघाई सहयोग संगठन, पिछले दो दशकों में सम्पूर्ण एशिया क्षेत्र में शांति, खुशहाली तथा विकास के लिए महत्व पूर्ण मंच के रूप में उभरा है। इतना ही नहीं शंघाई सहयोग संगठन के जितने भी देश हैं, उनमें दुनिया की लगभग चालीस प्रतिशत आबादी निवास करती है और दुनिया के व्यापार का लगभग एक चौथाई व्यापार इन्हीं देशों के बीच किया जाता है। देखा जाए तो शंघाई सहयोग संगठन के सभी देश मिलकर न केवल व्यापार के क्षेत्र में बल्कि अन्य वैश्विक मुद्दों पर भी मिलकर काम कर सकते हैं और पश्चिमी देशों को अर्थव्यवस्था के मामले में टक्कर दे सकते हैं लेकिन चीन और पाकिस्तान का रवैया कुछ अलग थलग सा ही नजर आता है। वास्तव में चीन एक ऐसा देश है जिसकी नीति सदा सदा से विस्तारवादी रही है और इसी नीति के तहत वह पाकिस्तान को अपना मोहरा बनाए हुए है। यहां पाठकों को बता दूं कि चीन की दूसरे देशों के क्षेत्र पर कब्जा जमाने की नीति को विस्तारवादी नीति कहा जाता है। चीन दूसरे देशों को कर्ज उपलब्ध कराता है और बाद में कर्ज न चुकाने की एवज में दूसरे देशों की जमीन और उनके संसाधनों पर अपना कब्जा जमाता है। चीन कभी नहीं चाहता है कि कोई भी देश उसकी तुलना में किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़े। वह भारत को बात बात पर आंख दिखाता रहा है और हिंदी चीनी भाई भाई का राग भी समय समय पर अलापता रहा है। सच तो यह है कि चीन की नीति दोगली है और वह अपने हितों को साधने के लिए पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष प्रत्यक्ष रूप से कहीं न कहीं सपोर्ट करता है और पाकिस्तान को अपना मोहरा भी बनाता है। यहां तक कि चीन तो संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय आतंकियों को सपोर्ट तक करता रहा है।

बहरहाल, यह अत्यंत काबिलेतारिफ है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के लिए वित्तीयय संसाधनों की उपलब्धलता की समस्याक से निपटने में भी आपसी सहयोग की जरूरत पर बल दिया है। आतंकवाद को क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बडा खतरा बताते हुए उन्हों ने कहा है कि इस चुनौती से निपटने के लिए वर्तमान में निर्णायक कार्रवाई की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन के देशों को आतंकवाद से मिलकर लड़ना होगा।उन्होंने यह भी कहा कि अफगानिस्ताहन की जमीन का उपयोग पडोसी देशों में अस्थिरता फैलाने या कट्टरपंथी विचारधाराओं को प्रोत्सायहन देने के लिए नहीं होने देना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री ने कहा है कि संघर्ष, तनाव और वैश्विक महामारी से घिरे विश्व में खाद्य, ईंधन तथा उर्वरक संकट से निपटना सभी देशों के लिए महत्वकपूर्ण चुनौती है। उन्हों ने इस पर मिलकर विचार करने को कहा कि क्यार एससीओ, संगठन के रूप में लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने में समर्थ है ? बहरहाल, आज आतंकवाद से न केवल भारत, पाकिस्तान जैसे देश प्रभावित हैं बल्कि अफगानिस्तान और रूस जैसे देश भी प्रभावित हैं। आतंकवाद न केवल विश्व शांति के लिए एक बड़ा खतरा है बल्कि यह विकास के लिए भी एक बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शंघाई सहयोग संगठन के मंच से दुनिया को आतंकवाद के विरुद्ध सामूहिक लड़ाई लड़ने का संदेश यह दशार्ता है कि भारत किसी भी हाल और परिस्थितियों में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। वास्तव में, आतंकवाद और आतंकियों का खात्मा करके ही कोई भी राष्ट्र प्रगति,उन्नयन, शांति, सौहार्द, आपसी भाईचारे और विकास की कल्पना को साकार कर सकता है।

दशमत का मान बढ़ाकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया बड़ा संदेश

दीपाली शुक्ला

ऐसा माना जाता है कि सत्ता व्यक्ति को दंभी बनाती है। कुर्सी पर बैठा व्यक्ति अपने आप को खुदा समझने लगता है। अहंकार का स्तर इतना अधिक होता है कि संवेदनाएं उसे छू नहीं पातीं। जनता के मर्म से परे, वह सत्ता के मद में चूर रहता है। परंतु मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने आचार-व्यवहार से बार-बार इस सोच को गलत साबित किया है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में अपना चौथा कार्यकाल पूरा करने जा रहे शिवराज सिंह चौहान के आस-पास भी अहंकार फटकता नहीं है, आज भी संवेदनशीलता, विनम्रता, कृतज्ञता एवं सरलता ही उनके संगी-साथी हैं। सीधी जिले के शर्मनाक कृत्य के बाद मुख्यमंत्री ने जिस तरह अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं, उनमें गहरा संदेश छिपा है। मनुष्य का आत्मसम्मान सर्वोपरि है। प्रत्येक व्यक्ति को उसे वह सम्मान देना ही होगा, मनुष्य होने के नाते जिसका वह अधिकारी है। सामर्थ्यशाली व्यक्ति का पुरुषार्थ कमजोर और असहाय व्यक्ति का शोषण करने में नहीं है अपितु उसकी जिम्मेदारी है कि वह पीड़ित व्यक्ति का हाथ पकड़कर, साथ बैठकर सुख-दुःख की बात करके और आत्मीयता से गले लगाकर उसका साहस बने। शिवराज सिंह चौहान यही कर रहे हैं। एक मुखिया को कैसा होना चाहिए, अनुसूचित जनजाति समुदाय के बंधु दशमत को हृदय से लगाकर, उन्होंने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। पीड़ित के दुःख को बाँटने के साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी संदेश दिया है कि अपराधी कोई भी हो, मानवता को शर्मसार करने के बाद वह बच नहीं सकता। अपने किए की सजा उसे भोगनी ही पड़ेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से असहमति रखनेवाले और उनके राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी यह कह रहे होंगे कि पहले भाजपा का कार्यकर्ता किसी व्यक्ति पर पेशाब करे और फिर मुख्यमंत्री उसके पैर धोयें, यह प्रायश्चित्त नहीं बल्कि सरकार की बदनामी को ढंकने के लिए की गई नौटंकी है। निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव न होते, तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान यह सब नहीं कर रहे होते। कहने को कुछ भी कहा जा सकता है, किसी को कोई रोक नहीं सकता। लेकिन क्या कहनेवाले यह बता सकते हैं कि इससे पहले अमानवीय अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए उन्होंने किसी और मुख्यमंत्री को देखा है? उत्तर है- नहीं। जिस व्यक्ति का मान-मर्दन किया गया हो, समाज में उसके सम्मान को रेखांकित और सुनिश्चित करने के लिए किस-किस मुख्यमंत्री ने कब-कब पीड़ित के चरण धोये हैं? इसके लिए सत्ता का दंभ, श्रेष्ठ और विशिष्ट होने का अहंकार छोड़ना पड़ता है। अंगुलियां उठानेवाले खेमे में कौन है, जो संवेदनशीलता एवं विनम्रता में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पासंग भी ठहरता हो? प्रदेश के मुखिया की जिम्मेदारी संभालने के पहले ही दिन से उन्होंने मनुष्यता का सम्मान सुनिश्चित किया है। गरीबों, वंचितों एवं वयोवृद्धों के मान-सम्मान को बढ़ाते हुए शिवराज सिंह चौहान हजारों तस्वीरों में मिल जाएंगे। उन्हें नजदीक से जिसने भी देखा है, ऐसा ही सहज-सरल पाया है। किसी के पैर धोकर शिवराज अपनी विनम्रता पहली बार प्रकट नहीं कर रहे हैं। अपने जन्मदिन पर वे सफाईकर्मियों के पैर धोकर उनका सम्मान कर चुके हैं। कन्यापूजन के दौरान वे विभिन्न जाति-बिरादरी की कन्याओं के पैर प्रतिवर्ष पखारते हैं। यह सब वे वोटों की राजनीति के लिए भी नहीं करते हैं। याद हो कि 19 जुलाई 2019 को झारखं

संक्षिप्त खबरें

साइबर थाने ने बंद कराया 7फर्जी फेसबुक एकाउंट

मुजफ्फरपुर। जिले में साइवर थाना खुले कल एक महीना हो गया। गत 9 जून को आईजी पंकज सिन्हा ने शहर के गओलआरओड स्थित पुराने महिला थाना भवन में साइवर थाना का उद्घाटन किया था। एसएसपी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार,इस एक महीने के दौरान साइवर थाना दो प्राथमिकी दर्ज की गई । साइवर ब्रांड द्वारा ठगी से उड़ाए गए 9 लाख 10हजार 5सौ40रुपये 20पैसे को होल्ड कराया गया।63हजार 573रुपये खाताधारकों को वापस कराए गए तथा 7 फर्जी फेसबुक एकाउंट को बंद कराया गया है।फिलहाल इस थाने को अपग्रेड किया जा रहा है।

महिला ने गोतनी को पिटा,भर्ती

झाझा-मामूली बात को लेकर बैजलपुरा गांव में दो गोतनी के बीच विवाद हुई और जमकर मारपीट होने लगी।जिसमे एक महिला घायल हो गयी।घायल अवस्था में स्वजनों के सहयोग से इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक के द्वारा महिला का उपचार किया गया। घायल महिला की पहचान रूबी देवी के रूप में की गई है।महिला ने बताया कि मेरी पत्नी का बच्चा रास्ते में मल मूत्र कर दिया जिसको बोलने के लिए अपनी गोतनी के पास गई तो मेरी गोतनी ने उलटे मुझपर गाली गलौज करते हुए मारपीट किया जिससे मैं घायल हो गयी।

भाभी ने अपने ही देवर को कुदाल से मारकर किया घायल

झाझा-भाभी ने अपने ही देवर को कुदाल से मारपीट कर घायल कर दिए जाने का मामला रेफरल अस्पताल पहुँचा।जहा चिकित्सक के दौरा इलाज किया गया।मामला झाझा थानां क्षेत्र के गोविंदपुर गांव का है।घायल की पहचान जीवन यादव के रूप में की गयी है।घायल युवक ने बताया की हम दोनों भाई के बीच बटवारा मेरे पिताजी के दौरा किया गया है।और में अपने हिस्से के जमीन पर मकई लगाए हुए हैं।सोमबार को मेरा भाई अपनी पत्नी को मेरा ही जमीन पर मिट्टी काटने के लिए कहा और मेरी भाभी मेरी जमीन पर कुदाल से मिट्टी काटने लगी।जमीन से मिट्टी काटते जब मैने देखा तो इसका विरोध किया ।तो मेरी भाभी मेरे ऊपर कुदाल से प्रहार कर दी।

गंदा पानी बहाने का विरोध करने पर मारपीट 3 घायल

झाझा-परती जमीन पर घर का गंदा पानी बहाने का विरोध करने पर एक दम्पति ओर उसकी बेटी साथ गांव के ही कुछ लोगो ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया जिसमें तीनों लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।मामला झाझा थाना क्षेत्र के पैरगाहा पंचायत अंतर्गत भीखा गांव की है। घायल तीनों लोगों को स्वजन के दौरा इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक के द्वारा तीनों घायलों का इलाज किया गया। घायल की पहचान फुल कुमारी देवी उसका पति चैबा यादव तथा उसकी पुत्री अंजू कुमारी के रूप में की गई है। मामले को लेकर पीड़िता ने थाना में आवेदन भी दिया है।दिए गए आवेदन में उन्होंने बताया है कि गांव के ही टेको यादव जयराम यादव सुनीता देवी मुनिया देवी मेरे खेत में घर का गंदा पानी बहा रहा था। जिसका विरोध किया तो वे लोग मेरे साथ मारपीट करने लगे जब हो हल्ला किया तो वे लोग भाग निकले।

पत्रकारों को दिलाई गयी स्वच्छता की शपथ

बेगूसराय। स्वच्छता पखवाड़ा -2023 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में टाउनशिप स्थित बरौनी तेलशोधक मजदूर यूनियन के कार्यालय सूरज भवन में जिले के पत्रकारों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गयी। बरौनी तेलशोधक मजदूर यूनियन के अतिरिक्त महासचिव संजीव कुमार ने उपस्थित पत्रकारों को शपथ दिलाई तथा स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित किया। बीटीएमयू के कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश रंजन ने बताया कि बरौनी तेलशोधक मजदूर यूनियन श्रमिकों के संघर्ष से लेकर सामाजिक चेतना का भी कार्य करती है। इस समारोह में बीटीएमयू के उपमहासचिव साइमन मूर्मू, संगठन मंत्री भोगेंद्र कुमार कमल, उपाध्यक्ष राम प्रमोद कुमार राय, रंजन कुमार सिंह, सहदेव साह, बालमुकुन्द, सचिव वागीश आनंद, संजीत कुमार समेत यूनियन के काफी पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैंक लूटने आए 5 अपराधियों गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के पारू थाना अंतर्गत लालू छपरा बाजार स्थित स्टेट बैंक में लूट की घटना को अंजाम देने आए 5 अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।उसके पास से दो मोटर साइकिल और हथियार बरामद किए गए हैं।यह जानकारी से एसएसपी राकेश कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तीन मोटरसाइकिल पर सवार कई अपराधकमी हथियार गोली से लैस होकर लालू छपरा बाजार स्थित स्टेट बैंक की ओर जाते हुए देखे गए हैं। ये अपराधकर्मी बैंक में लूट की घटना को अंजाम देने वाले हैं।इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु कुमार चंदन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरैया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम त्वरित कार्रवाई करने हेतु जब लालूछपरा बजार स्थित स्टेट बैंक के समीप पहुची तो देखा कि स्टेट बैंक के बाहर सड़क किनारे पान गुमटी के पास तीन मोटरसाईकिल पर कुल आठ अपराधी खड़े थे। उनकी नजर जैसे ही पुलिस वाहन पर पड़ी तो सभी अपराधकर्मी भागने लगे। टीम द्वारा अपराधकर्मियों का पीछा कर पाँच अपराधकर्मियों को अवैध आग्नेयास्त्र,कारतूस, 2 मोटरसाईकिल एवं मोबाइल के साथ पकड़ा गया। तीन अपराधी भाग चले ,जिनकी पहचान कर ली गयी है। गिरफ्तार अपराधकर्मियों से पुलिस टीम द्वारा पूछताछ की गई तो सभी के द्वारा स्वीकार किया गया कि वे स्टेट बैंक को लूटने की फिराक में थे।भागे हुए अन्य तीन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधकर्मी अमन कुमार ,राजन राउत ,जितु कुमार ,दिनकर कुमार ग्राम मनिकपुर, थाना सरैया एवं दीपक कुमार ग्राम लालू छपरा, थाना पारू का निवासी बताया जा रहा है। इनके पास से तीन लोडेड देशी कट्टा ,6जिंदा कारतूस, मोबाईल, बुलेट एवं अपाचे मोटरसाइकिल बरामद किया गया है।

शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा मिले : मुखिया रूपम कुमारी

- समर्थन पत्र मांग के साथ मुखिया रूपम कुमारी शिक्षकगण और कर्मिगण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी मुखिया महासंघ मधुबनी के जिलाध्यक्ष सह दुल्लीपट्टी पंचायत के मुखिया रुपम कुमारी ने पंचायती राज एवं नगर निकाय संस्थाओं के द्वारा नियुक्त सभी कोटी ,ग्रेड के शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्षों को बिना शर्त राज्यकर्मी का दर्जा देकर समानता, एकरूपता से शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार और अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए सभी न्यायोचित मांग का समर्थन मुखिया महासंघ मधुबनी की ओर से और व्यक्तिगत तौर पर किया है। यह समर्थन के पत्र शिक्षक संघ के प्रमंडल उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार के नेतृत्व में सभी कोटी के शिक्षक, जिला कार्यकारिणी मदन मोहन कुमार, प्रखण्ड अध्यक्ष सतीश कुमार यादव, राज्य पार्षद अमीर कुमार, जिला पार्षद विशम्भर प्रसाद यादव और हरीशचंद्र सिंह, शिक्षक विनय कुमार यादवेन्द्र को मुखिया महासंघ मधुबनी के जिलाध्यक्ष रुपम कुमारी ने प्रदान की।समाजसेवी विरेन्द्र यादव और मुखिया महासंघ मधुबनी के जिलाध्यक्ष रुपम कुमारी से समर्थन मांगने पहुंचने पर समर्थन प्रदान करने के निर्णय के बाद पत्र प्रदान करने पर शिक्षक में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक के साथ प्रशासनिक तौर पर एकरूपता और समानता से बल मिलने के कारण समर्थन प्रदान करने कि बात कही। जयनगर प्रखण्ड प्रमुख पुनम देवी भी शिक्षकों के मांग को समर्थन पत्र प्रदान किया।

सावन की पहली सोमवारी को लेकर सैकड़ो शिव भक्त जुटे

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में सोमवार को सावन की पहली सोमवारी को लेकर सैकड़ो शिव भक्त श्रद्धालुओं द्वारा अहले सुबह सूक्की साईफन कमला घाट चतरा घाट चंद्रडीह घाट एव कंहौली तुरकाहा घाट कमला नदी में स्नान कर पवित्र जल बोझकर हथियाही गांव स्थित बाबा उदय नाथ महादेब मंदिर महेश्वर नाथ महादेब मंदिर महेशवारा महराजपुर चौक स्थित शिव मंदिर वैरवाना कंहौली स्थित महादेव मंदिर सहित अन्य शिवलयों में जला अभिषेक किया गया. वही सुवह से ही शिव भक्त द्वारा बोलबम की नारे लगाते हुए कांवर लेकर महिला पुरुष वच्चो युवती शिव मंदिर में पहुँच कर जला अभिषेक कर अपना अपना मन्नते मांगे. पहली सोमवारी को स्थानीय पुलिस प्रशासन एव बीडीओ सीओ द्वारा कांवरियों की सहायता के लिए सूक्की साईफन कमला घाट पर डियूटी पर तैनात थे. वही थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान,बीडीओ मनीष कुमार सीओ मनीष कुमार ने बताया कि कमला नदी घाट पर शिव भक्त कांवरिया को गहरी नदी की पानी मे स्नान को लेकर बॉस बल्ला लगाकर लाल कपड़े की निशान लगाया गया था. वही सीएचसी खजौली प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतिन्द्र नारायण द्वारा गठित मेडिकल टीम को कमला नदी घाटों शिव भक्त को प्राथमिक उपचार के लिए डियूटी पर लगाया गया था. थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने बताया कि सावन की पहली सोमवारी में शांतिपूर्ण ढंग से सभी शिवलयों में श्रद्धालु भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया गया।

सावन की पहली सोमवारी को लेकर कांवरियों की उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी रहिका प्रखंड क्षेत्र के मिथिला के प्रसिद्ध देवघर कपिलेश्वर स्थान में सावन की पहली सोमवारी को लेकर कांवरिया भक्तों के जलाभिषेक को लेकर भीड़ देखने को मिला।बताते चलें कि रविवार को देर शाम कांवरिया भक्तों ने जयनगर कमला से जल भर कर बाबा कपिलेश्वर स्थान में जलाभिषेक किया गया। प्रशासन की ओर से पूरे मंदिर परिसर में मुस्तैद नजर आए वही साथ ही दरभंगा जयनगर मुख्य मार्ग में बैरिकेटिग का भी व्यवस्था किया गया है ताकि कांवरिया बंधुओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना ना करना पड़े,वही मंदिर परिसर में कतार ब्धय लाइन लगाकर प्रवेश करने की व्यवस्था की गई है ताकि किसी प्रकार का कोई भगदड़ ना हो वही मधुबनी प्रशासन कि ओर से पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति किया गया।रहिका थाना अध्यक्ष राजकिशोर कुमार ने बताया कि 12 पुलिस पदाधिकारी के साथ चौकीदार सहित 36 महिला पुरुष पुलिस बल मौजूद थे सभी पुलिस बल के द्वारा असामाजिक तत्वों पर भी पैनी नजर रखी गई है।साथ पूरे मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरा का भी इंतजाम किया गया है मेला कमेटी के द्वारा बताया गया कि मंदिर में कावड़िया की काफी भीड़ देखने को मिल रहा है और कतार वध्य सभी कांवरियों को मंदिर में प्रवेश करने की पुख्ता व्यवस्था की गई थी।

अम्बेडकर परिचर्चा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढनी विधानसभा अंतर्गत जम्हरुआ एवं अमरख पंचायत में आज राष्ट्रीय जनता दल के तत्वाधान में अंबेडकर परिचर्चा एवम् प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवम् पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद ताज ने किया। संचालन युवा राजद पंचायत अध्यक्ष अमरेन्द्र यादव ने किया। वहीं अमरख में कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद पंचायत अध्यक्ष विजय राम ने किया। संचालन राजद नेता शाहिद हुसैन ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सभी वक्ताओं ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जीवनी एवं उनके विचारों पर के प्रकाश डाला।मौके पर वक्ता के रूप में उपस्थित प्रखण्ड अध्यक्ष मो. खुर्शीद आलम ने कहा, बाबा साहब के धर्मनिरपेक्ष संविधान की बदौलत ही आज पूरे देश में अमन चैन और आजादी हैं। ,वहीं युवा राजद प्रखंड अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि बाबा साहब हमारे आदर्श थे और हम सबको भी उनके आदर्श पर चलने की जरूरत है। मौके पर प्रदेश सचिव बबलू कुशवाहा, प्रखंड प्रधान महासचिव शंकर कुशवाहा,राजद नेता सह मुखिया अनीश सिंह, राजद नेता सह पूर्व मुखिया कपिल देव राम,जमहरुआ पंचायत के मुखिया अजय निराला,उदय कुमार,गीता देवी,मोहम्मद जुबैर, मो. समसुल सहित सैकड़ों राष्ट्रीय जनता दल के नेता कार्यकर्ता एवं आम आवाम महिला पुरुष एवम् नौजवान सहित बच्चे भी उपस्थित थे।

बीहट की बेटी ने 40वीं राष्ट्रीय जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। शिमोगा (कर्नाटक) में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 07 से 09 जुलाई तक तीन दिवसीय 40वां राष्ट्रीय जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन किया गया था। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव सह प्रशिक्षक नंदु कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में संघ के तत्वाधान में संचालित बीहट ताइक्वांडो एकेडमी की प्रशिक्षु बीहट गुरुदासपुर टोला निवासी रूबी देवी व सुरेश भगत की पुत्री सुमन कुमारी अंडर झ44 किग्रा भार वर्ग में बिहार टीम का प्रतिनिधित्व कर रही थी। सुमन कुमारी ने इस प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बदौलत ओडिशा, गोवा, पुडुचेरी तथा मध्य प्रदेश जैसे सशक्त राज्यों के खिलाड़ियों को पराजित करते हुए रजत पदक प्राप्त बेगूसराय

का नाम रौशन किया। ज्ञात हो की सुमन अपने 4 साल के खेल कैरियर में लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई। पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अनुभव की कमी के कारण खाली हाथ लौटना पड़ा, परंतु अपने दूसरे ही प्रयास में बिहार को पदक दिलाने में सफलता प्राप्त की। इसके इस उपलब्धि पर जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष सह बीटीएमयू कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश रंजन, बीटीएमयू अतिरिक्त महासचिव संजीव कुमार, बीटीएमयू के वरीय उपाध्यक्ष संजय प्रसाद सिंह, उपाध्यक्ष राम प्रमोद कुमार राय, कल्याण केन्द्र सचिव भोगेन्द्र कुमार कमल, उपाध्यक्ष वागीश आनंद, जिला ताइक्वांडो संघ के संयुक्त सचिव अनिल कुमार तॉती, बीहट के उपमुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, मध्य विद्यालय बीहट के प्राचार्य रंजन कुमार, वरीय शिक्षिका अनुपमा सिंह, कबड्डी संघ सचिव श्यामनंदन सिंह ह्यपन्नाह्न, बॉल बैडमिंटन संघ सचिव विकाश कुमार, किलकारी के अभिनव कुमार, जिला कोच मणिकांत, प्रशिक्षक जयशंकर चौधरी, मो. फुरकान, मनोज कुमार स्वर्णकार, शिव कुमार, चौधरी जिशान, महेंद्र कुमार, नीरज कुमार, रुपेश कुमार, श्याम किशोर सिंह, संध्या कुमारी समेत जिले के खेलप्रेमियों ने खिलाडियों को अपनी शुभकामनाएं दी है।

विधान सभा धेराव को लेकर रणनीति बनाते शिक्षकगण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी मानसून सत्र में पंचायतीराज संस्थान में कार्यरत शिक्षकों द्वारा विधान सभा का घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ प्रखंड इकाई खजौली की बैठक प्रखंड़ अध्यक्ष प्रदीप कुमार की अद्यक्षता में उत्क्रमित मध्य खजौली के प्रांगण में आयोजन किया गया. इस बैठक के दौरान उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 11 जुलाई को खजौली से सैकड़ों शिक्षक विधिवत आकस्मिक अवकाश लेकर पटना की धरती पर पहुँचेंगे . उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा सरकार से एक मांग विना शर्त राज्यकर्मी का दर्जा देने को लेकर विधान सभा धेराव करने निर्णय लिया गया. बिहार पँचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के उप संगठन मंत्री कमल कामत एवं रामपरीक्षण यादव ने कहा कि सरकार जब तक हमारी मांग को नही मानेगी तब

तक शिक्षक आंदोलन करते रहेंगे .वही तेजनारायण सिंह एवं संजीव कुमार ने कहा कि सरकार नियोजित शिक्षकों के साथ सौतेलापन व्यवहार करना बंद नही करती है तो आगामी लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में मुहतोड़ जवाब देंगे. इस वैठक में शोभाकांत सिंह, अमित कुमार सिंह शिवनाथ मंडल शिवशंकर कुमार सन्तोष अरुण कुमार राजेश कुमार श्रवण कुमार राजेश कुमार चौधरी मो0 अफरोज मो0 ईशा वेचन राम उमेश राय तेज नारायण सिंह रामचन्द्र राम संजीव कुमार शोभाकांत सिंह अरुण कुमार साह प्रभृति ने अपना अपना विचार रखा ।

जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर भक्तों के आस्था का उमड़ा जनसैलाब

- श्रद्धालुओं कांवरियों की दिखी लंबी कतार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर पवित्र श्रावण माह के पहली सोमवारी को अनुमण्डल क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध शिलानाथ धाम बाबा मंदिर समेत शहरी और ग्रामीण क्षेत्र स्थित विभिन्न शिवालयों और मंदिरों पूजा पाठ जलाभिषेक को लेकर श्रद्धालु कांवरिया भक्तों के आस्था जनसैलाब उमड़ पड़ा। मन्दिरों में अहले सुबह से शाम तक श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिला। क्षेत्र में बोल बम हर हर हर महादेव ॐ नमः शिवाय से जय घोष जयकारें के मन्दिर और क्षेत्र गुंजयमान हो रहा था और माहौल भक्तिमय हो गया। शनिवार और रविवार एवं सोमवार को जयनगर स्थित कमला नदी से श्रद्धालु भक्त जन और कांवरियों के द्वारा जलबोझकर झूमते नाचते गाते कपिलेश्वर स्थान शिलानाथ धाम समेत विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक पूजा पाठ को लेकर प्रस्थान करते देखें गये। कमला नदी परिसर पर्ण कुटी मंदिर और विभिन्न शिवालयों के आसपास मेला का भी आयोजन किया गया है। शिलानाथ धाम, बस्ती पंचयात स्थित जागेश्वर नाथ बाबा दुर्गा मंदिर , पीठवा टोल स्थित भूतनाथ मंदिर, शहरी क्षेत्र के मेन रोड स्थित नागा बाबा महावीर मंदिर, कमला रोड राम जानकी मंदिर, मनोकामना काली मंदिर, भेलवा चौक महादेव स्थान समेत अन्य शिवालयों और मंदिरों में आस्था के साथ श्रद्धालुओं के द्वारा शिवालयों और मंदिरों में पूजा पाठ संध्या तक जारी रहा। सावन पर्व को ले शिवालयो एवं मंदिरों को रंग बिरंगे फूलों ,टिमटिमाती लाईट बती रौशनी से भव्यता से सजाया गया जो मनमोह दृश्य लग लग रहा था। देर शाम शिवालयों में भोलेनाथ बाबा का भव्य श्रृंगार कर पूरे विधिविधान के साथ विशेष पूजा पाठ किया गया और भजन कीर्तन का दौर चलता रहा। बाबा का श्रृंगार देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही बाबा का श्रृंगार आकर्षण का केंद्र बना रहा।

जल जीवन हरियाली अभियान के तहत जीविका दीदी ने किया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मंसूरचक, बेगूसराय। जल जीवन हरियाली अभियान के अंतर्गत राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत जीविका दीदी द्वारा प्रखंड स्तर पर वन महोत्सव का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सोमवार को जीविका की प्रखंड टीम द्वारा कैडरों एवं जीविका दीदियों की मदद से सार्वजनिक एवं निजी परिसरों में 9856 गड्ढा खोदा गया। उसमें लगभग 7233 पौधा का रोपण किया गया। इस संबंध में जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक प्रभारी प्रशांत प्रकाश ने बताया कि ह्यहरित जीविका, हरित बिहारह्न के लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए गड्ढा खोदो एवं पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गयी है। इस अभियान के तहत प्रखंड में कुल 25000 पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। अभियान के संचालन में जीविका कर्मी सोनू कुमार, राकेश कुमार रौशन, विकास कुमार, विक्की कुमार, विपिन कुमार पासवान, प्रमिला कुमारी, कैडर एवं जीविका दीदियां बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

सीएचसी में एएनसी जाँच का निरीक्षण करते डीपीएम : पंकज कुमार मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सीएचसी खजौली में प्रधानमंत्री गर्भवत्ति माता की एएनसी जांच की शिविर में सोमवार को जिला स्वास्थ समिति मधुबनी के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा ने उपस्थित गर्भवत्ति महिलाएं से पूछताछ करके समुचित जांच की जानकारी ली. वही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने सीएचसी के निरीक्षण के दौरान ओपीडी लेबर रूम इमर्जेंसी रूम दवा काउंटर सीएचसी प्रयोगशाला एएनएम जीएनएम का कक्ष सीएचसी परिसर सहित साफ सफाई की जायजा लिया गया. वही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने आशा कार्ययकर्ता की भुगतान परिवार कल्याण बध्याकरन की भुगतान की जायजा लिया. उन्होंने ने हेल्थ मैनेजर अर्चना भट्ट, बीसीएम शंम्भू कुमार राम एव लेखापाल पलव्वी कुमारी को कई अहम निर्देश दिया गया. वही शिविर में गर्भवत्ति महिलाएं का एएनएम रानी कुमारी

द्वारा वजन एव बीपी की जांच की गयी. सभी गर्भवती माताओं को एलटी मनोज कुमार एव राघवेंद्र कुमार द्वारा ब्लड सुगर हीमोग्लोबिन की जांच एचआईबी की जांच खून पैखाना पेशाब की जांच हेपाटाइटिस सहित अन्य बीमारियों की जांच किया गया.वही सीएचसी चिकित्सा पदाधिकारी डा. निखिल कुमार ने 139 गर्भवत्ति महिलाएं को जांच कर मुफ्त में दवा दिया गया. वही हेल्थ मैनेजर द्वारा शिविर में आये सभी गर्भवत्ति महिलाएं को सीएचसी की ओर से अल्पाहार के रूप में सेव केला बिस्कुट नमकीन मुहैया कराया गया.इस जांच शिविर के मौके पर सभी एएनएम जीएनएम आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ताला तोड़कर नगदी सहित साढ़े चार लाख रुपए की जेवर चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-बंद पड़े आवास में अज्ञात चोरों के दौरा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। मामला झाझा थाना क्षेत्र के रेलवे कॉलौनी स्थित आवास संख्या 302 की है। चोर पहले घर के मुख्य दरवाजा पर लगे ताला को तोड़ा उसके के बाद अंदर प्रवेश किया और आवास में रखे अलमीरा का लॉक तोड़ते हुए नगदी सहित जेवर की चोरी कर लिया। घर के पीड़ित अरुण कुमार ने बताया की मेरी माँ का अचानक तवियत खराब हुआ और इलाज के दौरान मौत हो गई उसी में पूरा परिवार बाढ़ चले गए। आवास के बगल में रहने वाले लोगो ने घटना की जानकारी पीड़ित परिवार को दिया। जब चोरी की खबर सुनकर पूरे परिवार वापस अपने रेलवे आवास आया तो घर मे सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमीरा का लॉकर टूटा हुआ था। पीड़ित ने बताया की बेटी के सादी के लिए रखे लगभग साढ़े 4 लाख का गहना व चालीस हजार रुपए गायब था। इधर पूरे मामले की जानकारी पीड़ित के दौरा पुलिस को भी दी गयी है।

शहीद पिंटू सिंह के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

बखरी, बेगूसराय। बखरी की माटी के लाल व भारत सरकार के द्वितीय सर्वोच्च वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र विभूषित शहीद पिंटू सिंह के 39वें जन्मदिवस पर उनके पैतृक निवास पर पुष्पांजलि व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित की गयी। अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी कुमार सौरव ने शहीद के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बखरी अनुमंडल ही नहीं बल्कि, संपूर्ण देश के गौरव पिंटू सिंह जैसे महान सपूतों के बल पर ही देश सुरक्षित है तथा हम सभी खुशहाल जीवन व्यतीत कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी असाधारण कोटि की वीरता के लिए भारत सरकार के द्वारा शांतिकाल में दिया जाने वाला द्वितीय सर्वोच्च वीरता पुरस्कार से सम्मानित होकर शहीद पिंटू सिंह ने बखरी को संपूर्ण देश में गौरवान्वित किया है। मौके शहीद की निजी जमीन पर उपप्रमुख प्रतिनिधि बलराम कुशवाहा, मुखिया प्रतिनिधि सुरेश राम, उप मुखिया अजीत कुमार, अधिवक्ता गौरव कुमार, अमरनाथ साह, जयकांत यादव, शौर्य नमन कार्यक्रम के संयोजक वसंत कुमार, सह संयोजक अभिषेक पोद्दार व अभिनव पहल सचिव जितेन्द्र जिज्ञासु, सुजीत बहादुरपुरी, प्रमोद पंडित, सुनील सिंह, प्रधानाध्यापक मुरारी ठाकुर, अभिषेक पोद्दार, शहीद के भाई मिथिलेश सिंह, अमरजीत साहु, रंजीत महतो, सुनील महतो, सिकन्दर यादव, राजेश कुमार आदि ने पौधारोपण किया।

संक्षिप्त खबरें

राजद के नेतृत्व में प्रत्येक वार्ड में अम्बेडकर परिचर्चा का किया आयोजन

शाहकुंड (भागलपुर)। सुल्तानगंज के नगर परिषद परिक्षेत्र के वार्ड 17 इलाके में राजद के नगर अध्यक्ष अफरोज आलम के नेतृत्व में अंबेडकर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजित की गई। कार्यक्रम में सभी वार्ड के लोगों को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के द्वारा रचित संविधान पर चलने एंव बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के रचित संविधान को बचाने के उद्देश्य को लेकर जागरूकता अभियान प्रत्येक वार्ड में चलाया जा रहा है। इस दौरान बाबा साहब अंबेडकर के अगुवाई करने वाले अविनाश संज्ञाल उर्फ विजय चौधरी, राजद वार्ड अध्यक्ष अखिलेश ठाकुर, गगन सिंह, राजेश चौधरी, राधे साह, ताराकांत प्रसाद सहित आदि दर्जनों कार्यकर्ता के अलावा स्थानीय वार्डपार्षद व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्वच्छ वातावरण के लिए पेड़ लगाना जरूरी : थानाध्यक्ष

भागलपुर। मनरेगा के तहत कजरेली थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे थाना परिसर में फलदार व घने औषधीय युक्त करीब दो सौ पौधों को लगाया गया है। वही पौधारोपण कार्यक्रम में मनरेगा के कई अधिकारी व कर्मी साथ साथ कजरैली थाना थानाध्यक्ष नवनिश कुमार व अन्य पुलिस जवान मौजूद थे। वहीं कार्यक्रम के दौरान कजरैली के सामाजिक कार्यकर्ता मो. जाहिद अहमद ने कहा कि स्वच्छ वातावरण के लिए हमें पेड़ अवश्य लगानी चाहिए। जिससे पेड़ हमें ऑक्सीजन के साथ-साथ वर्षा कराने में भी काफी मदद करती है, हम लोग उस बरसा के पानी से अन्य प्राप्त करते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं।

बोल बम के वाहन से 10 वर्षीय बच्ची को लगा धक्का , डॉक्टर ने किया रेफर

संग्रामपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर चौक संग्रामपुर में बोल बम के वाहन के धक्के से बेलहर थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव की 10 वर्षीय बच्ची रुई कुमारी पिता राजाराम सिंह घायल हो गया जिसे आनन-फानन में कांवरिया वाहन से ही बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लाया गया जहां बच्ची का इलाज के दौरान गंभीर स्थिति को देखते हुए भागलपुर रेफर कर दिया गया वहीं बोलबम के वाहन मालिक ने बच्ची के नानी को 25 सौ रुपया देकर हॉस्पिटल से भाग निकले। घायल बच्ची के नानी ने बताया की अपने साथ संग्रामपुर बाजार आई थी, जो घूमते हुए अंबेडकर चौक संग्रामपुर पहुंच गई थी। जहां बोलबम के वाहन से धक्का लग गया।

राजकीय बुनियादी विद्यालय का पुनर्निर्माण कराने की मांग

टेटिया बम्बर । राजकीय बुनियादी विद्यालय टेटिया बम्बर मे 411 छात्र - छात्राओं को पठन-पाठन का कार्य कराने में विद्यालय के शिक्षकों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि इस विद्यालय के खपलैनुमा भवन होने की स्थिति में विद्यालय काफी जर्जर हो गया है। जीर्ण शीर्ण अवस्था वाले विद्यालय में सैकड़ों छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं, कभी भी किसी भी समय छात्र- छात्राओं के साथ अप्रिय घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। ग्रामीणों ने इस विद्यालय का निर्माण कराने के लिए शिक्षा विभाग के सचिव और मुख्यमंत्री से मांग किया है कि जल्द से जल्द राजकीय बुनियादी विद्यालय टेटिया बंबर के भवन का निर्माण यथाशीघ्र कराया जाए।

ट्रेड यूनियन कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता का पूर्णिया में हुआ जोरदार स्वागत

पूर्णिया । इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता कौशल कुमार श्रीवास्तव का पूर्णिया आगमन पर स्वागत किया गया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रंजन सिंह और पूर्व महासचिव गौतम वर्मा ने उन्हें चादर देकर उनका स्वागत किया। वे अपने दामाद राजीव श्रीवास्तव और बेटी अधिवक्ता अंजलि सिन्हा के घर आए हुए थे। कौशल कुमार श्रीवास्तव ने बताया की वह 1974 ईस्वी से भारतीय श्रमिकों के सवाल को लेकर आंदोलन की शुरुआत की और इंटक कांग्रेस से जुड़ गए और भारतीय श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संस्थान द्वारा आयोजित थाईलैंड बैंकॉक आदि अन्य देशों में जाकर श्रमिकों के सवालों पर अपना वक्तव्य अब रखने का काम किया था। अखिल भारतीय स्तर पर श्रमिकों को संगठित करने में आजीवन प्रयासरत रहे। पूर्णिया कांग्रेस पार्टी के लोगों ने आकर उन्हें मान सम्मान देने का काम किया। कांग्रेस पार्टी के दोनों नेताओं ने कहा की पूरी कांग्रेस पार्टी की ओर से और कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष नीरज सिंह उर्फ छोटू सिंह के निदेर्शानुसार उन्हें सम्मानित करने का कार्य किया गया है। नेताओं ने कहा कि उनकी उम्र 77 वर्ष है और अभी भी जो जोश जुनून और जज्बा उनके अंदर है वह प्रेरणादायक है और उनसे बहुत कुछ सीखने का मौका प्राप्त हुआ है।

पांच बच्चे की माँ को अपने देवर से हुआ प्यार, वार्ड पार्षद के सामने आने के साथ ही छिड़ा महासंग्राम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर।अगर किसी वार्ड पार्षद की दबंगई देखनी हो तो आ जाइए निगम के वार्ड नंबर 48 के इलाके में जहां वार्ड पार्षद का तालिबानी फरमान चलता है और उसके लोगों द्वारा उसे तुरंत हुक्म के तामील व पालन को पूरा किया जाता है, ऐसा ही कुछ मामला निगम के वार्ड 48 में वार्ड पार्षद कुमारी कल्पना की हिटलरशाही राज देखने को मिली है। जहां एक लाचार और बेबस दलित परिवार के युवक को स्थानीय वार्ड पार्षद पार्षद के पति और उनके देवर एवं कुछ समर्थक लोगों के द्वारा बुरी तरह से एक बिजली के पोल में रस्सी से बांध दिया जाता है और जमकर हरिजन कहकर संबोधित करते हुए भद्दी भद्दी गालियां दी जा रही है और उसके साथ मारपीट भी किया जा रहा है। मामले को लेकर लाचार युवक कुन्नी तांती का 40 वर्षीय बेटा कमल तांती ने इशाकचक थाने में एससी एसटी एक्ट के तहत चार लोगों पर नामजद के अलावा दस अज्ञात लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। उक्त मामले में वार्ड नंबर 48 की पार्षद कल्पना देवी, पति सिकंदर शर्मा, देवर वीरेंद्र मंडल और मुकेश कुमार के अलावे अज्ञात 10 लोगों को नामजद बनाया गया है। वही इस मामले को लेकर पुलिस सख्ते में आई और तत्परता दिखाते हुए वायरल वीडियो और कमल तांती के फर्द बयान पर वार्ड नंबर 48 के पार्षद कुमारी कल्पना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब हो कि कमल तांती को लोगों ने इस कदर पिटाई कर दी थी कि इलाज के लिए उन्हें मायागंज अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। मामला जानकर आप हैरान हो जाएंगे, क्योंकि यह मामला किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, राजमिस्त्री के रूप में काम करने वाले कमल ताती की पत्नी अपने ही देवर छोटू तांती से प्यार करती थी। वही जब कमल ताती को यह बात की जानकारी हुई तो उसने इसका फैसला करने के लिए वार्ड पार्षद के पास पहुंच गया और वार्ड पार्षद कुमारी कल्पना के द्वारा निर्णय लिया गया कि जब कमल तांती के साथ इसकी पत्नी रिंकू नहीं रहना चाहती है तो उसे छोड़कर वह अपने देवर प्रेमी के साथ घर तुरंत बसा ले, लेकिन उसका फरमान कुछ अलग ही जारी हुआ था, वार्ड पार्षद का कहना था कि कमल तांती की पत्नी अपने प्रेमी के साथ उसी मकान के निचले कमरे में रहेगी, यह बात कमल ताती को नागवारा लगा और उसने इसका विरोध किया। यह विरोध करना उसे काफी भारी पड़ गया और वही वार्ड पार्षद कुमारी कल्पना ने फैसले के विरुद्ध जाने पर उनका अलग ही फरमान उसे पिटाई करने की जारी कर दी। वही वार्ड पार्षद के समर्थक व उनके लोगों ने उसे बिजली के पोल में बांधकर काफी गाली गलौज करते हुए हरिजन शब्द से संबोधित करते हुए उसके साथ बहरहमी से मारपीट की। इतना कुछ होने के बाद पीड़ित कमल ताती की पत्नी अपने प्रेमी देवर छोटू तांती के साथ अपने चार बच्चे को लेकर वहां से अलग हो गई, और एक बच्चा अपने पिता कमल ताती के पास छोड़ दिया जो उसके साथ रहता है।

वही पार्षद को गिरफ्तार करने के बाद मामला इतना तूल पकड़ लिया कि आसपास के उनके समर्थकों की भीड़ को काबू करने के लिए इसाकचक थाना की पुलिस, सीआईडी टीम, बजरा टीम को हल्का बल का भी प्रयोग करना पड़ा है। वही वार्ड नंबर 48 के पार्षद कुमारी कल्पना को पुलिस टीम ने हिरासत ले लिया है। वही गिरफ्तारी को लेकर वार्ड नंबर 28 की महिलाओं ने वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय का घेराव भी किया । अब देखने वाली बात यह होगी कि इस दलित कमल ताती को और लोगों ने जो प्रताड़ित किया, और जातिसूचक शब्दों से संबोधित कर भद्दी भद्दी गालियां दी, साथ ही उसके साथ सरेआम मारपीट किया गया। उन लोगों को कब सजा मिल पाती है और कहां तक कमल तांती को इंसाफ मिल पाता है, या फिर दबंगों की दबंगई की चक्की में यूही दलित को उसके पैसे के बल के आगे झुकना पड़ेगा या फिर इसी तरह लगातार जारी रहेगी ये देखने वाली बात है।

शिवालयों में शिव भक्तों की उमड़ी भीड़, गंगा घाट में लगाई आस्था की डुबकी

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। सूलतानगंज नगर परिषद परिक्षेत्र स्थित अजगैविनाथ धाम के शिव मंदिर में शिव भक्तों का तांता लगा रहा इस दौरान हजारों शिव भक्तों ने हर हर महादेव के जयकारों के साथ शिव मंदिर के शिवलिंग पर गंगा जलाभिषेक करने के साथ पूजा अर्चना की। अहली सुबह से ही शिव मंदिर में गंगाजल व बेलपत्र चढावा को लेकर शिव भक्तों की भीड़ जमा रही थी, अजगैबीनाथ धाम से लेकर मुख्य सड़क मार्ग तक लंबी कतार लग गई थी। श्रावणी मेला के पहली सोमवारी को लेकर बिहार, झारखंड, बंगाल, नेपाल सहित आसपास के लाखों शिव भक्त एंव श्रद्धालुओं के साथ कांवरिया की भीड़ जुटी रही थी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने अजगैबीनाथ धाम के उत्तर वाहनी गंगा घाट में हर हर महादेव, बम बम भोले के जयकारों के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगाई है। वही सभी शिव भक्तों ने उत्तर वाहनी गंगा से जलपात्र में जलभरी करने के साथ कांवड़ लेकर बाबा धाम को रवाना हुए हैं। वही सुल्तानगंज के अजगैविनाथ मंदिर सहित अन्य जगहों के शिव के मंदिरों में शिवलिंग पर जल चढाने के लिए भीड़ उमड़ रही हैं। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों ने शिवालय में जलाभिषेक करने के साथ जीवन में सुख शांति व समृद्धि जीवन की कामना के साथ पूजा अर्चना की। साथ ही हजारों कांवरियों ने उत्तर वाहनी गंगा जलभरी कर पूजा अर्चना के साथ देवघर स्थित बैधनाथ धाम मंदिर के शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए कांवड़ लेकर पैदल व वाहन यात्रा के साथ बोल बम, हर हर महादेव के जयकारों के साथ रवाना हुए हैं।

दूरदराज से कांवरियों के पहुंचने का सिलसिला हुआ जारी

मालदा रेल डिवीजन के अधिकारियों के निर्देश पर कांवरियों की सुविधा के मद्देनजर किये कई इंतेजाम

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। श्रावणी मेला में अब दूर दराज के कांवड़ियों का जत्था सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ धाम पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया है। दूसरे राज्यों से आने वाले ज्यादातर कांवड़िया ट्रेन का सहारा ले रहे है। जिससे श्रद्धालुओं की ज्यादातर भीड़ ट्रेन से सुल्तानगंज स्टेशन पर पहुंचते दिख रही है, जहां से पैदल चलकर उत्तरवाहिनी गंगा तट पर पहुंच कर स्नान करने के साथ जल कलश में लेकर विधिवत पूजा अर्चना के साथ कांवड़ ले पैदल यात्रा पर बैधनाथ धाम को रवाना हो रहे हैं। वही रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन से आने वाले कांवड़ियो को कोई असुविधा या परेशनियों का सामना न करना पड़े इसके लिए मालदा रेल डिवीजन रेल प्रशासन के निर्देशन में सुलतानगंज स्टेशन परिसर में कई तरह के विशेष इंतजाम किये हैं। दरअसल कांवड़ियों के लिए 5 जोड़ी ट्रेनों का दो दो मिनट ठहराव आदेश किया गया है, अब इस स्टेशन पर 37 जोड़ी ट्रेनो का ठहराव हो रहा है। गोरखपुर से देवघर भाया भागलपुर सुलतानगंज एक मेला स्पेशल ट्रेन भी चलाई गई है, इसके साथ ही स्टेशन पर कांवड़ियो के ठहरने के लिए शेड बनाये गए हैं, जहां पर शौचालय व शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। वही ऐम्बुलेंस के साथ साथ मेडीकल टीम भी रेल अस्पताल टीम द्वारा स्वस्थ7 जांच सुविधा के मद्देनजर तैनात की गई है, जहां पहुंच कर कांवड़िया अपने रोग संबंधित समस्याओं को लेकर दवाई ले रहे हैं। वहीं परिसर में महिला हेल्प डेस्क, पूछताछ केंद्र बनाये गये है साथ ही कांवड़िया सुरक्षा को लेकर जीआरपी व आरपीएफ की टीम तैनात की गई है। स्टेशन परिसर में निगरानी के लिए जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वही आरपीएफ के अधिकारी व सिपाही द्वारा कांवड़ियो को नशाखोरी के खिलाफ जागरूक किया जा रहा हैं। वही रेलवे विभाग ने भी दो मासीय सावन को लेकर बेहतर इंतजाम के साथ समुचित व्यवस्था की है, जिसका कांवड़िया भरपूर लाभान्वित हो सुविधा का लुत्फ भी उठा रहे हैं।

पोखर में डूबने से हुई 3 वर्षीय बच्चे की मौत

भागलपुर। कहलगांव थाना परिक्षेत्र अंतर्गत ओगरी गांव स्थित एक पोखर में डूबने से 3 वर्षीय बच्चे की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटित घटना को लेकर बताया जा रहा है कि मृतक बालक की पहचान स्थानीय गांव के भावेश कुमार के 3 बर्षीय पुत्र ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। वहीं घटना को लेकर परिजनों ने बताया कि विगत देर शाम मृतक बच्चा जब मां खेत पर जा रही थी तो उसके पीछे पड़ गया और इसी क्रम में किसी तरह पोखर के पास जा पहुंचा। जब थोड़ी देर बाद घरवालों ने ऋषभ की खोजबीन करने लगे तब वह पोखर में डूबा हुआ दिखाई दिया। वही परिजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए पास के अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही घटना की सूचना मिलते ही कहलगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर मृत बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर परिवार के लोगों से पूछताछ के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया।

लड़की के परिजनों ने फरार युवक के मां को दागी गोली

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच त्वरित गति से अस्पताल में कराया भर्ती

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला परिक्षेत्र के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोडिया गांव इलाके में प्रेम प्रसंग में फरार लड़की के परिजनों ने अपनी गुस्से की भड़ास निकालने के लिए लड़के के घर पर पहुंच कर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिये जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि फरार लड़के की मां को आक्रोशित लड़की के परिजनों ने गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया, जिसे स्थानीय लोगों व सहयोगी ग्रामीणों द्वारा त्वरित व बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां मौजूद चिकित्सक ने जख्मी व घायल महिला का नाम बालों देवी उम्र 45 वर्ष पति सहदेव यादव के रूप में जानकारी ली है। वही घटना को लेकर घायल महिला बालों देवी ने बताया कि घर के बाहर में गाय को चारा दे रही थी, तभी पड़ोसी गांव के फोटोस यादव के बेटी अर्चना कुमारी के फरार होने की बात को लेकर अचानक आ कर गाली गलौज करने लगे, जब उसका विरोध किया तो उसने कहा तुम मेरी बेटी को जल्दी से उधर वापस बुला दो वरना अंजाम बुरा होगा, इतना कहने के साथ ही चार की संख्या में आए महिला व पुरुष में से एक युवक ने अवैध हथियार निकाल कर मुझ पर गोली चला दी, जिससे गोली बालों देवी के दाहिने साइड कमर के ऊपर जाकर लगी और वह जख्मी व घायल अवस्था में मौके पर गिर गयी। वही घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय नदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को अपने वाहन पर लेकर बेहतर इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू मेडिकल अस्पताल के इमरजेंसी सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल महिला का इलाज किया जा रहा है। वही मामले को लेकर पुलिस ने घायल महिला के लिखित फर्द बयान पर मामला दर्ज करने के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने में जुट गई हैं।

वर्चस्व को लेकर दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी

मामले की जानकारी मिलते ही घटना की जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में अवैध बालू खनन मामले को लेकर पुलिसिया कार्रवाई लगातार चल रही है फिर भी अवैध बालू खनन के कारोबार का शिलशिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बालू खनन के व्यपार को लेकर बालू माफिया आए दिन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इसी कड़ी में बांका के रजौन थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर के अमदहा बालू घाट पर वर्चस्व की होड़ मची हुई है। वही बालू घाट पर अपना बर्चस्व जमाने के लिए दो गुटों के बीच जमकर हिंसक झड़प हुई है। वही इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड गोलियां भी चली है। वही गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति गम्भीर रूप से जख्मी व घायल हो गया। जिसे बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल के इमरजेंसी सर्जरी वार्ड में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों द्वारा ली जानकारी के क्रम में जख्मी व घायल व्यक्ति की पहचान किशोर यादव उर्फ लब्भा यादव साकिन कोलाखुर्द थाना जगदीशपुर के रूप में बतायी गयी है। वही चिकित्सक द्वारा घायल लब्भा यादव का भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के साथ इलाज शुरू कर दिया है। वही घटना को लेकर पुलिस के पूछताछ करने के क्रम में घायल लब्भा यादव ने घटना में शामिल कई लोगों के नामों का खुलासा किया है, इनमें रामपुर के पंचू यादव के पुत्र मिथिलेश यादव, घुटिया रजौन के अरविंद यादव के पुत्र काजू यादव, रूपेश यादव, कैथा रजौन के सदानंद यादव के पुत्र सौरव7 यादव, नीतीश यादव उर्फ कंवली यादव, घुटिया के रामबरन यादव, खुशहालपुर के सुदानी यादव, गौरा चौकी के सिकंदर यादव और सनोज यादव शामिल हैं। वही सिकंदर यादव और सनोज यादव ने हमे गोली मारी है। गौरतलब है कि लब्भा यादव की पहले भी बालू7 माफियाओं के साथ मिलकर बालू खनन के अवैध कारोबार में संलिप्तता रहा है, वह हाल के दिनों में पुलिस पर हमला मामले में फंस कर जेल जा चुका है, जहां से कुछ दिनों पूर्व ही जेल से छूट कर बाहर निकला है। वही मामले को लेकर रजौन थाना पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर संबंधित ठिकानों पर छापेमारी करने में जुट गयी है।

सावन की पहली सोमवारी पर पूरा शहर हुआ कैसरियामय

शिवालयों में बोल बम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा शहर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। भागलपुर सहित आसपास के सभी शिवालयों में शिव भक्तों की भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी थी। वही क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से लोग पूजा अर्चना को लेकर डटे हुए थे।

वही श्रद्धालुओं व शिव भक्तों से पूरा मंदिर परिसर बोल बम के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। वही जिले के प्रशिद्ध बाबा वृधेश्वर नाथ मंदिर, आदमपुर के शिव शक्ति मंदिर, खंजरपुर के भूतनाथ मंदिर, नाथनगर के मनाश कामना नाथ मंदिर बरारी के पिपली धाम मंदिर, सबौर के दो मुंहा शिव मंदिर के अलावा हर गली मोहल्ले के शिवालयों के साथ साथ प्रखंड क्षेत्र के मंदिर शिवालय में भक्तों की पूजा अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ से पटा हुआ है। वही भक्तों की बढ़ती हुई तादात को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा शिवालयों में पूजा अर्चना को लेकर लोगों को कतारबध में खड़ा कर दिया। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ खचाखच भरी हुई थी, सभी के हाथ में फूल बेलपत्र और गंगाजल दिखाई दे रहे थे, सावन की पहली सोमवारी को लेकर अहले सुबह से ही बाबा भोले नाथ के भक्ति के रंग में सराबोर हो सभी पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर पहुंच रहे थे। वही बारी बारी से लोग बाबा भोलेनाथ के मंदिर में प्रवेश करने के साथ पूजा अर्चना कर रहे थे। सभी शिव भक्त आस्था की भक्ति में डूब कर अपने घर परिवार सहित राज्य और देश की सुख समृद्धि की मांग लिये कामना के साथ पूजा अर्चना में लगे हुए थे। वही छात्राएं भी अपने पढ़ाई के मार्ग में प्रगतिशील होने के साथ अच्छे रिजल्ट की कामना को लेकर बाबा भोलेनाथ से गुहार लगाते दिखाई दे रहे थे। वही पहली सोमवारी को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से जगह जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। वही यातयात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए शहरी क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों में लोगों को कतारबद्ध में लगा कर मंदिर के अंदर प्रवेश कराया जा रहा था। इस दौरान पूरा जिला परिक्षेत्र सहित पूरा शहर केसरियामय व भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ दिख रहा है।

लोजापा (आर) के निशुल्क कवांरिया सेवा शिविर का प्रधान महासचिव ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर। विश्व प्रसिद्ध मेला के सातवें दिन प्रथम सोमवारी पर पूरे श्रावणी मेला तक तारापुर प्रखंड के कच्ची कावंरिया पथ के मिल्की गांव के समीप लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के सौजन्य से प्रत्येक वर्ष की भांति बोलबम पैदल जा रहे शिव भक्तों के लिए निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर का उद्घाटन पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान एवं राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह सहित वरिष्ठ नेता सुदर्शन सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर सेवा शिविर का उद्घाटन किया गया । उद्घाटन मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान महासचिव श्री पासवान ने कहा कि क्षेत्र का हर कंकर में शंकर समाहित है । सुल्तानगंज से देवघर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा को भोलेनाथ के भक्त बोल बंम का नारा है बाबा एक सहारा है , बाबा नगरिया दूर है जाना जरूर है, को गाते झूमते जयकारा लगाते चल रहे हैं यह अपने आप में सांप्रदायिक सौहार्द का मिसाल कायम करती है ।

अगर यही भावना देश और प्रदेश के आम लोगों के बीच बनी रहे तो देश और प्रदेश तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेगा । उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम का उद्घाटन जमुई के लोकप्रिय यशस्वी सांसद चिराग पासवान जी को करना था लेकिन कुछ अपरिहार्य के कारण नहीं आ सके इसके लिए उन्होंने उद्घाटन मौके पर मौजूद पार्टी के सभी लोगों से क्षमा मांगी । श्रावणी मेला के मौके पर प्रत्येक वर्ष शिविर के माध्यम से हर प्रकार की सुविधा बोल बंम कांवरिया के लिए उपलब्ध कराने के लिए मुख्य रूप से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री सिंह सहित विधानसभा क्षेत्र के सभी लोजपा कार्यकताओं को दिल से आभार प्रकट किया । पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री सिंह ने कहां की लोक जनशक्ति रामविलास के बैनर तले पिछले 20 वर्षों से कांवरियों को सेवा पार्टी के कार्यकताओं द्वारा किया जा रहा है ।

मंझगांय गांव के मंझेश्वर नाथ महादेव मंदिर में जल पिलाने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। कलयुग में भी भगवान अपने भक्तों की भक्ती से प्रसन्न हो कर दर्शन देते हैं कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला संग्रामपु प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित मंझेश्वर नाथ महादेव मंदिर मंझगाय में नंदी महाराज द्वारा पानी पीने के वीडियो सामने आए हैं। इस चमत्कार को देखने के लिए मंदिरों में लोगों का तांता लगा हुआ है। लोग ग्लास कटोरी, चमच्च और लोटा में पानी,दुध गंगा जल लेकर लंबी लंबी कतारों में खड़े हैं और नंदी महाराज को पानी पिलाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अब इसे आस्था कहे या अंधविश्वास सच तो यह है कि लोग अपने हाथों से नंदी महाराज को पानी पिलाने के लिए उत्सुक हैं। संग्रामपुर के मांझगांय। नंदी ने ग्लास से पिया पानी शिव मंदिर में चमत्कार देखा गया। जहां शिव मंदिर में नंदी पानी पी रहे है। तीन दशक पूर्व गणेश जी के दूध पीने के बाद आज गांव के शिवालय में नंदी के पानी पीने की अफवाह से शिव मंदिर में नंदी को ग्लास से पानी पिलाने महिलाओं का तांता लग गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।नंदी बाबा को जल पीने की जैसे ही यह खबर लोगों तक पहुंची मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई। कई लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं कुछ लोगों का कहना है कि सावन का महिना है,और कल सोमवार को शिव जी का पुजा पाठ करने का समय चल रहा है और यह चमत्कार है। ग्रामीण जिसने जल पिलाया गांव के काजू कुमारी,मुनमुन कुमारी,साक्षी कुमारी,रिंकू कुमारी, प्रवीण शर्मा विनोदी शर्मा, जगदीश शर्मा ,शिवकुमार शर्मा आदि का कहना है कि ग्लास से नंदी को पानी पिलाया तो नंदी पानी पी रहे थे।

हत्यारे को मिली आजीवन कारावास की सजा

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। अर्जुन तांती के हत्या मामले में घटना के 17 माह बाद ही अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त पाण्डेय ने त्वरित न्यायिक कार्यवाही करतें हुए आरोपी को सजा सुनाई । सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त पाण्डेय के कोर्ट में धरहरा थाना कांड संख्या 35/2022 में सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई । कोर्ट ने अभियोजन एवं बचाव पक्ष के दलील सुनने के बाद धरहरा थाना क्षेत्र के पंचरूखी गांव निवासी दोषी विनय तांती को आजीवन कारावास की सजा सुनाई साथ ही साथ बीस हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया । अभियोजन पक्ष से अपर लोक अभियोजक संतोष कुमार मिश्रा ने बहस में भाग लिया ।

क्या है मामला: धरहरा थाना क्षेत्र के पंचरूखी गांव के मृतक अर्जुन तांती एवं आरोपी विनय तांती पटना के एक मॉल में नौकरी करते थे । गवन के आरोप मे विनय तांती को नौकरी से निकाल दिया गया ।

विनय को शक हुआ कि अर्जुन तांती के कारण उसे नौकरी से निकाल दिया गया । 04 मार्च 2022 को मृतक अपने पिता के साथ ट्रेन से धरहरा स्टेशन उतरे ।फिर गांव जाने के दौरान आरोपी विनय तांती ने अर्जुन तांती को कुंआ में ढकेल दिया ।जिस से अर्जुन तांती की मौत हो गई थी ।

चंपानगर गुदड़ी हाट की बारिश ने बिगाड़ी सूरत, लोग परेशान

पूर्णिया/ केनगर । नगर पंचायत चम्पानगर के चम्पानगर गुदड़ी हाट सब्जी बाजार में पिछले कई दिनों से रुक रुक कर हो रही बारिश ने सब्जी मंडी की सूरत बिगाड़ कर रख दी है। जलजमाव और दुर्गन्ध युक्त कीचड़ के कारण प्रशासन के दावों की पोल खोल दी है। सब्जी एवं मछली बाजार की गली मोहल्लों में भरा बरसाती पानी लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इन गड्ढों में पानी भरने से और कीचड़ होने से वाहन चालक और राहगीरों के लिए हादसों का कारण बना हुआ हैं। बरसाती पानी ने व्यापारियों, दुकानदारों व रेहड़ी संचालकों का जीना मुहाल कर दिया है। हाट में बसे लोगों का कहना है कि बरसात के पानी में मक्खी, मच्छर भी पनपने लगे हैं। सफाई नहीं होने से भावी बीमारियों की चिंता सताने लगी है। लोगों ने यह भी बताया की चम्पानगर बाजार बनैली स्टेट चम्पानगर के राजघराने परिवार काली ट्रस्ट के नाम से लाखों रुपए सालाना रेंट वसूली करते आ रहें हैं, परन्तु बाजार का विकास नदारद है। वही दूसरी ओर लोगों ने कोहवारा पंचायत से नगर पंचायत चम्पानगर होने पर अत्यधिक विकास होने के सपने देखे थे, परन्तु विकास का सपना धरा ही रह गया।

प्रदर्शनी मैच में समस्तीपुर को हराकर मुंगेर महिला टीम बनीं विजेता

प्रात : किरण ब्यूरो चीफ

मुंगेर। मेक्नीकल रिक्रियेशन कल्ब जमालपुर की ओर से जेएसए मैदान परिसर में चल आठ दिवसीय अंतर जिला यदुपतिनाथ - गणेश मंडल फुटबॉल टूनामेंट के सातवें दिन एक दिवसीय महिला फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। महिला फुटबॉल मैच में मुंगेर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार कब्जा किया। मैच समस्तीपुर और मुंगेर महिला टीम के बीच आयोजित थी। जिसमें मुंगेर ने समस्तीपुर को 2-0 से हराया है। निर्णायक की भूमिका में रेफरी में संतोष, रामरक्षा, देवराज, रंजीत ने निभाई। इससे पूर्व महिला फुटबॉल मैच का उद्घाटन पूर्व रेलवे इरवो की अध्यक्षा निशा सिंह, तनुजा मंडल सहित अन्य सक्रिय सदस्यों ने परिचय प्राप्त कर किया। मौके पर निशा सिंह ने कहा कि आज लड़किया हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखा रही है। बशर्ते, अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को बढ़ाव

संक्षिप्त खबरें

जन सहकारी कॉलेज प्राचार्य व यूआर ने किया कई समस्याओं पर मंथन

गड़हनी। विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सह सचिव डा. राजू मोची के द्वारा प्रखंड स्थित जन सहकारी डिग्री कालेज बराप का बीते दिन निरीक्षण किया गयो महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा० सुशील कुमार सिंह के साथ प्राचार्य कक्ष में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ब्यवस्था तथा शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों के लम्बित वेतन भुगतान पर विचार-विमर्श किया गया। विश्वविद्यालय प्रतिनिधि सह सचिव एवं प्रभारी प्राचार्य द्वारा मिलकर सभी- समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। मौके पर स्थानीय विधायक प्रतिनिधि आनन्द कुमार, प्रो० अजय कुमार चौबे, काठ विकाश कुमार कुमार अरबिन्द सिह, ओम प्रकाश सिंह, रामसेवक सिंह अरुण सिंह, मृत्युजय सिंह शिक्षकेतर कर्मी शिवनाराय सिंह, अरबिन्द सिंह उपेन्द्र राय, प्रकाश शर्मा, संतोष तिवारी आदि मौजूद थे।

राजद द्वारा अंबेडकर परिचर्चा का दूसरे दिन भी किया गया आयोजन

रक्सौल। लगातार दूसरे दिन भी प्रदेश प्रायोजित अंबेडकर परिचर्चा का आयोजन रक्सौल विधानसभा के रक्सौल प्रखंड के सिसवा और लक्ष्मीपुर लक्ष्मणवा पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया। जिसका संचालन प्रखंड अध्यक्ष सौरंजन कुमार यादव के द्वारा किया गया। इस दौरान रक्सौल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रामबाबू प्रसाद यादव ने कहा कि भाजपा से देश नही संभल रहा है। महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कच्छा तेल की कीमत कम होने के बावजूद भी पेट्रोल और डीजल की दाम में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। सबसे ज्यादा समस्या मिडिल क्लास लोगों को है, उन्होंने कहा कि लोग बीजेपी को वोट देकर अफसोस कर रहे हैं। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने बाबा साहेब के सपनो को साकार करने की शपथ ली। मौके पर युवा नेता रवि मस्करा, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार यादव, मनोज यादव, किशन यादव, रमेश प्रसाद, झींगन महतो, सुखारी पासवान, इंदिरा देवी, देवकी नंदन बहुगुणा, अजय कुमार, संदीप कुमार एवं बाबूलाल यादव आदि मौजूद थे।

जल्द घर आने का दिया था संदेश, तिरंगे में लिपटा आया शव

थाना क्षेत्र के रघो मझौली गांव निवासी बीएसएफ के जवान का पार्थिव शरीर सोमवार की सुबह घर पहुंचा तो परिजन बिलख उठे। गांव में कोहराम मच गया। उसने जल्द घर आने का संदेश भेजा था मगर नियति को यह मंजूर नहीं हुआ। आज तिरंगे में लिपटकर आया रवि रंजन का शव। यह बातें कहते हुए उनकी पत्नी ऋचा कुमारी दहाड़ मार कर रोने लगी। वहीं पुत्री दिव्या कुमारी, प्रगति कुमारी, बेटा गौरव कुमार का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था। अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी जहां राजकीय सम्मान के साथ बीएसएफ जवान का अंतिम संस्कार किया गया।

प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत होने पर कार्यकताओं में उत्साह

तरारी। राष्ट्रीय लोक जनता दल के तरारी प्रखंड अध्यक्ष अजय मेहता के मनोनीत किए जाने से स्थानीय कार्यकर्ता काफी उत्साहित हुए हैं। रविवार को देर शाम पार्टी कार्यालय आरा में रालोजद भोजपुर जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा द्वारा मनोनय पत्र समर्पित कर तरारी प्रखंड अध्यक्ष अजय मेहता को बनाया गया। मिलनसार कर्मठ और संघर्षशील अजय मेहता के हाथों कमान मिलते हीं प्रखंड के कार्यकताओं के बीच उमंग की लहर उमड पड़ी है। तेजतर्रार कार्यकर्ता अशोक मौर्य ने कहा कि अजय मेहता के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक जनता दल प्रखंड में बूथ स्तर पर काफी मजबूत होगी। मौके पर प्रदेश महासचिव संजय मेहता, युवा जिला अध्यक्ष पंकज कुशवाहा मौजूद रहे।

एक माह पहले फरार युवती को पुलिस ने किया बरामद

शाहपुर। शाहपुर थाने की पुलिस ने एक माह पहले फरार युवती को आरा से बरामद कर लिया है। इस संबंध में शाहपुर थाने की दरोगा पूनम कुमारी ने बताया कि पिछले 3 जून को थाना क्षेत्र से एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में ज्योति के परिजनों द्वारा शाहपुर थाने में कांड संख्या:239/ 2023 दर्ज कराया गया था। जिसमें तियर थाना क्षेत्र के उत्तर दाहा गांव निवासी गुड्डू यादव को आरोपित किया गया है। युवती की बरामदगी को लेकर शाहपुर थाने के एसआई संजीव कुमार के नेतृत्व में रविवार की रात तियर थाना क्षेत्र के उत्तरदाहा गांव स्थित आरोपी के घर छापेमारी की गई। जिसके बाद मिले लोकेशन के आधार पर उसी रात आरा स्थित एक ठिकाने पर छापेमारी की गई। जहां से उक्त युवती को बरामद कर लिया गया है। वहीं पुलिस ने बरामद युवती क बयान दर्ज कराने हेतु न्यायालय न्यायालय में भेजा दिया है।

एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन

जिला पदाधिकारी भोजपुर राजकुमार से इस मेले का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके किया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिला के रमना मैदान मे अवस्थित नागरी प्रचारिणी सभा गृह के प्रांगण में एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेले का आयोजन जिला नियोजनालय, भोजपुर की तरफ से किया गया।

इस मेले का विधिवत उद्घाटन जिला पदाधिकारी भोजपुर के द्वारा जिले के कई वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

जिला पदाधिकारी भोजपुर श्री राजकुमार से इस मेले का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके किया गया। दीप प्रज्वलन के समय जिला योजना पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी , श्रम अधीक्षक भोजपुर प्राचार्य आईटीआई, डीआरसीसी के सहायक प्रबंधक उपस्थित थे। जिनमें जिला नियोजनालय की तरफ से जिला कौशल प्रबंधक जिला कौशल विशेषज्ञ उपस्थित रहे । नियोजन मेला के दौरान कुशल

युवा कार्यक्रम के प्रशिक्षित युवाओं को 3 माह के प्रशिक्षण की अवधि के पश्चात प्रमाण पत्रों का भी वितरण किया गया । इसके अलावा 1 जून से 30 जून तक जिले में संचालित शिक्षा विभाग के द्वारा समर कैंप में अपनी भागीदारी समर्पित करने वाले लगभग 40 विद्यार्थी को प्रमाण पत्र जिला नियोजन पदाधिकारी पदाधिकारी एवं योजना पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया।

नियोजन मेला में आए नियोजको के द्वारा स्टेज पर ही 10 युवाओं को नियुक्ति पत्र वरीय पदाधिकारियों के हाथों से वितरित कराया गया। आज के मेला में कुल 3391 अभ्यर्थियों का आगमन हुआ। जिसमें से 2601 अभ्यर्थियों का बायोडाटा प्राप्त हुआ है। 2601 अभ्यर्थियों में से 631 का ऑनस्पॉट सेलेक्शन मेला स्थल पर ही किया गया है। बाकी का चयन साक्षात्कार के बाद किया जाएगा।

इस नियोजन मेला में जिला नियोजन कार्यालय के वरीय लिपिक जनार्दन प्रसाद , जे एस ए सुनील कुमार ,जिला कौशल प्रबंधक संजय कुमार एवं जिला कौशल प्रबंधक राकेश कुमार जिला कौशल विशेषज्ञ दिवेश गुंजन एमजीएनएफ आनंद वर्धन, बबलू कुमार ,अमृता कुमारी, अंकित कुमार अजीत कुमार एवं मंजू कुमारी का सराहनीय योगदान रहा है। जिला प्रशासन की तरफ से आदरणीय जिला पदाधिकारी महोदय से नियोजन मेला में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है ।सभी पदाधिकारियों कर्मियों ने अपना अपना सहयोग अपने स्तर से बेहतर दिया है।

नौकरी छोड़ कर समाज को शिक्षित करने का लिया संकल्प : धर्मेंद्र

डीपीएस स्कूल ने आर्थिक स्थिति से कमजोर परिवार व अनाथ बच्चों के लिया गोद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। अपनी नौकरी छोड़कर समाज को शिक्षित करने का लिया संकल्प, मैं बात कर रहा हूं अरवल जिले के एक छोटे से गाँव के करवाँ हँकार निवासी धर्मेंद्र कुमार रिटायर्ड नेवी ऑफिसर की जिन्होंने अपने प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय रिहंद नगर उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अण्डाल से पुरी किया, इसके बाद 18 वर्ष की उम्र में भारतीय नौसेना ज्वाइन किया, सेना में रहते हुए उन्होंने डिप्लोमा और .. किया, 15 वर्ष उन्होंने नौसेना में सेवा करने के बाद उन्होंने आयरकर इंस्पेक्टर का परीक्षा

पास किया लेकिन इनका मन नौकरी में नहीं लगा, उन्होंने खुद के अपना वर्ष 2019 में अरवल जिले के बैदराबाद स्थित तेजपुरा में दिल्ली पब्लिक स्कूल खोला, लेकिन स्कूल खुलने के कुछ ही दिन बाद करोना वायरस की मार झेलनी पड़ा गोविंड के कारण लॉकडाउन की मार झेला फिर भी उन्होंने हार नहीं माना और बच्चों को ऑनलाइन क्लास कराते रहें, लॉकडाउन के बाद उन्होंने अपने आप को फिर से दिल्ली पब्लिक स्कूल का खड़ा किया, बहुत कम समय में अरवल जिले में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग मुकाम बनाया सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में नहीं उन्होंने खेल के क्षेत्र में भी अरवल जिला का अलग पहचान दिलाया, इनके स्कूल के बच्चे सिर्फ जिला का नहीं बल्कि पूरे बिहार का नाम रोशन किया है, आज धर्मेंद्र कुमार दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल अरवल जिला का नाम पूरे भारत में रोशन किया, क्या किसी पहचान का मोहताज नहीं है, जिले में लोगों के जुबान पर दिल्ली पब्लिक का स्कूल का नाम है, इतना ही नहीं उन्होंने कई गरीब और अनाथ बच्चों को आर्थिक स्थिति के साथ-साथ शिक्षा का भी गोद लिया है, इसका पढ़ाई का पूरा खर्चा खुद स्वयं उठाते हैं, गर्व है कि ऐसे शिक्षक पर जिन्होंने शिक्षा को व्यवसाय नहीं बनाया और समाज को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया है, ऐसे भविष्य में डीपीएस स्कूल में शिक्षा लेनी चाहिए।

महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय का 64 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय का 64 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों शुरूआत डॉ विजयश्री ने रूप में मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय देकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की नवनियुक्त प्रधानाचार्य प्रो० मीना कुमारी ने की। दीप प्रज्वलन के बाद प्रधानाचार्य ने अतिथियों का स्वागत बुके और पौधे देकर किया। मुख्य अतिथि के रूप में महराजा कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो ओम प्रकाश राय तथा अतिथि के रूप में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय की सत्र 2022-2023 पत्रिका (आद्या) का विमोचन किया गया। प्रधानाचार्या ने बताया की ये नौवा अंक प्रसारित हो रहा है। पिछले कुछ सालो से यह पत्रिका नहीं निकल पा रही थी । अब प्रयास किया जाएगा की यह पत्रिका हर साल अपने समय पर निकले । प्रधान संपादक डॉ. विजय श्री ने पत्रिका ने पत्रिका के सफलतापूर्वक निकलने का श्रेय प्रधानाचार्या, डॉ० अनुपमा, डॉ. सुधा निकेतन,

श्रीमती वीनू और शोधार्थी विनीता सिंह, निकिता सिंह, उर्वशी सोनी, राखिल रूही , कुदुशिया नाज , कुमारी बबली प्रसाद तथा अंशुकुलगीत और स्वागत गान की प्रस्तुति महाविद्यालय की छात्राओं बंटी, रिया तथा मंजु के के द्वारा की गयी। अपने वक्तव्य में महाविद्यालय की प्रधानाचार्या ने महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास तथा अस्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया की महंथ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय प्राचीन शाहाबाद जिले का प्रथम तथा वर्तमान मोजपुर जिला का अभी भी एकमात्र अंगीभूत महिला महाविद्यालय है। स्थापना काल में यह महाविद्यालय पटना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध रहा वर्तमान में यह वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय आरा का अंगीभूत महाविद्यालय हैं । इसके पूर्व, यह मगध विश्वविद्यालय बोधगया की अंगीभूत इकाई था। महिला शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए महंथ महादेवानन्द गिरि ने निजी भूमि महाविद्यालय के नाम थी। श्री मदुक धारी सिंह ने निजी आवास आनन्द भवन छात्रावास के लिए महाविद्यालय को दिया। इस प्रकार तीन शिक्षिकाओं , 80 छात्राओं तथा एक आरेशपाल के साथ 10 जुलाई, 1959 की मध्य महंथ महिला महाविद्यालय का उद्घाटन हुआ।

उन्होंने पिछले कुछ सालों में पूरे हुए कार्यो जैसेः सेमिनार, खेल प्रतियोगिता, संगोष्ठी, बेबिनार तथा अन्य प्रतियोगिताओ पर का विस्तारपूर्वक ब्यौरा लिया । उन्होंने कहा, महाविद्यालय शैक्षणिक कार्यो को सफलतापूर्वक करता आया है और आगे भी करता रहेगा। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश राय ने महाविद्यालय के द्वारा किए गए कार्यो की सराहना करते हुए प्रधानाचार्या को बधाई दी और कहा की उनके कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय और प्रगति की ओर अग्रसर रहेगा। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० राजीव कुमार ने शिक्षक तथा छात्राओं की मूलभूत आवश्यकताओ तथा शैक्षणिक माहौल बनाएं रखने पर जोर डाला । कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए एक छोटी सी नृत्य प्रस्तुति क्दअउ ५ङ्ग'४ल्ल३ी१२ कुमारी बबली प्रसाद, अंशु पांडे, मधु कुमारी तथा प्रियंका कुमारी ने की । अंत में क्दअउ श्ङ्ग'४ल्ल३ी१२ के कठिन परिश्रम तथा क्दअउ ऱ्सिं१३ेल्ल३ के सहयोग के लिए उन्हें प्रधानाचार्या प्रो.मीना कुमारी तथा प्रो० ओम प्रकाश राय द्वारा उी१३्रूंश्री देकर सम्मानित किया गया। धन्यावाद्यापन डॉ राजीव कुमार ने किया।

लोककवि भिखारी ठाकुर की 52 वी पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनायी गयी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। डोरीगंज सदर प्रखंड के कुतुबपुर मे मनी लोककवि भिखारी ठाकुर की 52 वी पुण्य तिथि भोजपुरी के शेक्सपीयर कहे जाने वाले लोककवि भिखारी ठाकुर की 52 वी पुण्यतिथि उनके पैतृक गाँव कुतुबपुर मे समारोह पुर्वक मनायी गयी । इस अवसर पर उपस्थित सभी आगत अतिथियों ने कुतुबपुर भिखारी आश्रम स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रधा सुमन अर्पित की ।इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत वेदप्रकाश ठाकुर मंडली द्वारा मंगलाचरण गाकर की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्थानीय मुखिया सत्येंद्र सिंह ने कहा कि भिखारी ठाकुर महान व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे । उन्होंने नाटक के माध्यम से समाज मे फैली कुरीतियों को उजागर करने का काम किया और उससे निजात पाने की सीख दी। इस अवसर पर सदर प्रभारी बीडीओ लालबाबु पासवान स्व भिखारी ठाकुर के प्रपौत्र शिक्षक

राकेश ठाकुर , सुशील ठाकुर, नंदकुमार राम ,शिवनारायण साह , चंदेश्वर बैठा , बेदप्रकाश ठाकुर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि 10 जुलाई वर्ष 1971 को भिखारी का 83 की उम्र मे निधन हो गया उनके निधन के बाद उनके पुत्र दिनकर ठाकुरद्वारा यह ग्रह गीत मालिक जी हो भइलन सपनवा खूब चर्चित हुआ। उनके लिखे गए नाटक के लिए बिहार का ह्यशेक्सपीयरह्ल कहा तो किसी ने उनके रचना के लिए तुलसीदास कहा तो, किसी ने उनके लेख के लिए उन्हें भारतेंदु कहा तो समाज सुधारक कबीर। लेकिन हम बात कर रहे हैं उस ह्यभिखारी ठाकुरह्ल की जिसने उस समय खुद को कबीर तुलसी के पैरलर होने की भविष्यवाणी की थी जिसको उन्होने चैपाई मे लिखा अबहीं नाम भईल बा थोरा ।जब यह छुट जाई तन मोरा।। तेकरा बाद पच्चास बरीसा। तेकरा बाद बीस दस तीसा। ।तेकरा बाद नाम होई जइहन ।पण्डित कवि सज्जन अस गइहन ।। अपनी कलम से उन्होनें भोजपुरी संस्कृति को एक अलग पहचान दिलाई। बिहार के शेक्सपियर ने अपने जिंदगी में एक से बढ़कर रचनाएं की। कला प्रेमियों के बीच बिदेसिया नाटक से जाने जाने वाले भिखारी ठाकुर के अनगिनत नाटक हैं जो लोगों को आज भी याद हैं। मशहूर यायावर लेखक राहुल सांकृत्यायन ने भिखारी ठाकुर को भोजपुरी का शेक्सपीयर कहा था। हालांकि भिखारी ठाकुर एक अलग ही तरह के बहुमुखी व्यक्तित्व थे, और कहना ही हो, तो उन्हें भोजपुरी का कबीर बोलना ज्यादा सही होगा।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत इच्छुक लाभार्थियों को उपलब्ध कराएं स्थायी और अस्थायी साधन: डीएम

11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा अभियान, डीएम ने की समन्वय समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिले में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता के लिए जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा। इसको लेकर जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति, सारण के तत्वाधान में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा से संबंधित समन्वय समिति की बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने बताया की जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े में लक्ष्य निर्धारित कर आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है। जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में व्यापक जागरूकता फैलाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता भी जिला पदाधिकार के द्वारा बताई गयी।

पुरुष नसबन्दी और महिला बंध्याकरण कराने पर मिलेगा प्रोत्साहन राशिः विदित हो कि जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा संपूर्ण जिला में 11 से 31 जुलाई 2023 तक चलाई जाएगी। अभियान में जरूरत मंदों को निःशुल्क सेवाएं

प्रदान करने के साथ प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में प्रदत निःशुल्क सेवाएं एवं उसके अंतर्गत प्रदान की जाने वाली प्रोत्साहन राशि इस प्रकार से है। पुरुष नसबंदी लाभार्थी को 3000 रुपया, उत्परक को 400 रुपया, महिला बंध्याकरण लाभार्थी 2000 रुपया, उत्प्रेरक को 300 रुपया, प्रसव उपरांत बंध्याकरण लाभार्थी को 3000 रुपया, उत्प्रेरक को 400 रुपया, प्रसव उपरांत कॉपर-टी लाभार्थी को 300 रुपया, आशा उत्प्रेरक को 150 रुपया गर्भपात उपरांत कॉपर-टी लाभार्थी को 300 रुपया आशा उत्प्रेरक को 150 रुपया, गर्भनिरोधक सुई (अंतरा) लाभार्थी को 100 रुपया, आशा उत्प्रेरक को 100 रुपया प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी।

इच्छुक दंपति को मिलेगा परिवार नियोजन का साधनः जिला स्वास्थ्य प्रबंधक के द्वारा बताया गया कि इच्छुक दंपति परिवार नियोजन साधनों के उपयोग हेतु अपने क्षेत्र के एएनएम, आशा- आंगनबाड़ी सेविका, विकास मित्र, जीविका दीदी अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क कर सकते हैं।

जनसंख्या स्थिरता पखवाडा को सफल बनाने हेतु आईसीडीएस, जीविका समूह, आशा कार्यकर्ता, सामाजिक संगठन आदि को आपस में समन्वय स्थापित कर शहरी एवं ग्रामीण स्तर तक व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने का आदेश जिला पदाधिकारी के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी डीआईओ, डीसीएम, जिला के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे ।

आरा में सावन की पहली सोमवारी को लेकर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के आरा के सिद्धनाथ मंदिर में सावन की पहली सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा विशेष तैयारी की गई है।

वहीं मंदिर के पुजारियों द्वारा जानकारी दी गई है कि हर सावन में हजारों की संख्या में यहां श्रद्धालु जलावू ले नाथ पर जलाभिषेक करते हैं इसे लेकर लोगों में गहरी आस्था है काफी प्राचीन मंदिर माना जाता है यहां सच्चे मन से जलाभिषेक करने से मन की मुराद पूरी होती है वही बता दें कि खासकर भोलेनाथ पर जलाभिषेक को लेकर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया है साथ ही लोगों की गहरी आस्था को देखते हुए यहां पूजा सामग्री को लेकर वितरण भी किया जा रहा है भोलेनाथ पर जलाभिषेक को लेकर महिला साथ में पुरुषों की लंबी-लंबी कतारें देखने के लिए मिल रही है मंदिर में सावन की पहली सोमवारी को लेकर देखा गया लोगों में गहरी आस्था है।

भोजपुर जिला में मनरेगा द्वारा सघन वृक्षारोपण का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा ।भोजपुर जिला में मनरेगा द्वारा सघन वृक्षारोपण का शुभारंभ किया गया । आयुक्त मनरेगा के निदेशानुसार एवं जिला पदाधिकारी भोजपुर तथा उप विकास आयुक्त भोजपुर के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2023-24 के वृक्षारोपण अभियान को आज गति प्रदान करते हुए भोजपुर जिला के प्रत्येक पंचायत में कम से कम एक यूनिट वृक्षारोपण मनरेगा द्वारा करते हुए वन महोत्सव का आयोजन किया गया ।

वन महोत्सव में उपलक्ष में 50,200 वृक्षारोपण किया गया ।उप विकास आयुक्त से विक्रम विरकर (भा. प्र. से.) द्वारा जलपुरा प्रखंड कोईलवर में अमृत सरोवर के किनारे पौधा लगाया गया । उप विकास आयुक्त के साथ-साथ माननीय प्रमुख-संदेश श्री मनोज कुमार, माननीय मुखिया श्री कसमुद्दीन अंसारी ,जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा श्री प्रवीण कुमार सहायक, निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग भोजपुर नीतिश कुमार ,प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा श्रीमती रंजू कुमारी एवं मनरेगा के कनीय अभियंता श्री अरुण कुमार , अन्य मनरेगा कर्मी तथा ग्राम पंचायत जलपुरा के ग्रामीण उपस्थित थे । उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि इस वितिय वर्ष में मनरेगा द्वारा 4,52,000 पौधे लगाए जाएंगे । इस वर्ष मोरिंगा के बाग लगाने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी एवं सभी लाभुकों को वृक्षारोपण में उपयुक्त होने वाली सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी ।

एसएसबी ने ग्रामीणों के साथ की समन्वय बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर के एसएसबी कैम्प ब्लडीहा में एसएसबी के जवानों चाइल्ड लाइन के टीम मेंबर एवं पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया ।जिसकी अध्यक्षता 48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने किया। इस मौके पर कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने कहा कि भारत नेपाल सीमा क्षेत्र में विभिन्न सामग्री की तस्करी एवं अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ग्रामीणों से सहयोग की अपील की ।उन्होंने कहा कि एसएसबी लोगों के लिए लगातार तरह-तरह की योजना चला रही है। सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को विकास के लिए अधिक से अधिक जागरूक करना एसएसबी का प्रयास है ।कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि हमारे एसएसबी जवान लगातार काम कर रहे हैं सिर्फ आप लोग हमारे एसएसबी जवानों को सहयोग करें और तस्करी पर रोक लगेगी ।इस मौके पर कमला वीपीओ इंचार्ज प्रियंका यादव सहजाद अहमद खान बेलही पश्चिमी पंचायत के मुखिया अवध बिहारी यादव उर्फ रामदास हजरा संरपच मोहम्मद जहाँगीर हाशमी देवधा दक्षिणी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राम कृपाल देवधा उत्तरी पंचायत के मुखिया शम्भु महतो राजकीय प्राथमिक विद्यालय बल्डीहा के प्रिंसिपल रेखा देवी चाइल्ड लाइन जयनगर के कोडिनेटर तारा नन्द ठाकुर सहित कई लोग मौजूद थे।

जिले में 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।आज 74वां वन महोत्सव का आगाज कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की में आदरणीय अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी,आदरणीय आयुक्त(प्रमंडल तिरहूत) एवं डीपीएम (जीविका) अनिशा गांगुली के द्वारा किया गया । इस अवसर पर ,डीएम मुजफ्फरपुर प्रणव कुमार एपीसीसीएफ अरविंदर सिंह, डीएफओ रेवती रमन, नगर आयुक्त नवीन कुमार सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह, उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि के रूप में तिरहूत प्रमंडल के आयुक्त सम्मानीय गोपाल मीना मौजूद रहे। उक्त अवसर पर सभी गणमान्य लोगों के द्वारा पौधा रोपण किया गया एवं वन तथा पर्यावरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। उक्त अवसर पर सबो के द्वारा पौधा रोपण को लेकर संकल्प लिया गया गया जिसमें जीविका के द्वारा आज स्वयंसहायता समूह के द्वारा 19213 पौधा रोपण किया गया एवं 21645 गड्ढा खोदे गए जिसमे लगातार वृक्षारोपण का कार्य किया जाएगा। इसके बाद समाहरणालय मुजफ्फरपुर में भी वन महोत्सव कार्यक्रम हुआ जिसमे डीएम श्री प्रणव कुमार के द्वारा वृक्षारोपण का महत्व बताया गया एवं द्रुत गति से वृक्षारोपण के कार्यो को करने का सभी विभाग को निर्देश दिया ।उन्होंने कहा की आज जिले के सभी कार्यालयों में पौधारोपण किया जा रहा है ।10 लाख पौधा लगाने का लक्ष्य है। डीडीसी, डीपीआरओ द्वय वन प्रमंडल पदाधिकारी डीपीएम जीविका द्वारा पौधारोपण किया गया। उक्त मौकों पर जीविका के डीपीएम अनिशा गांगुली ने जीविका की ओर से अगले एक सप्ताह में एक लाख से अधिक वृक्ष स्वयं सहायता समूह को प्रेरित कर वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा। अंत मे धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह समाप्ति की घोषणा की गई।

अंतरिक्ष क्षेत्र के वैश्विक बाजार में पैठ बनाने में जुटे भारतीय स्टार्टअप, पीएम मोदी ने बढ़ाई उम्मीद

नई दिल्ली , एजेंसी। अपनी कक्षा में घूमते सैटेलाइट पर फिर से ईंधन भरने का लक्ष्य हो या फिर जलवायु परिवर्तन से बिगड़ती पृथ्वी की सेहत के बारे में जानकारी जुटाना, भारतीय स्टार्टअप हर तरह की सेवाएं देने में पूरी तरह सक्षम हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़े वाणिज्यिक अवसरों के बीच ऐसे तमाम स्टार्टअप विश्व बाजार में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में जुटे हैं।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में फोकस करने, दो साल पहले आर्टमिस करार का हिस्सा बनने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के बाद उन्हें विशिष्ट बाजार तक पहुंच हासिल होने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने 2020 में अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को खोला था और तबसे लेकर अब तक 150 से अधिक ऐसे स्टार्टअप उभरे हैं जो रॉकेट और उपग्रहों के निर्माण, अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा देने और अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाएं तलाशने जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।उद्योग जगत के जुड़े दिग्गजों का मानना है कि निर्यात नियंत्रण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण जैसे मसले हल होने से निजी खिलाड़ियों के मौके और बढ़ेंगे। मनस्तु स्पेस के सह-संस्थापक तुषार जाधव कहते हैं, यह अच्छी शुरुआत है, क्योंकि 10-15 साल पहले अमेरिका के लिए किसी अंतरिक्ष या रक्षा-संबंधी तकनीक की आपूर्ति के बारे में सुना भी नहीं जाता था। तब यह अकल्पनीय था। अब हम इन क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने की बात कर रहे हैं।

प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद

मुंबई स्थित मनस्तु उपग्रहों के लिए हरित प्रोपल्शन सिस्टम विकसित कर रहा है और उसे आगामी वर्ष में परीक्षण उड़ान के दौरान अपनी तकनीक पर मुहर लगने की उम्मीद है। इसके अलावा यह स्टार्टअप कक्षा में घूमते सैटेलाइट में ईंधन भरने की सेवा प्रदान करने के लिए अंतरिक्ष में एक ईंधन स्टेशन की डिजाइन पर भी काम कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट (सेवानिवृत्त) कहते हैं, अंतरिक्ष क्षेत्र में कई प्रौद्योगिकियां दोहरे उपयोग वाली हैं, लेकिन अब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि अब इसके लिए प्रक्रिया आसान होगी।

लगातार रच रहे इतिहास

हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस ने महज चार साल में पहली बार निजी तौर पर निर्मित अंतरिक्ष रॉकेट विक्रम-एस रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रचा। इसरो के पूर्व वैज्ञानिकों द्वारा स्थापित यह कंपनी अब छोटे उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए विक्रम श्रृंखला के रॉकेट विकसित कर रही है। चेन्नई स्थित अग्निकुल कॉसमॉस ने पिछले साल श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के भीतर अपने खुद के लॉन्चपैड का उद्घाटन किया, जहां से इसरो अपने अंतरिक्ष प्रक्षेपण करता है। चूंकि भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष डेटा की मांग बहुत कम है, घरेलू निजी खिलाड़ी अपने उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तलाश रहे हैं।

स्टार्टअप कंपनियों में 2023 की पहली छमाही में निवेश चार साल में सबसे कमः पीडब्ल्यूसी इंडिया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में निवेश 2023 की पहली छमाही में 36 प्रतिशत गिरकर 3.8 अरब डॉलर रह गया है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, निवेशक व्यवसाय के हर पहलू की उचित जांच में अधिक समय ले रहे हैं। रिपोर्ट 'स्टार्टअप परिप्रेक्ष्य- पहली छमाही 2023 में कहा गया है कि मात्रा के हिसाब से कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही में कुल निवेश का 57 प्रतिशत शुरुआती स्तर के सौदों के रूप में मिला।

मूल्य के हिसाब से शुरुआती स्तर के सौदों का 2023 की पहली छमाही के कुल निवेश का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा रहा लेकिन पिछले साल से तुलना करने पर यह सबसे निचला स्तर बैठता है। इसमें कहा गया, भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले चार साल में सबसे कम निवेश कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही में रहा। इस दौरान निवेश का आंकड़ा 298 सौदों के

लिए 3.8 अरब डॉलर रहा, जो 2022 की पहली छमाही में आए 5.9 अरब डॉलर से लगभग 36 प्रतिशत कम है। जनवरी-जून, 2023 में सबसे ज्यादा निवेश पाने वाले क्षेत्र वित्तीय प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर सेवा (एसएएएस), डी2सी रहे। रिपोर्ट के अनुसार, पिछली कुछ तिमाहियों के दौरान चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों के बावजूद, निवेशकों ने सकारात्मक वृद्धि करने वाली कंपनियों में अपने निवेश को दोगुना करके अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के लिए मजबूत समर्थन दिखाया है।

सकारात्मक संकेतकों से पहली तिमाही में कारोबारी भरोसा बढ़ाः सीआईआई सर्वे

नई दिल्ली , एजेंसी। सीआईआई का कारोबारी विश्वास सूचकांक अप्रैल-जून तिमाही में इससे पिछली तिमाही की तुलना में बढ़कर 66.1 हो गया है। जनवरी-मार्च की तिमाही में यह 64 पर था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह, हवाई और रेल यात्रियों की संख्या जैसे आंकड़ों में बढ़ोतरी से सकारात्मक रुझान का पता चलता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कारोबारी परिदृश्य सर्वे में शामिल 180 कंपनियों में से 63 प्रतिशत का कहना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) वृद्धि दर छह से सात प्रतिशत रहेगी। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 7.2 प्रतिशत के आंकड़े से कम है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं का असर भारत की वृद्धि दर पर भी पड़ेगा।

सर्वे में कहा गया है, ''वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने के लिए जरूरी है कि केंद्रीय बैंक प्रमुख नीतिगत दरों में बदलाव नहीं करे। सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत कंपनियों को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में रिजर्व बैंक प्रमुख ब्याज दर के मोर्चे पर यथास्थिति बनाए रखेगा। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत कंपनियों का कहना था कि चालू वित्त वर्ष में निजी निवेश की रफ्तार कायम रहेगी। सर्वे के नतीजों से यह भी पता चलता है कि 62 प्रतिशत प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि वैश्विक वृद्धि सुस्त रहेगी। भू-राजनीतिक संकट चालू वित्त वर्ष में प्रमुख कारोबारी चिंता रहेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सीआईआई के कारोबारी विश्वास सूचकांक में जो सकारात्मक रुख दिखाई दिया है, वह उत्साहजनक है। मांग में सुधार से कई क्षेत्रों में क्षमता इस्तेमाल बढ़ा है जिससे इस साल निजी निवेश को और रफ्तार मिलेगी। सर्वेक्षण के अनुसार, रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दर में बढ़ोतरी को रोकने से भारतीय उद्योग जगत के लिए पूंजी की लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिससे नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा और निजी पूंजीगत व्यय बढ़ेगा। सर्वे में शामिल आधी से ज्यादा यानी 52 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि अप्रैल-जून में क्षमता इस्तेमाल 75 से 100 प्रतिशत के बीच रहेगा।

जीएसटी : कंपनी या कारोबारी को ज्यादा आईटीसी के दावे की अब बतानी होगी वजह, बैठक में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली , एजेंसी। जीएसटी परिषद एक नया नियम लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी या कारोबारी को अधिक इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) के दावे का कारण बताना होगा। साथ ही अतिरिक्त राशि सरकारी खजाने में जमा करानी होगी। विधि समिति का विचार है कि सेल्फ जेनरेटेड आईटीसी व जीएसटीआर-3बी रिटर्न में दायर आईटीसी में बहुत अंतर मिलने पर जीएसटी में पंजीकृत व्यक्ति को इसके बारे में बताना होगा या अतिरिक्त आईटीसी को ब्याज के साथ लौटाना होगा। जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी में घोषित टैक्स देनदारी में अंतर 25 लाख रुपये या 20 फीसदी की तय सीमा से अधिक है, वहां कारोबारियों को इसकी वजह बताने या शेष कर को जमा कराने के लिए कहा जाएगा। जीएसटी परिषद की 11 जुलाई को होने वाली 50वीं बैठक में समिति की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

ओएनडीसी : जारी होगा स्पष्टीकरण

जीएसटी परिषद ओएनडीसी के जरिये ई-कॉमर्स कारोबार करने वाले आपूर्तिकर्ताओं पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की देनदारी पर

स्पष्टीकरण जारी करेगी। ऐसे आपूर्तिकर्ताओं पर परिषद स्पष्टीकरण जारी करेगी, जहां एक लेनदेन में कई परिचालक शामिल हैं।

फर्जी चालान पर लगाम लगाने का है उद्देश्य

पंजीकृत व्यक्ति को जीएसटीआर-1 का मासिक विवरण भरने की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए, जब तक उसने अधिकारी को गड़बड़ियों के बारे में संतुष्ट न कर दिया हो या अतिरिक्त आईटीसी दावे को लौटा न दिया हो। इसका उद्देश्य फर्जी चालान पर अंकुश लगाना है। वस्तुओं-सेवाओं की सही आपूर्ति के बिना आईटीसी का लाभ उठाने को इसका इस्तेमाल होता है।

150 रुपये के पार पहुंची टमाटर की कीमत

नई दिल्ली , एजेंसी। टमाटर की आसमान छूती कीमत ने आम लोगों के घर का बजट बिगाड़कर रख दिया है। देश के कई शहरों में इसकी कीमत 150 रुपये से अधिक है। उम्मीद की जा रही थी कि 15 जुलाई के बाद इसकी कीमत में गिरावट आ सकती है। लेकिन हाल-फिलहाल टमाटर की कीमत में कमी आने की कोई संभावना नहीं है। बल्कि इसकी कीमत और बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में 150 रुपये किलो टमाटर खरीदने के लिए भी आपको मोलभाव करना पड़ सकता है। हिमाचल प्रदेश में हो रही भारी बारिश से टमाटर की तुड़ाई नहीं हो पा रही है और ट्रांसपोर्टेशन में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं। इस समय देश में हिमाचल से ही ज्यादातर सप्लाई होती है। लेकिन अभी देश के अधिकांश हिस्सों में बेंगलुरु से सप्लाई हो रही है।

देश के उत्तरी राज्यों में हो रही भारी बारिश के कारण टमाटर के

साथ-साथ बंदगोभी, फूलगोभी, खीरे और साग की कीमत भी बढ़ सकती है। बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉर्टीकल्चर रिसर्च के डायरेक्टर एसके सिंह ने कहा कि उत्तरी राज्यों खासकर हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से टमाटर, बंदगोभी, फूलगोभी और शिमला मिर्च की अधिकांश खड़ी फसल बर्बाद हो जाएगी। जल जमाव के कारण वायरस और विल्ट फसल को खराब कर देंगे। इससे इन सब्जियों की सप्लाई प्रभावित होगी और कीमत ऊपर जाएगी।

दाल भी हो सकती है महंगी

इस सीजन में बंदगोभी, फूलगोभी और शिमला मिर्च की ज्यादातर सप्लाई हिमाचल से होती है। हिमाचल से न केवल दिल्ली बल्कि अधिकांश राज्यों में इसकी सप्लाई होती है। सिंह ने कहा कि सब्जियों की कीमत बढ़ने से लोग दालों का रुख करते हैं। इससे दालों की कीमत में और इजाफा हो सकता है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने हाल में भारी बारिश हुई है। दिल्ली में आठ जुलाई को इतनी बारिश हुई कि 40 साल का रेकॉर्ड टूट गया। भूस्खलन के कारण कई सड़के बंद कर दी गई हैं। इससे पहाड़ों से मैदान के लिए फलों और सब्जियों का ट्रांसपोर्ट रुक गया है।

कब तक मिलेगी राहत

दिल्ली की आजादपुर मंडी में टमाटर ट्रेडर अमित मलिक ने कहा कि एक हफ्ते में टमाटर की होलसेल कीमत 140 से 150 रुपये तक जा सकती है। भारी बारिश के कारण उत्तरी राज्यों से सप्लाई में कमी आएगी। होलसेल मार्केट में अभी टमाटर की कीमत 40 से 110 रुपये है जबकि इसकी खुदरा कीमत 100 से 160 रुपये किलो है। पिछले साल हुए नुकसान के कारण किसानों ने इस बार टमाटर की खेती से परहेज किया था।

न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी के नियम को पूरा करने के लिए बीओआई की शेयर बिक्री की योजना

नई दिल्ली , एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) 25 प्रतिशत की न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की जरूरत को पूरा करने के लिए अगले एक साल के दौरान निवेशकों को शेयर बिक्री की संभावना तलाश रहा है। अभी मुंबई के इस बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 81.41 प्रतिशत है। बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश कर्नाटक ने कहा, ''हम भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता के नियम को पूरा करने की संभावना तलाश रहे हैं।

अडानी समूह ने तीन कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर 1.4 अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली , एजेंसी। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी ने समूह की तीन कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर 1.38 अरब डॉलर (11,330 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। इस तरह पिछले चार साल में अडानी समूह नौ अरब डॉलर से अधिक की राशि जुटा चुका है और उसने विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों को आकर्षित किया है। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में काम करने वाले समूह ने एक बयान में कहा, ''समूह परिवर्तनकारी पूंजी प्रबंधन कार्यक्रम की 10 साल की रूपरेखा को पूरा करने के लिए पूंजी जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम 2016 में विभिन्न पोर्टफोलियो कंपनियों की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शुरू किया गया था।

ताजा उदाहरण देखें, तो अडानी परिवार ने तीन पोर्टफोलियो कंपनियों- अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड में हिस्सेदारी बिक्री के जरिए 1.38 अरब डॉलर (11,330 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। यह अगले एक से डेढ़ साल के दौरान समूह के लिए पूंजी की ऊंची उपलब्धता सुनिश्चित करेगा और साथ ही पोर्टफोलियो कंपनियों के लिए ऋण और इक्विटी की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त तीन पोर्टफोलियो कंपनियों को निवेशकों को शेयर बिक्री के माध्यम से प्राथमिक निर्गम के लिए निदेशक मंडल की मंजूरी भी मिल गई है।

पेप्सिको अपना लेज चिप्स बनाने के लिए एक विशेष किस्म के आलू का करती है उपयोग

नई दिल्ली , एजेंसी। आलू के चिप्स किसे पसंद नहीं होते। लेकिन 10 रुपये का चिप्स का पैकेट खोलो तो निकलते हैं कुल 5-7 सात चिप्स और खूब सारी हवा। पर चिप्स बनने तो आलू के ही हैं और वो तो बहुत सस्ता है। आप में से कईयों ने घर पर आलू के चिप्स बनाने की कोशिश की होगी। एक किलो आलू में ही खूब सारे चिप्स बन जाते हैं। इतने कम दाम में इतने सारे चिप्स देखकर मन ही मन आप बहुत खुश हुए होंगे। लेकिन घर के चिप्स जब खाए तो मिला क्या? सिर्फ मलाल... क्योंकि लेज के चिप्स में जो स्वाद आता है।

आईआईएसईआर भोपाल में 378 स्नातक छात्रों की उपस्थिति में मनाया गया10वां दीक्षांत समारोह

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल (आईआईएसईआर भोपाल) द्वाराआज (8 जुलाई 2023)को आयोजितकिये गए 10वें दीक्षांत समारोह के दौरान 378 छात्रों (269 छात्रऔर 109 छात्रा) को विभिन्न विषयों के लिए उपाधियाँ डिग्रियां प्रदान की गई।

इस अवसर पर श्री वात्सल्य शरण (बीएस-एमएस, भौतिकी विभाग) को सर्वोत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 2023 के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया वहीं श्री पदमानव बरुआ (बीएस-एमएस, जैविक विज्ञान विभाग) को बीएस-एमएस (दोहरी डिग्री) के सभी विषयों में उत्कृष्ट उपलब्धि और बेहतरनेतृत्व के लिएनिदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर दीपक धर, प्रतिष्ठित प्रोफेसर एमेरिटस और एनएएसआई-वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईएसईआर पुणे ने मुख्य अतिथि

के रूप में इस अवसर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।प्रोफेसर ज्येष्ठराज भालचंद्र जोशी, अध्यक्ष, शासक मण्डल, आईआईएसईआर भोपाल, पूर्व निदेशक, आईसीटी मुंबई द्वारा हाइब्रिड मोड में कार्यक्रम की अध्यक्षता की गयी। कार्यवाहक कुलसचिव श्री गौरव अवस्थी द्वारा दीक्षांत समारोह-2023 की शैक्षिक शोभायात्रा का नेतृत्व किया गया। डॉ. राम कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले एवं डॉ. स्निग्धा ठाकुर,सह-अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले द्वारासमारोह का संचालन किया गया। आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक प्रो. शिवा उमापति ने दीक्षान्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा संस्थान शीर्ष स्थान की दिशा में आगे बढ़ रहा है और हम अपने प्रयासों से अगले पाँच वर्षों में शीर्षस्थ 10 प्रतिशत स्थानों में पहुँच जाएंगे। हम सदैव अपने छात्रों को नवाचार (इनोवेशन) के लिए उत्साहित करते हैं ताकि वे पेटेंट के रूप में अपनी बौद्धिक संपदा का लोहा मनवा सकें।

एफपीआई ने जुलाई में अब तक भारतीय शेयरों में 22,000 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली , एजेंसी। अनिश्चित वृहद वैश्विक परिदृश्य के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,000 करोड़ रुपए डाले हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''अगर यह रुख जारी रहती है, तो जुलाई में एफपीआई का निवेश मई और जून से अधिक हो जाएगा। मई में एफपीआई का शेयरों में निवेश 43,838 करोड़ रुपए और जून में 47,148 करोड़ रुपए रहा था।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई मार्च से लगातार भारतीय शेयर बाजार में लिवाल रहे हैं। इस महीने सात जुलाई तक उन्होंने शेयरों में 21,944 करोड़ रुपए डाले हैं। मार्च से पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी और फरवरी में शेयरों से कुल मिलाकर 34,626 करोड़ रुपए निकाले था। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि भारत का अन्य देशों की तुलना में अधिक वृद्धि के अनुकूल बाजार के रूप में उभरना विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा रहा है। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक- प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि एफपीआई की लिवाली की मुख्य वजह यह है कि अनिश्चित वृहद वैश्विक रुख के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है।

मुंह के बल गिरे सोने के भाव, चांदी भी हुई धड़ाम

नई दिल्ली , एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोना गिरावट के साथ 58 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब आ गया है। जानकारों के मुताबिक, इस समय सोना खरीदा जा सकता है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने-चांदी के भाव लुढ़के हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार की सुबह 4 अगस्त 2023 को डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 58739 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह शुक्रवार की शाम को 58782 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अक्टूबर 2023 को डिलीवरी वाला सोना लुढ़कर 59112 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। यह बीते शुक्रवार की शाम को 59124 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

चांदी के भाव भी लुढ़के

सोने में गिरावट के साथ चांदी के भाव भी लुढ़क गए हैं। चांदी की कीमतों में सोमवार की सुबह गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स पर सोमवार की सुबह 5 सितंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 71284 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर खुला है। वहीं 5 दिसंबर 2023 को डिलीवरी वाली चांदी का भाव 72612 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला है। सोने की वैश्विक कीमतों में सोमवार की सुबह गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.20 फीसदी या 3.90 डॉलर की गिरावट के साथ 1928.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 0.16 फीसदी या 3.00 डॉलर की गिरावट के साथ 1922.05 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। कॉमेक्स पर चांदी का वैश्विक वायदा भाव में सोमवार की सुबह गिरावट देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोमवार की सुबह चांदी 0.21 फीसदी या 0.05 डॉलर की गिरावट के साथ 23.24 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी की वैश्विक हाजिर कीमत भी गिरावट के साथ 23.03 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी।

तीरंदाजी: रिकर्व वर्ग में युवा विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बने पार्थ सालुंखे

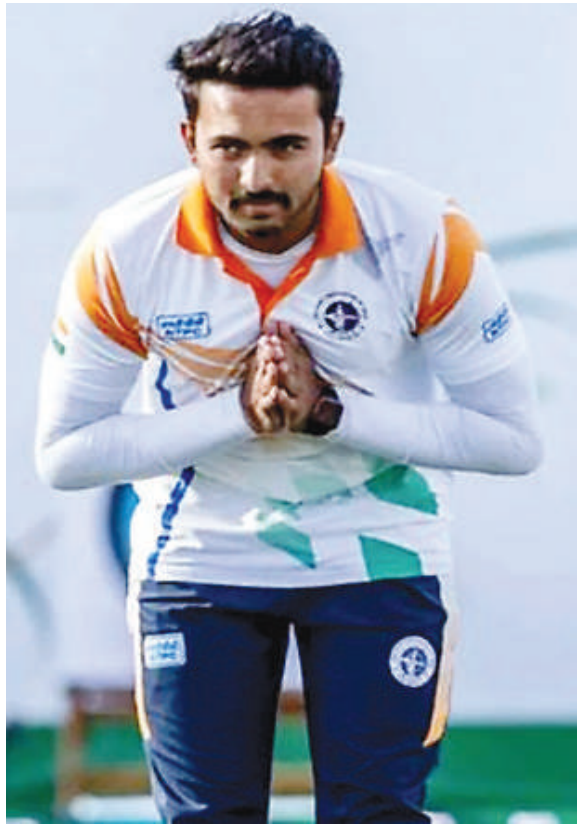

लिमरिक (आयरलैंड),एजेंसी। पार्थ सालुंखे युवा विश्व चैंपियनशिप के रिकर्व वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाले देश के पहले पुरुष तीरंदाज बने, जिससे भारत ने अपने अभियान को 11 पदकों के साथ समाप्त किया। युवा विश्व चैम्पियनशिप में यह देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

महाराष्ट्र के सतारा के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को यहां अंडर-21 पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत फाइनल में कोरिया के तीरंदाज को हराकर सोने का तमगा हासिल किया। रैंकिंग राउंड में शीर्ष पर रहने वाले सालुंखे ने सातवीं वरीयता प्राप्त सोंग इंजुन को पांच सेट के कड़े मुकाबले में 7-3 (26-26, 25-28, 28-26, 29-26, 28-26) से हराया। भारत ने अंडर-21 महिला रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। कांस्य पदक मुकाबले में भाजा कौर ने चीनी ताइपे की सु सीन-यू को 7-1 (28-25, 27-27, 29-25, 30-26) से हराया।

भारत का अभियान छह स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ, जो कुल पदकों की संख्या के मामले में सर्वोच्च था। टीम हालांकि रैंकिंग के मामले में कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रही। कोरिया ने छह स्वर्ण और चार रजत पदक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इंजुन ने पहले छह तीर से दो परफेक्ट 10 और तीन 9 अंक वाले निशाना साधा जिससे सालुंखे 1-3 से पिछड़ गए।

इस पर्व राष्ट्रीय चैंपियन ने दबाव से वापसी करते हुए तीसरा सेट दो अंकों से जीत कर स्कोर 3-3 कर दिया। संखुले ने इसके बाद अपनी लय बरकरार रखी जबकि इंजुन पर दबाव में बिखर गए। सालुंखे ने 10 अंक के दो और एक 9 अंक का एक निशान साध कर 5-3 की बढ़त हासिल कर ली और फिर दो एक्स (निशाने के बिलकुल बीच में) के साथ शानदार अंत किया। शिक्षक के बेटे सालुंखे की प्रतिभा को पहली बार 2021 में कोच प्रवीण सावंत ने पहचाना था। सालुंखे ने इसके बाद सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में राम अवदेश से प्रशिक्षण लिया। वह युवा विश्व चैंपियन बनने वाले भारत के पहले पुरुष तीरंदाज है।

लक्ष्य सेन ने जीता कनाडा ओपन 2023 का खिताब

● चीन के ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग पर जीत हासिल की

कैलगरी (कनाडा), एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने सोमवार तड़के चीन के ली शी फेंग को सीधे सेटों में 21-18 और 22-20 से हराकर कनाडा ओपन 2023 में पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। 21 वर्षीय लक्ष्य सेन ने मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग पर जीत हासिल की।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन ने 2022 में इंडियन ओपन जीतने के बाद अपना दूसरा क्ष्ड्डस्न विश्व टूर हासिल किया। कनाडा ओपन के राउंड 32 में लक्ष्य सेन का शुरुआती मुकाबला थाईलैंड के बैडमिंटन खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसार्न से था। सेन ने उन्हें 21-18 और 21-15 से हराया। इसके बाद राउंड 16 में लक्ष्य सेन का सामना ब्राजील के यगोर कोएल्हो डी ओलिवेरा से हुआ जिसे उन्होंने 21-15 और 21-11 से जीता।

क्वार्टर फाइनल में उनका सामना जर्मन बैडमिंटन खिलाड़ी जूलियन कैरागी से हुआ। लक्ष्य सेन का यह एकमात्र मैच था जो कनाडा ओपन में तीसरे सेट तक गया। सेन ने पहला सेट 21-8 से जीता लेकिन दूसरे सेट में जर्मन खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी और 21-17 से स्टेज जीत लिया। आखिरकार सेन ने तीसरे सेट में 21-10 से जीत हासिल कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल में 21 वर्षीय खिलाड़ी ने जापान के केंटा निशिमोटो को 21-17 और 21-14 से हराया। फाइनल में लक्ष्य का सामना चीन के ली शी फेंग से हुआ और उन्होंने सीधे सेटों में हराकर खिताबी जीत हासिल की। इस बीच डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु अपने महिला एकल सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 जापान की अकाने यामागुची से 14-21, 15-21 से हारने के बाद फाइनल का टिकट कटाने में असफल रहीं।

नरेन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, नाइट राइडर्स ने बनाया कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी।

वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी सुनील नरेन 2023 मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के उद्घाटन संस्करण में नाइट राइडर्स ग्रुप के स्वामित्व वाले लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। यूएसए-आधारित टूर्नामेंट 14 से 31 जुलाई तक दो स्थानों पर खेला जाएगा जिसमें छह टीमें मैदान में होंगी। एमआई न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स, सिएटल ऑर्कास, टेक्सास सुपर किंग्स और वाशिंगटन फ्रीडम एमएलसी में प्रतिस्पर्धा करेंगी। एंजिल्स नाइट राइडर्स 14 जुलाई को, नाइट राइडर्स टेक्सास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के सह-स्वामित्व वाले टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ अपने एमएलसी अभियान की शुरुआत करेंगे।

नरेन और उनके कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम के साथी आंद्रे रसेल एमएलसी में एलए नाइट राइडर्स के लिए शामिल होने वाले दो बड़े नाम हैं। नाइट राइडर्स टीम में अन्य प्रमुख सितारों में लॉकी फर्ग्यूसन, जेसन रॉय, रिले रोसौव, मार्टिन गुप्टिल और एडम जम्पा शामिल हैं। अनुभवी स्पिनर ने कप्तान नियुक्त किए जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह हमेशा से किसी भी लीग में नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करना चाहते थे। टीम में कई अनुभवी खिलाड़ियों के साथ 35 वर्षीय खिलाड़ी को उम्मीद है कि वे पहले सीजन में सफल हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा इस बारे में बात की है कि नाइट राइडर्स जहां भी खेलें वहां उनका प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। हमने लंबे समय से संयुक्त राज्य अमरीका में आने के बारे में बात की है और मुझे खुशी है कि आखिरकार यह हो रहा है। इस टीम के कप्तान के रूप में मैं चुनौती का इंतजार कर रहा हूं। इस टीम में बहुत सारे अनुभवी लोग हैं जिनके बारे में मैं जानकारी दे सकता हूं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक समय होगा।

श्रीलंका ने विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में नीदरलैंड को 128 रन से रौंदा

हरारे। दिलशान मदुशंका (18 रन पर तीन विकेट) और महीश तीक्षणा (31 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने शनिवार को यहां एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में नीदरलैंड को 128 रन के बड़े अंतर से शिकस्त देकर इस प्रारूप में लगातार 10वीं जीत दर्ज की। ये दोनों टीमें इस साल पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं। इस जीत से श्रीलंका विश्व कप में क्वालीफायर एक और नीदरलैंड क्वालीफायर दो के रूप में टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा।पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद श्रीलंका की टीम 47.5 ओवर में 233 रन पर आउट हो गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की पूरी पारी 23.3 ओवर में 105 रन पर सिमट गयी।

कोहली बन सकते हैं टेस्ट कप्तान: एमएसके प्रसाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद को लगता है कि अगर चयनकर्ता रोहित शर्मा से आगे देखें तो विराट कोहली टीम इंडिया के कप्तान बन सकते हैं। हार्दिक पांड्या टी20 टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और उम्मीद है कि विश्व कप 2023 के बाद उन्हें वनडे कप्तानी मिल जाएगी।दूसरी ओर, रोहित खेल के सबसे लंबे प्रारूप में सफल नहीं रहे हैं, चोट की समस्या भी उनके प्रदर्शन में बाधा बन रही है। खेल नाउ के साथ अपने साक्षात्कार के दौरान, प्रसाद से हार्दिक पंड्या के सफेद गेंद के कप्तान बनने और रोहित के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व की भूमिका बरकरार रखने के बारे में सवाल किया गया था। प्रसाद ने कहा,मैं चयन समिति की मानसिकता नहीं जानता। विराट कोहली भी एक विकल्प हैं और रोहित शर्मा की जगह ले सकते हैं। अगर चयनकर्ता मौजूदा कप्तान से इतर सोचें तो वह टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का नेतृत्व कर सकते हैं। मुझे नहीं पता कि विराट दोबारा टीम का नेतृत्व करने के बारे में क्या सोचते हैं। अगर चयनकर्ता नया कप्तान नियुक्त करने के इच्छुक हैं तो विराट निश्चित तौर पर कप्तानी संभाल सकते हैं।

त्रिकूद खिलाड़ी चित्रावल, भाला फेंक खिलाड़ी रोहित चोट के कारण एशियाई चैंपियनशिप से हटे

नयी दिल्ली। त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावल और भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव चोट के कारण बुधवार से शुरू होने वाली एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हट गये। इन दोनों खिलाड़ियों के हटने से भारत की पदक संभावनाओं को झटका लगा है। मौजूदा सत्र में सबसे अधिक दूरी तय करने वाले लंबी कूद एथलीट जेसविन एल्ड्रिन को भी 54 सदस्यीय टीम से बाहर रखा गया था। फिटनेस समस्या के कारण 30 जून को लुसाने डायमंड लीग से हटने के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी संदिग्ध हो गई थी।

यादव और चित्रावल उस टीम के साथ नहीं थे जो शनिवार रात दिल्ली और बेंगलुरु से रवाना हुई थी। टीम के एक कोच ने रविवार को पीटीआई को बताया, ''हां, केवल जेसविन ही नहीं, प्रवीण चित्रावल और रोहित यादव ने भी चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।'' यादव कोहनी की समस्या के कारण बाहर हुए हैं, जबकि चित्रावल की चोट के बारे में पता नहीं है। इस बीच यह भी पता चला है कि 400 मीटर के धावक मोहम्मद अनस और अंजलि देवी भी बैंकॉक जाने वाली टीम के साथ नहीं गए थे। हालांकि इसका कारण पता नहीं चल पाया।

लोग हद से ज्यादा ही आगे बढ़ रहे हैं, रोहित की कप्तानी की आलोचना करने वालों को हरभजन का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के महान स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा को आने वाले महीनों में समर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि लोग उनकी कप्तानी की आलोचना कर रहे हैं। भारतीय कप्तान को प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों की आलोचना का सामना करना पड़ा है जिसमें महान सुनील गावस्कर भी शामिल हैं। गावस्कर ने महसूस किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनका नेतृत्व अपर्याप्त था।

हरभजन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के अगले टेस्ट मैच से पहले कहा, %मुझे लगता है कि लोग हद से ज्यादा ही आगे बढ़ रहे हैं... जिस तरह से रोहित की आलोचना की गई है। क्रिकेट एक टीम खेल है और एक व्यक्ति आपको एक स्थान से दूसरे स्थान तक नहीं ले जा सकता है। टीम इंडिया ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, और हां, आप उस प्रदर्शन के बारे में बात करें और वहां से आगे बढ़ें। लेकिन अकेले रोहित की आलोचना करना अनुचित है कि वह रन नहीं बना रहे, वजन बढ़ा रहे हैं, अच्छी कप्तानी नहीं कर रहे हैं।

पूर्व स्पिनर ने कहा, मैंने उसके (रोहित) साथ खेला है और उसे करीब से देखा है। उसे न केवल मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में बल्कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में भी बहुत सम्मान मिलता है। इसलिए मुझे लगता है कि हाल के परिणामों के आधार पर उसका आकलन करना अनुचित है। वह अच्छा आएगा और हमें उस पर विश्वास दिखाने की जरूरत है और हमें उसका समर्थन करने की

जरूरत है न कि यह कहने की कि आप यह या वह नहीं कर रहे हैं।

हरभजन ने उम्मीद जताई कि रोहित को बीसीसीआई से उनके पूर्ववर्तियों की तरह ही समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा,अगर आपको बीसीसीआई से समर्थन प्राप्त है, तो आप स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं। सिर्फ एमएस धोनी या विराट कोहली ही नहीं, अगर आप थोड़ा और पीछे जाएं तो कई कप्तानों को उस समय के बीसीसीआई अध्यक्षों से समर्थन मिला है। रोहित को बीसीसीआई से समर्थन मिल रहा होगा। मुझे नहीं पता कि उसे कितना समर्थन मिल रहा होगा (हालांकि)। इस तरह का समर्थन मिलने से उसे सही समय पर सही तरह का निर्णय लेने में मदद मिलेगी। उसे वह स्वतंत्रता मिलेगी यदि उसे समर्थन है। रोहित के लिए समर्थन होना चाहिए जैसे कि बीसीसीआई ने अपने सभी कप्तानों को दिया है।

कमेंट्री बॉक्स में नजर आएंगे इशांत शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को अचानक बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है। वह लंबे समय से भारतीय टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे, लेकिन उनकी एक अन्य जिम्मेदारी के साथ वापसी हुई है।

दरअसल, इशांत अब कमेंट्री बॉक्स में नजर आएंगे। वह एक कमेंटेटर के रूप में अपनी शुरूआत कर रहे हैं। 34 वर्षीय तेज गेंदबाज इशांत भारत और विंडीज के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज़ में कमेंट्री करेंगे। इस बात की जानकारी 'जियो सिनेमा' द्वारा एक ट्वीट के जरिए साझा की गई। इस ट्वीट के बाद इस बात की चर्चा तेज हो गई कि क्या इशांत शर्मा का अंतर्राष्ट्रीय करियर खत्म हो गया है? इस साल खेले गए आईपीएल 16 में इशांत शर्मा दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक्शन में दिखाई दिए थे। इशांत शर्मा का क्रिकेट सफर उल्लेखनीय रहा है। 19 साल की उम्र में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करते हुए उन्होंने अपने पूरे करियर में मुख्य रूप से टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित किया। अब मैदान पर पसीना बहाने के बजाय, शर्मा अब कमेंट्री बॉक्स में आराम से मैच विश्लेषण प्रदान करेंगे। इशांत शर्मा ने 105 टेस्ट, 80 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं।

एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

कराची । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले ओलंपिक क्वालीफाइंग की मेजबानी पाकिस्तान को सौंपी है। इस तरह से पाकिस्तान लगभग 19 साल बाद किसी अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। उसने इससे पहले आखिरी बार 2004 में एफआईएच प्रतियोगिता की मेजबानी की थी। वह अब अगले साल 13 से 24 जनवरी तक लाहौर में आठ टीमों की मेजबानी करेगा।

एफआईएच के महासचिव हैदर हुसैन ने कहा, 'पाकिस्तान के हॉकी प्रशंसक पिछले 20 वर्षों से घरेलू मैदान पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी सितारों को देखने से वंचित हैं और एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर से पाकिस्तान में इस खेल को फिर से बढ़ावा मिलेगा। पाकिस्तान पिछले दो ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था।

हेलमेट के बिना खेलते थे गावस्कर, पहलवान वदर के थे फैन

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में शूमार पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज सुनील मनोहर गावस्कर 74 वर्ष के हो गए हैं। 10 जुलाई 1949 को भारत के इस महान क्रिकेटर का जन्म मुम्बई में हुआ था। गावस्कर मौजूदा समय में बतौर कमेंटेटर भूमिका निभाते हैं। उनके नाम कई उपलब्धियां है जो उन्हें महान बनाती है।

आमतौर पर मैदान पर बल्लेबाजों को हमेशा कोच हेलमेट पहनकर खेलने की हिदायत देते रहते हैं, लेकिन गावस्कर एक ऐसे बल्लेबाज के रूप में जाने जाते हैं जिन्होंने अपने क्रिकेट करियर के दौरान कभी भी हेलमेट का प्रयोग नहीं किया। आज उनके खास दिन पर हम आपको उनसे जुड़ी 10 ऐसी खास बातें बताने जा रहे हैं जो शायद आप कम ही जानते होंगे।

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर की खास बातें-

◎ गावस्कर बचपन में एक रेसलर बनना चाहते थे। वो महान पहलवान मारुति वदर के बहुत बड़े फैन थे।

क्रिकेट की प्रति उनकी रुचि अपने मामा माधव मंत्री को खेलता देखने के बाद बढ़ी।

◎ सुनील गावस्कर को साल 1980 में पद्म भूषण पुरस्कार से नवाजा गया था।

◎ गावस्कर टेस्ट क्रिकेट में दस हजार रन बनाने बाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। उनके टेस्ट में 34 शतक हैं, इनका यह रिकॉर्ड 20 साल तक कायम रहा।

◎ वह हाल में कमेंटटेटर के तौर पर क्रिकेट से जुड़े हैं। लेकिन कमेंट्री करने से पहले एक टेस्ट और पांच वन डे मैचों में रैफरी की भूमिका भी निभा चुके हैं।

◎ गावस्कर क्रिकेट के मैदान के अलावा सिल्वर स्क्रीन पर भी अपना जादू बिखेर चुके हैं। गावस्कर मराठी फिल्म 'सावली प्रेमाची' में लीड रोल निभा चुके हैं। इसके अलावा हिंदी फिल्म 'मालामाल' में भी उन्होंने छोटा सा रोल किया है।

◎ 6. क्रिकेट में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए साल 1975 में सुनील गावस्कर को अजुर्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

◎ साल 2012 में सुनील गावस्कर को कर्नल सी.के नायडू लाइफटाइम अचिवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

◎ इंटरनेशनल क्रिकेट मे धमाल मचाने वाले सुनील गावस्कर ने इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में कुछ खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। साल 1980 में उन्होंने समरसेट काउंटी क्लब के लिए केवल एक सत्र खेला था जिसमें उन्होंने 34.30 की औसत से 686 रन बनाए थे। इसमें दो शतक भी शामिल थे।

◎ गावस्कर पहले भारतीय खिलाड़ी थे जिन्होंने टेस्ट मैचों में 100 कैच लपके थे।

◎ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 51.12 की स्ट्राइक रेट से 10122 रन बनाए बनाए हैं जिसमें 34 शतक और 45 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं वन डे क्रिकेट में 35.13 की स्ट्राइक रेट से 3092 रन बनाए हैं, इसमें एकमात्र शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं।

डेराबस्सी इलाका पंजाब के नियंत्रण में नहीं, वे हरियाणा को सौंपना चाहते हैं: मनोहर लाल

पंचकूला, एजेंसी। डेराबस्सी में जलभराव की समस्या को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान को हरियाणा सीएम मनोहर लाल ने निराधार बताया। उन्होंने कहाकि किसी भी क्षेत्र को देखकर वे कहते हैं कि हरियाणा में पानी भरा हुआ है, मुझे लगता है कि उन्होंने मन बना लिया है। डेराबस्सी क्षेत्र उनके नियंत्रण में नहीं है। वे इसे हरियाणा को सौंपने जा रहे होंगे। डेराबस्सी में पानी को देखकर हरियाणा के बारे में बात करना हास्यास्पद है। अभी वे कौशल्या डैम का जलस्तर देखने आए हैं।

एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में बिजली की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने बेवजह एक ऐसा मुद्दा बनाने के प्रयासों की आलोचना की जो अस्तित्व में ही नहीं है और राज्य में प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

कौशल्या डैम के जल स्तर का लिया जायजा:

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कौशल्या डैम में जलस्तर का आकलन करने के लिए कौशल्या बांध

का दौरा किया। इस दौरान पंचकूला की उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी और अन्य अधिकारी उनके साथ थे। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है। इससे कौशल्या डैम में जलस्तर काफी बढ़ गया है। बढ़े जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध के गेट खोले गए हैं और 4000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। हालांकि, बारिश थमने से स्थिति नियंत्रण में नजर आ रही है।

उन्होंने आगे कहाकि हथिनी कुंड बैराज पर एक लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहां 300,000 क्यूसेक पानी पर अलर्ट होता है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमारी तैयारी बरकरार है, चाहे वह बारिश की वजह से हो या पहाड़ों से पानी आने की। उन्होंने कहा कि कुछ इलाकों में एक या दो घंटे की छोटी अवधि के लिए जलभराव हुआ है, लेकिन स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है।

इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पिंजौर के ऐतिहासिक यादवेंद्र गार्डन में पर्यटन विभाग और बागवानी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 30वें आम मेले का भी दौरा किया। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने मेले का भ्रमण किया और कई आम स्टालों का दौरा किया। जहां उन्होंने फलों के राजा आम का स्वाद चखा। साथ ही उन्होंने मेले में विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादकों से भी बातचीत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आम मेले के आयोजन के पीछे प्राथमिक उद्देश्य जनता और किसानों दोनों को उपलब्ध आमों की विभिन्न किस्मों के बारे में शिक्षित करना है, साथ ही आम की खेती को भी प्रोत्साहित करना है।

अरविंद केजरीवाल को एक और झटका, गुजरात में आप के नेता ने यूसीसी पर सपोर्ट के विरोध में छोड़ी पार्टी

अहमदाबाद, एजेंसी। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर सैद्धांतिक समर्थन का ऐलान करना गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) और अरविंद केजरीवाल को महंगा पड़ गया। गुजरात में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित सीट से 2022 में विधानसभा चुनाव लड़ चुके आप के एक नेता ने पार्टी द्वारा यूसीसी के सैद्धांतिक समर्थन का विरोध करते हुए रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजे गए इस्तीफे में आदिवासी नेता प्रफुल्ल वसावा ने कहा कि समान नागरिक संहिता संविधान पर हमला है।

नर्मदा जिले के नांदोड (एसटी) सीट से 2022 विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे वसावा ने अपने

इस्तीफे में कहा है कि आप समान नागरिक संहिता का समर्थन करने के साथ-साथ आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा की बात नहीं कर सकती। उन्होंने दावा किया कि समान नागरिक संहिता आदिवासियों को मिले सभी विशेषाधिकार समाप्त कर देगी।

वसावा ने मणिपुर में आदिवासियों की हत्या को लेकर केन्द्र पर आरोप लगाया और आप से कट्टरवाद और घृणा की राजनीति का विरोध करने को कहा है।

आप की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए केजरीवाल को लिखे गए पत्र में वसावा ने कहा है, समान नागरिक संहिता से आदिवासियों, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों और अन्य समुदायों के संवैधानिक अधिकारों, जीवनशैली और सामाजिक ताने-बाने के लिए खतरा पैदा होगा। बता दें कि, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक रैली में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता का जिक्र किए जाने के बाद आप की ओर से इसे सैद्धांतिक समर्थन दिया गया था। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा था कि इसे सभी की सहमति से लाया जाना चाहिए। पाठक ने हाल में कहा था, आम आदमी पार्टी सैद्धांतिक रूप से यूसीसी का समर्थन करती है। संविधान का अनुच्छेद 44 भी इसका समर्थन करता है। यूसीसी पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने पूछा था कि कोई देश व्यक्तिगत मुद्दों को नियंत्रित करने वाले दोहरे कानूनों के साथ कैसे चल सकता है।

कर्नाटक सरकार आज करेगी अन्न भाग्य योजना के तहत डीबीटी की शुरुआत

22 लाख परिवारों को नहीं मिलेगा तत्काल लाभ

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया सोमवार को अन्न भाग्य योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) की शुरुआत करेंगे। राज्य में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले लगभग 22 लाख परिवारों को तुरंत सहायता नहीं मिल सकती है, क्योंकि उनके पास बैंक खाते नहीं हैं। कर्नाटक में अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता वाले परिवारों के 1.28 करोड़ राशन कार्ड हैं और इनमें से 99 प्रतिशत कार्ड आधार संख्या से जुड़े हैं। इनमें से 82 प्रतिशत यानी 1.06 करोड़ कार्ड सक्रिय बैंक खातों से जुड़े हुए हैं। उन कार्ड धारकों को नकदी हस्तांतरित कर दी जाएगी।

एक आधिकारिक बयान में रविवार को कहा गया कि शेष कार्ड धारकों को नए खाते खोलने के लिए सूचित किया जाएगा। कुल 1.27 करोड़ राशन कार्डों में एक सदस्य को परिवार के मुखिया के रूप में नामित किया गया है। इसमें कहा गया है कि नकदी परिवार के मुखिया के खातों में स्थानांतरित की जाएगी। उनमें से 94 प्रतिशत महिलाएं और पांच प्रतिशत पुरुष हैं। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर राज्य में अन्न भाग्य योजना के तहत प्रत्येक बीपीएल परिवार के सदस्य को 10 किलो चावल देने का वादा किया था। कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के एच मुनियप्पा के अनुसार, पूरा पैसा एक पखवाड़े में लाभार्थियों के खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

तेजस्वी यादव बोले - आने वाले दिनों में लालू और नीतीश के साथ मिलकर करेंगे भाजपा की सर्जरी

पटना, एजेंसी। अमेरिका यात्रा से रविवार को यहां लौटे बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि वह आने वाले दिनों में अपनी पार्टी राजद प्रमुख लालू प्रसाद और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर भाजपा की सर्जरी करेंगे। दिल्ली में मौजूद लालू उन्हें लेकर वापस पटना लौट आए। तेजस्वी यादव ने कहा, भाजपा के नेता बिहार के लोगों के बीच भ्रम पैदा कर रहे हैं कि महागठबंधन में दरारें दिखाई दे रही हैं और यह जल्द ही टूट जाएगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि महागठबंधन मजबूत और एकजुट है। हम लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे हैं और हमारे और मुख्यमंत्री के बीच कोई मतभेद नहीं है।

जब भी हम भाजपा को हराते हैं और उसे बिहार से बाहर फेंकते हैं, तो वे सीबीआई, ईडी और आयकर लेकर आते हैं और इन एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं। 2017 में सीबीआई ने मेरे ऊपर आरोपपत्र दाखिल किया था,

उसका क्या हुआ? छह साल बीत जाने के बाद कहां है जांच और कहां हैं एजेंसियां? पटना एक ऐसी जगह है जो क्रांति के लिए जानी जाती है। पटना में 15 पार्टियों की बैठक के बाद वे डरे हुए हैं और इसलिए हताशा में मेरे खिलाफ ऐसा कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है कि सीबीआई ने मेरे खिलाफ कार्रवाई की है। जब बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो मेरे आवास और अन्य ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी हुई थी। उन्होंने कहा, यहां तक कि तटस्थ पत्रकारों पर भी छापे पड़ रहे हैं। भाजपा की ओर से दावा किया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले तक महाराष्ट्र में कुछ नेता भ्रष्ट हैं। मगर जब वही नेता गठबंधन के साथी बन जाते हैं तो पाप धुल जाता है और गुणवान बन जाते हैं। ये भाजपा की पुरानी रणनीति है। मेरे खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में कोई दम नहीं है, यह सिर्फ मुझे बदनाम करने का एक नया प्रोपेगेंडा है।तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सरकार मजबूती से और सुचारु रूप से चल रही है। देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने और देशहित में विकास के उद्देश्य से ही महागठबंधन का गठन किया गया है।उन्होंने कहा, महागठबंधन के गठन के बाद हमने तय किया है कि लालू जी और नीतीश जी समूचे देश का दौरा करेंगे और विपक्षी दलों को एकजुट करेंगे। उन्होंने ऐसा किया है और आपने इसे पटना की बैठक के दौरान देखा है। अब बेंगलुरु में हमारी दूसरे दौर की बैठक है। चूंकि पटना बैठक हमारे लिए एक बड़ी सफलता थी, वे (भाजपा) प्रचार कर रहे हैं कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। हम भलीभांति जानते हैं कि यह प्रोपेगेंडा है और नीतीश जी भी यह जानते हैं।तेजस्वी ने कहा, भाजपा का एक ही काम है, झूठ बोलना। बीजेपी का मतलब है बड़का झूठा पार्टी। कुछ मीडिया हाउस और पत्रकार चाह रहे हैं कि महागठबंधन में टूट हो, लेकिन ऐसा नहीं होगा।

कर्नाटक में मामूली विवाद पर दुकान मालिक ने मजदूर को लगाई आग

मंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंगलुरु में एक किराना दुकान संचालक ने मामूली कहासुनी पर अपने यहां काम कर रहे मजदूर की हत्या कर दी। साथ ही दुकानदार ने साजिश रचकर हत्या को बिजली के करंट से हुई मौत बता दिया। पुलिस ने कहा कि किराना दुकान के मालिक ने अपने मजदूर की आग लगाकर हत्या कर दी और बाद में इसे बिजली का झटका बता दिया। पुलिस ने कहा कि इस मामले में मुलिहिथलू से दुकान संचालक को गिरफ्तार किया गया है। मंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त कुलदीप कुमार आर जैन ने कहा कि मंगलुरु दक्षिण पुलिस ने आसपास के स्थानीय निवासियों से पूछताछ के बाद सबूतों के आधार पर शनिवार को आरोपी तौसीफ हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति ने कथित तौर पर मजदूर गजानन को आग लगा दी और फिर इसे बिजली का झटका बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर मामूली विवाद पर गजानन को आग लगाकर मार डाला। इसके बाद, अपराध को छुपाने के लिए उसने इलाके के लोगों को झूठी सूचना दी कि गजानन को करंट लग गया है और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने घटना की हत्या होने की पुष्टि की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने राष्ट्रपति मुर्मु को लिखा पत्र, कहा- राज्यपाल पद के लिए योग्य नहीं आरएन रवि

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को 15 पन्नों का शिकायती पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि राज्यपाल आरएन रवि उक्त पद पर रहने योग्य नहीं है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल की गतिविधियां तमिलनाडु की जनता और चुनी हुई सरकार के खिलाफ है।

शिकायती पत्र में उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की विभिन्न गतिविधियों से पता चलता है कि वह राज्यपाल बनने के योग्य नहीं हैं। राज्यपाल रवि तमिलनाडु विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी प्रदान करने में अनावश्यक देरी करते हैं। राज्यपाल अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ मामलों को मंजूरी देने की भी अनुमति नहीं दे रहे हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। राज्य सरकार की नीतियों और विचारधारा के लिए दुश्मन की तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने सेंथिल बालाजी को कैबिनेट से बर्खास्त कर संविधान का उल्लंघन किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्यपाल भी पुलिस जांच में शामिल होते हैं और आरोपियों का समर्थन करते हैं। राज्यपाल रवि ने कहा कि चिदंबरम नटराज मंदिर में कोई बाल विवाह नहीं हुआ था, जबकि बाद में बाल विवाह का वीडियो जारी किया गया और राज्यपाल की टिप्पणियों को झूठा करार दिया गया। इसी तरह राज्यपाल ने सेंथिल बालाजी को कैबिनेट से बर्खास्त करके संविधान का बड़ा उल्लंघन किया और बाद में उन्होंने अपने फैसले को स्थगित कर दिया था। मुख्यमंत्री स्टालिन ने 8 जुलाई को शिकायती पत्र लिथा था, जिस दिन राज्यपाल रवि ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। बता दें कि स्टालिन ने पत्र में सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव के विभिन्न मुद्दों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने संविधान के अनुच्छेद 156(1) का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपाल तब तक पद पर रह सकते हैं जब तक राष्ट्रपति चाहें, लेकिन तमिलनाडु के कल्याण को ध्यान में रखते हुए मैंने राज्यपाल रवि की सच्चाई को सूचीबद्ध किया है। हालांकि, मैं इसे उन पर छोड़ता हूं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के रोहिणी में बारिश के बीच ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरा, चालक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रोहिणी इलाके में रविवार को भारी बारिश के दौरान एक ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से चालक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना रोहिणी के सेक्टर-9 इलाके की है। राजधानी में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण पेड़ गिर गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रशांत विहार थाने में सूचना मिली थी कि रोहिणी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पास एक ऑटो पर पेड़ गिर गया है और ऑटो चालक की हालत गंभीर है। अधिकारी ने कहा, पीएस प्रशांत विहार की एक टीम मौके पर पहुंची और पेड़ गिरने से एक ऑटो चालक घायल हो गया। घायल चालक की पहचान राजेंद्र के रूप में हुई, जिसे तुरंत स्थानीय पुलिस और पीसीआर कर्मचारियों द्वारा नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। क्षतिग्रस्त ऑटो को जब्त कर लिया गया और पीएस मालखाना में जमा कर दिया गया। बाद में अस्पताल में राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया गया। उनके शव को संरक्षण और पोस्टमार्टम की आगे की कार्यवाही के लिए डॉ. बीएसए अस्पताल के शवगृह में ले जाया गया। अधिकारी ने कहा, परिवार के सदस्यों से पता चला कि मृतक एक ऑटो चालक था और सेक्टर-16, रोहिणी का स्थायी निवासी था। आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डीआरआई ने सूरत एयरपोर्ट पर 48 किलो सोना जब्त किया

सूरत (गुजरात), एजेंसी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अपने विशेष अभियान ऑपरेशन गोल्डमाइन के तहत सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 48 किलो सोने का पेस्ट जब्त किया है। डीआरआई ने रविवार को यह जानकारी दी है। अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन गोल्डमाइन के तहत हमने सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर 48 किलोग्राम सोने का पेस्ट जब्त किया है। यह हाल के दिनों में हवाईअड्डे पर सोने की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 110 के तहत पूरा सोना जब्त कर लिया गया। इसके अलावा धारा 132 और 135 के तहत मामला दर्ज किया गया और मामले की आगे की जांच जारी है।

यूक्रेन अभी नाटो की सदस्यता के लिए तैयार नहीं : बाइडेन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन अभी नाटो की सदस्यता के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि कीव पर चल रहे रूसी आक्रमण की समाप्ति के बाद ही सैन्य गठबंधन युद्धग्रस्त राष्ट्र को इसमें शामिल करने पर विचार कर सकता है। रविवार रात को सीएनएन समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में बाइडेन ने कहा कि कीव को नाटो सदस्यता देने की बातचीत अभी समय से पहले है। उन्?होंने कहा कि हालांकि अमेरिका और नाटो के सहयोगी देश यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोदिमीर ज़ेलेंस्की और उनकी सेनाओं को सुरक्षा और हथियार प्रदान करना जारी रखेंगे, लेकिन उन्?हें रूस के साथ युद्ध ख़त्म करने की कोशिश करने की ज़रूरत है।बाइडेन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि नाटो में इस बात पर एकमत है कि इस समय युद्ध के बीच यूक्रेन को गठबंधन परिवार में लाया जाए या नहीं।राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर ज़ेलेंस्की से विस्तार से बात की है। उन्होंने अपने यूक्रेनी समकक्ष से कहा है कि प्रक्रिया पूरी होने तक अमेरिका यूक्रेन के लिए सुरक्षा और हथियार प्रदान करना जारी रखेगा जैसा कि वह इज़राइल के लिए करता है।बाइडेन ने सीएनएन को

बताया, मुझे लगता है कि हमें नाटो में शामिल होने के योग्य होने के लिए यूक्रेन के लिए एक तर्कसंगत रास्ता तैयार करना होगा। बिडेन ने यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा पर निकलने से पहले यह टिप्पणी की। अपनी यात्रा के वह मंगलवार और बुधवार को लिथुआनिया के विलनियस में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।रूस-यूक्रेन युद्ध और नाटो सदस्यता के लिए ज़ेलेंस्की का दबाव शिखर सम्मेलन में चर्चा का मुख्य केंद्र होगा। बैठक में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ के नेता भी भाग लेंगे।पिछले सप्ताह पहली बार यूक्रेन को क्लस्टर युद्ध सामग्री भेजने की वाशिंगटन की घोषणा के संबंध में बाइडेन ने सीएनएन को बताया कि कीव को विवादास्पद गोला-बारूद देना एक कठिन निर्णय था।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भारतवंशी थर्मन ने कहा- दूसरों से सीखकर अधिक फल-फूल सकती सिंगापुर की संस्कृति

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में राष्ट्रपति पद के लिए भारतीय मूल के उम्मीदवार थर्मन षणमुगारत्नम ने विश्वास जताया कि बहु-राष्ट्रीय संस्कृति वाला सिंगापुर एक समृद्ध स्थानीय संस्कृति का निर्माण कर सकता है, भले ही इसमें कुछ दशक लग जाएं। थर्मन ने रेडहिल प्रांत में झेन रेन गोंग मंदिर में 'पांचवें सिंगापुर शेंग गोंग कल्चरल एंड फोकलोर बिलीफ्स फेस्टीवल में रविवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने अपनी पत्नी जेन युमिको इत्तोगी के साथ इसमें भाग लिया। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने थर्मन के हवाले से कहा, ''मैंने हमेशा पाया कि जो लोग अपनी संस्कृति में बहुत गहरा विश्वास रखते हैं, वे अक्सर दूसरी संस्कृतियों के प्रति भी बहुत खुले विचार रखते हैं... मुझे लगता है कि हम यह कर सकते हैं और इससे सिंगापुर के नागरिक अधिक आत्मविश्वासी बनेंगे।

थर्मन ने सिंगापुर के राष्ट्रपति पद की अपनी उम्मीदवारी को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को सभी राजनीतिक और मंत्री पदों से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि जब सिंगापुर विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है तो उसे अपने आप से यह प्रश्न पूछने की जरूरत है कि वह कैसी पहचान चाहता है और वह अपनी परंपराओं को कैसे जीवित रखेगा। मंत्री पदों से इस्तीफा देने के बाद पहली बार जनता के सामने आए 66 वर्षीय अर्थशास्त्री ने कहा कि एक-दूसरे की संस्कृतियों के प्रति उदार होकर तथा दूसरों से सीखकर, सिंगापुर की संस्कृति अधिक मजबूती से फल-फूल सकती है तथा इसके लोग अधिक आत्मविश्वासी बन सकते हैं। तीन अलग-अलग लोक परंपराओं से जुड़े 800 से अधिक लोगों को संबोधित करते हुए थर्मन ने कहा कि सिंगापुर ने अपनी लोक संस्कृति तथा परंपराओं को जीवित रखा है और देश में कई मंदिर एक सदी से भी अधिक पुराने हैं तथा सबसे पुराना मंदिर करीब 200 वर्ष पहले बनाया गया था। देश में हर छह साल बाद राष्ट्रपति चुनाव होते हैं। मौजूदा राष्ट्रपति हलीमाह याकूब का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है और इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव होगा।

योजना मंत्री का खुलासा- चीन ने 2018 के चुनाव से पहले पाकिस्तान सरकार को दी थी चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसन इकबाल ने दावा किया कि चीन ने 2018 के आम चुनावों से पहले पाकिस्तान की तत्कालीन सरकार को किसी भी तरह के नये प्रयोग के खिलाफ चेतावनी दी थी। मंत्री ने शनिवार रात एक निजी समाचार चैनल जियो टीवी के एक कार्यक्रम के दौरान यह दावा किया। कार्यक्रम के दौरान इकबाल ने 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा को नुकसान पहुंचाने को लेकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नीत पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधा।

जियो टीवी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नेता के हवाले से कहा, चीन ने कूटनीतिक तरीके से तत्कालीन सरकार को किसी भी नये प्रयोग से बचने के लिए (एक संदेश) देने की कोशिश की थी क्योंकि इससे सीपीईसी को नुकसान पहुंचता। पाकिस्तान की तत्कालीन सरकार ने चीन को आश्वस्त किया था कि यहां जो भी सरकार सत्ता में आएगी, वह सीपीईसी के बुनियादी ढांचे और 'कनेक्टिविटी परियोजना में बाधा उत्पन्न नहीं करेगी। योजना मंत्री ने कहा, चीन ने सरकार से

चुनावों में हस्तक्षेप नहीं करने को कहा था क्योंकि परिवर्तन का कोई भी प्रयोग पाकिस्तान के लिए फायदेमंद नहीं होगा और सीपीईसी को नष्ट कर देगा।

एक प्रश्न के जवाब में मंत्री ने देश की प्रगति और विकास के लिए नीतियों की निरंतरता की आवश्यकता पर बल दिया। इकबाल ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर सीपीईसी परियोजना को बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि परियोजना के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए और पश्चिमी देशों की मीडिया ने इमरान खान की पार्टी के नेताओं द्वारा दिए गए विवादास्पद बयानों को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि इमरान खान नीत सरकार के दौरान मंत्री रहे मुराद सईद ने उनके खिलाफ सीपीईसी से जुड़े आधारहीन भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इकबाल ने कहा, शायद, ऐसा पहली बार हुआ कि चीन की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी ने उस मंत्री के खिलाफ निंदनीय बयान जारी किया, जिसके साथ वह काम कर रही थी। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान नीत तत्कालीन सरकार ने आधारहीन आरोपों, चीनी श्रमिकों के वीजा नवीनीकरण में देरी और अन्य रणनीति के माध्यम से पीएमएलएन-एन द्वारा सीपीईसी परियोजना को बर्बाद कर दिया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129